हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

दिल्ली एक दशक की 'आप दा' से मुक्त हुई : मोदी

भाजपा के दोनों पूर्व सीएम के बेटे चुनाव जीत गए हैं

कांग्रेस के 70 में से 67 की जमानत जब्त, बस 3 बचा पाए लाज

विस चुनाव	70 सीटें
बहुमत	36 सीटें
भाजपा	48
आप	22
कांग्रेस	00

इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के बाद पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

- इस जनादेश से स्पष्ट है कि आज दिल्ली में विकास, विजन और विश्वास की जीत
- आडंबर, अराजकता, अहंकार तथा दिल्ली पर छाई 'आप-दा' की हार हुई है।
- आज की ये विजय ऐतिहासिक है। दिल्ली के लोगों ने आप-दा को बाहर कर दिया है।
- प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली में, दिल्ली के लोगों में एक उत्साह भी है और एक सुकून भी है।
- उत्साह विजय का है और सुकून दिल्ली को आप-दा से मुक्त कराने का है।
- दिल्ली की जनता ने साफ कर दिया है कि दिल्ली की असली मालिक सिर्फ और सिर्फ दिल्ली की जनता है।
- जिनको दिल्ली का मालिक होने का घमंड था, उनका सच से सामना हो गया।
- राजनीति में शॉर्टकट के लिए, झूठ और फरेब के लिए कोई जगह नहीं है।

केंद्र की सत्ताधारी भाजपा ने अब देश की राजधानी दिल्ली पर भी कब्जा जमा लिया। करीब 27 साल बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज की। विस की 70 सीटों में भाजपा ने 48 सीटों पर जीत हासिल की, वहीं आप सिर्फ 22 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस को तीसरी बार भी एक भी सीट नहीं मिली।

केजरी और आप दिल्ली में 'साफ'

2020 में भाजपा ने महज 8 सीटें जीती थीं। 2025 में 48 सीटें जीती

केजरीवाल की नई दिल्ली सीट पर 20 की जमानत जब्त

भाजपा के लिए धड़का | 27 साल बाद शानदार वापसी

दिल्ली का 'दिल'

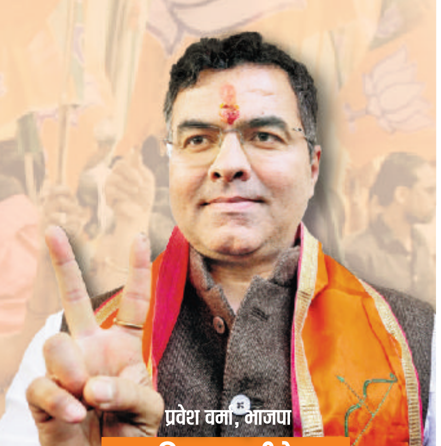

प्रवेश वर्मा, भाजपा

दिग्गज जीते

तरविंदर सिंह मारवाह-भाजपा | आतिशी मार्लेना आप | शिखा राय भाजपा | गोपाल राय आप

दिग्गज हारे

अरविंद केजरीवाल आप | मनीष सिसोदिया आप | रमेश बिधूड़ी भाजपा | सौरभ भारद्वाज आप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता से बाहर कर 27 साल बाद धमाकेदार वापसी की। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, मंत्री सौरभ भारद्वाज सहित सत्तारूढ़ दल के कई अन्य प्रमुख नेता चुनाव हार गए हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना कालकाजी विधानसभा सीट से जीत गई हैं। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा दिल्ली की 70 में से 40 सीट जीत गई है और आठ पर उसकी बढ़त बरकरार है। इस प्रकार वह 48 सीट पर जीत के साथ निर्णायक बहुमत हासिल करती दिख दिख रही है जबकि आप 22 सीट पर सिमटने के कगार पर है। एक बार फिर कांग्रेस राष्ट्रीय राजधानी में अपना खाता खोलती नहीं दिख रही है। अब तक के आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा को 45.91 प्रतिशत जबकि आप को 43.56 प्रतिशत वोट मिले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे 'प्रचंड जनादेश' ▶▶| शेष पेज 8 पर

1993 में भाजपा, कांग्रेस ने किया था 15 साल राज

दिल्ली में भाजपा ने 1993 में 49 सीटें यानी दो तिहाई बहुमत हासिल किया था। 5 साल की सरकार में मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज सीएम बनाए गए थे। 1998 के बाद कांग्रेस ने 15 साल राज किया। इसके बाद 2013 से आम आदमी पार्टी की सरकार थी।

क्यों जीती भाजपा, आप क्यों हार गई

- भाजपा ने इस चुनाव को पीएम मोदी बनाम केजरीवाल बनाया। प्रधानमंत्री ने अपने नाम पर वोट मांगे।
- केजरीवाल शराब नीति केस में कुल 177 दिन जेल में रहे। भाजपा ने इसे चुनावी मुद्दा बनाया।
- केजरीवाल के सरकारी बंगले के रेनोवेशन पर 45 करोड़ रुपए खर्च किए जाने को भाजपा ने मुद्दा बनाया।
- भाजपा महिलाओं और 60-70 साल के बुजुर्गों को हर महीने 2500 रुपए देने का ऐलान किया।
- भाजपा ने 68 उम्मीदवार उतारे। भाजपा ने पिछले चुनाव वाले 46 प्रत्याशी बदल दिए।

जनता ने दिया जवाब

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में भ्रष्टाचार, कुशासन और अराजकता की सभी सीमाएं पार करने वाली 'आप-दा' सरकार को जनता ने करारा जवाब दिया। भाजपा का प्रदर्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के कुशल मार्गदर्शन में कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत की ▶▶| शेष पेज 8 पर

कांग्रेस जीरो, लेकिन 14 सीटों पर आप को हरवाया

पिछले चुनाव में कांग्रेस जीरो थी, जीरो ही रही, लेकिन आम आदमी पार्टी को जरूर हरवा दिया। 14 सीटों पर आम आदमी पार्टी की हार का अंतर, कांग्रेस के मिले वोटों से कम है। विश्लेषकों का ऐसा मानना है कि अगर आप और कांग्रेस ▶▶| शेष पेज 8 पर

केजरीवाल को हराकर प्रवेश वर्मा ने किया बड़ा उलटफेर

आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को नई दिल्ली सीट से हराकर भाजपा के प्रवेश वर्मा दिल्ली की राजनीति में बड़ा उलटफेर कर दिया। वर्मा ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कड़े मुकाबले में 4,089 मतों के अंतर से हराया। वर्मा को 30,088 वोट मिले, जबकि केजरीवाल को 25,999 और कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित को 4,568 वोट मिले। पश्चिमी दिल्ली से दो बार सांसद रहे प्रवेश वर्मा ने भाजपा द्वारा उनकी उम्मीदवारी की आधिकारिक घोषणा से पहले ही नयी दिल्ली सीट पर जोरदार प्रचार अभियान शुरू कर दिया था। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश दिल्ली के मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

जीत की खुशी...

दिल्ली विधानसभा चुनाव के शनिवार को नतीजे आए। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया। भाजपा की एकतरफा जीत हुई। जीत के मौके पर देशभर के विभिन्न शहरों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। राजधानी दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण विक्ट्री साइन बनाकर खुशी का इजहार करते हुए।

अयोध्या हार का बदला, भाजपा ने सपा से मिल्कीपुर छीना

अयोध्या। अयोध्या हार का बदला भाजपा ने मिल्कीपुर जीत कर ले लिया। 8 साल बाद सपा से यूपी की मिल्कीपुर विधानसभा छीन ली। भाजपा ने मिल्कीपुर में इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। भाजपा प्रत्याशी चंदभानु पासवान ने सपा के अजीत प्रसाद को 61 हजार 636 वोट से हराया। इससे पहले सपा से अवधेश प्रसाद साल 2012 में 39,237 वोट से जीते थे। अखिलेश यादव ने मिल्कीपुर रिजल्ट पर कहा- ये भाजपा की झूठी जीत है। जिसका जश्न भाजपाई आंखों-में-आंखें डालकर नहीं मना पाएंगे। जिन अफसरों ने घपलेबाजी की, वो सजा पाएंगे। न कुदरत उन्हें बख्शेगी, न कानून।

- पासवान की 61 हजार वोट की सबसे बड़ी जीत

अपने बूथ पर ही हारे सांसद अवधेश के बेटे

उपचुनाव में चंद्रभानु पासवान को 1 लाख 46 हजार 291 और अजीत प्रसाद को 84 हजार 655 वोट मिले। बाकी सभी 8 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। अयोध्या सांसद के बेटे होने के बावजूद अजीत प्रसाद अपने ही बूथ से हार गए। लोकसभा चुनाव में मिल्कीपुर विधानसभा में भाजपा को सपा से 7 हजार वोट कम मिले थे। 8 महीने में ही भाजपा ने बाजी पलट दी। तीसरे नंबर पर आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी सूरज चौधरी रहे। उन्हें 5 हजार 457 वोट मिले। मिल्कीपुर में भाजपा पहले राउंड से ही बढ़त बनाए हुए थी। वह आखिर तक जारी रही। एक बार भी सपा आगे नहीं निकल पाई।

राजधानी दिल्ली में खिला है भाजपा का कमल

कौन बनेगा मुख्यमंत्री... प्रवेश, विजेंद्र, सतीश रेस में चल रहे हैं सबसे आगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि दिल्ली में मुख्यमंत्री कौन बनेगा? देखा जाए तो बीजेपी में सीएम पद के कई दावेदार हैं। सीएम चेहरे का चुनाव करते समय बीजेपी जातिगत और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश करेगी।

- आप पार्टी को मिली है करारी शिकस्त

सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री का चुनाव विधायकों में से ही होने की संभावना है। सीएम की रेस में सबसे पहला नाम प्रवेश वर्मा का है। उन्होंने नई दिल्ली सीट से अरविंद केजरीवाल को हराया है।

प्रवेश वर्मा

प्रवेश वर्मा के पास राजनीतिक अनुभव भी है और इससे पहले वह दो बार सांसद रह चुके हैं।बाहरी दिल्ली से होने के बावजूद प्रवेश वर्मा ने नई दिल्ली में अपनी ताकत दिखाई। वे पूर्व सीएम साहिब सिंह वर्मा के बेटे हैं। वर्मा केवल दिल्ली के प्रमुख युवा चेहरों में ही शामिल नहीं हैं, बल्कि जाट सीएम बनाने से ग्रामीण दिल्ली, पश्चिमी यूपी, हरियाणा और राजस्थान के जाट वोटरों में संदेश जाएगा. वोटिंग और जीत के बाद उन्होंने अमित शाह से मुलाकात की।

विजेंद्र गुप्ता

बीजेपी का वैश्य चेहरा विजेंद्र गुप्ता दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष रह चुके हैं। आप की लहर के बावजूद उन्होंने पिछले दोनों विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। 2015 में जब दिल्ली विधानसभा में केवल 3 विधायक थे तो उनमें से एक विजेंद्र गुप्ता थे। इसके बाद 2020 के विधानसभा चुनावों में भी उन्होंने अपनी सीट बचाए रखी. वह दो बार दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं।

जितेंद्र महाजन

रोहतास नगर से लगातार तीसरी बार चुनाव जीते जितेंद्र महाजन आरएसएस के करीबी हैं और वैश्य समुदाय से आते हैं। उन्होंने इस बार भी आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार सरिता सिंह को बड़े मतों के अंतर से शिकस्त दी। वह डार्क हॉर्स साबित हो सकते हैं।

सतीश उपाध्याय

सतीश उपाध्याय बीजेपी का ब्राह्मण चेहरा हैं। वह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके अलावा वह दिल्ली युवा मोर्चा के अध्यक्ष, एनडीएमसी के उपाध्यक्ष रहे हैं। प्रशासनिक अनुभव के साथ-साथ वह संगठन में भी कई जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। उपाध्याय मध्य प्रदेश के सह प्रभारी रहे हैं और संघ में भी उनकी गहरी पकड़ है।

आशीष सूद

आशीष सूद भाजपा का पंजाबी चेहरा हैं। जनकपुरी से विधायक चुने गए सूद पार्षद भी रहे हैं। इसके अलावा दिल्ली भाजपा के महासचिव रहे और वर्तमान में गोवा के प्रभारी और जम्मू-कश्मीर के सह प्रभारी हैं। केंद्रीय नेताओं से उनके करीबी रिश्ते हैं। डीयू के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

संदीप ने लिया केजरीवाल से मां की हार का बदला

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की हार ने सबको चौंका दिया है। त्रिकोणीय संघर्ष में उन्हें भाजपा से प्रवेश वर्मा से हार मिली है। तीसरे नंबर पर रहे कांग्रेस के संदीप दीक्षित रहे हैं। लेकिन कहा जा रहा है, केजरी को प्रवेश ने नहीं बल्कि संदीप ने हराया है। और इस तरह संदीप ने अपनी मां (पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित) की हार का बदला ले लिया है। दरअसल, इस नई दिल्ली सीट का मजेदार फैक्ट यह है कि इस सीट पर अरविंद केजरीवाल जितने वाटों से हारे हैं लगभग उतना ही वोट संदीप दीक्षित को मिला है। इस तरह से संदीप दीक्षित ने अरविंद केजरीवाल से अपना एक पुराना हिसाब बराबर कर लिया है। नई दिल्ली के इस नतीजे के साथ ही संदीप दीक्षित ने 2013 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल द्वारा शीला दीक्षित को हराने का बदला ले लिया है। इस सीट पर विजयी रहे बीजेपी के प्रवेश सिंह वर्मा ने अरविंद केजरीवाल को 4089 वोटों से हराया। तीसरे नंबर पर रहे संदीप दीक्षित को कुल 4568 वोट मिले। इस तरह से केजरीवाल बीजेपी के प्रवेश वर्मा से उतने ही वोटों से हारे जितने वोट लगभग संदीप दीक्षित को मिले।

टॉप थ्री उम्मीदवार	कुल वोट	मार्जिन
प्रवेश वर्मा (भाजपा)	30088	+4089
अरविंद केजरीवाल (आप)	25999	-4089
संदीप दीक्षित (कांग्रेस)	4568	-25520

सत्येंद्र को हराने वाले सबसे अमीर करनैल हैं 10वीं पास

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की एकतरफा जीत हुई है। इन सबके बीच चर्चा हो रही है दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ने वाले सबसे अमीर उम्मीदवार करनैल सिंह की। भाजपा नेता करनैल सिंह ने 18863 वोटों से शकूर बस्ती विधानसभा से जीत दर्ज की है। इन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के सत्येंद्र जैन को हराया है। दिल्ली में भाजपा के करनैल सिंह सबसे अमीर विधायक हैं। इनके पास काफी संपत्ति है। इनके अमेरिका में भी 4 घर हैं। इसके अलावा लाखों रुपये की ज्वैलरी भी है। माई नेता डॉट कॉम के मुताबिक, ये सिर्फ 10वीं पास हैं। भाजपा के करनैल सिंह ने 18863 वोट से जीत दर्ज की है। चुनावी हलफनामे के मुताबिक, भाजपा उम्मीदवार करनैल सिंह ने 259.67 करोड़ रुपये की संपत्ति बताई थी। भाजपा के इस विधायक के पास 258 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। हरियाणा में 60 करोड़ रुपये का तो फार्म हाउस है। इसके अलावा, इनके पास 55 लाख की सोनीपत में दुकान है। अमेरिका के वाशिंगटन और कैर्लिफोनिया से लेकर हरियाणा के सोनीपत में 198 करोड़ रुपये का घर है।

दूसरे और तीसरे नंबर पर ये हैं

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक, अमीर उम्मीदवारों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर राजौरी गार्डन से भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा हैं। सिरसा के पास 248.85 करोड़ रुपये की घोषित संपत्ति है। इसके बाद कृष्णा नगर से कांग्रेस के गुरचरण सिंह का नाम आता है। जिनके पास 130.90 करोड़ की संपत्ति है।

बिलासपुर, रविवार 9 फरवरी 2025 | माघ शुक्ल पक्ष द्वादशी | वर्ष: 24, अंक: 318 | पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

- मध्यप्रदेश, झारखंड और ओडिशा ही नहीं हरियाणा पंजाब तक से हो रही तस्करी
- हर साल 10 करोड़ रुपए की शराब पकड़ी जाती है, सैकड़ों करोड़ की खपा दी जाती

अवैध शराब का गढ़ छत्तीसगढ़... क्योंकि पड़ोसी राज्यों में 40 फीसदी तक सस्ती

भिलाई- आलोक तिवारी/राजनांदगांव-सचिन अग्रहरि की विशेष रिपोर्ट

छत्तीसगढ़ में चुनावी सीजन है। शहरों से लेकर गांव-गांव में वोट डाले जा रहे हैं। वोटरों को लुभाने के लिए कई तरह की तिकड़म की जा रही हैं, उसमें सबसे खास है शराब बंटवाने का काम। हाल यह है कि पाटन और सिमगा समेत प्रदेशभर में कई जगह दो दिन में ही एक करोड़ से ज्यादा शराब पकड़ी जा चुकी है। सामान्य दिनों में भी जमकर शराब की तस्करी होती है। हरिभूमि की पड़ताल में सामने आया कि शराब तस्करों के लिए छत्तीसगढ़ खास बन गया है। क्योंकि... छत्तीसगढ़ में पड़ोसी राज्यों से 40 फीसदी तक शराब महंगी है। वहां से लाकर यहां खपाने में तस्करों को तगड़ा मुनाफा होता है। सूत्रों के अनुसार हर साल दस करोड़ की शराब पकड़ी जाती है, लेकिन इससे 20 गुना, यानी दो सौ करोड़ की शराब खपा दी जाती है।

हरिभूमि लाइव

पड़ताल में सामने आया कि मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़ से कम कीमत में शराब उपलब्ध है। मप्र में ज्यादा मात्रा में शराब लेने ▶▶| शेष पेज 8 पर

पाटन कांग्रेस नेता के फार्म हाउस से 500 पेटी शराब जब्त, सात गिरफ्तार

- पाटन पुलिस और एसीसीयू की कार्रवाई

भिलाई/पाटन। चुनाव के पहले ग्राम फुंडा स्थित कांग्रेसी नेता के बाड़ी से भारी मात्रा में शराब मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पाटन पुलिस की टीम ने शराब को जब्त कर इसमें शामिल सात युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ग्रामीण एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि वर्मा फार्म हाउस से 500 पेटी अवैध शराब मिली है। ▶▶| शेष पेज 8 पर

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में शराब की कीमतें (पेटी)

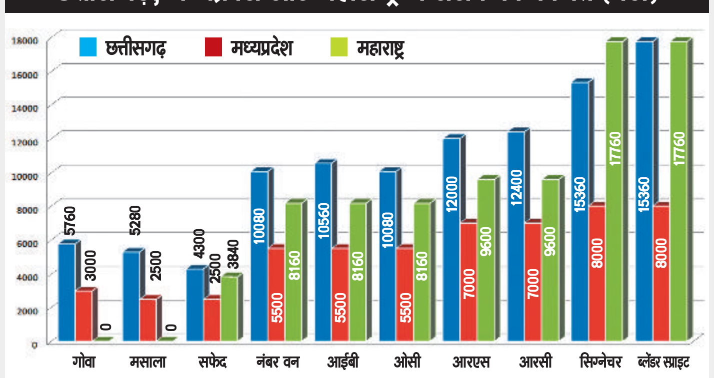

नोट- आंकड़े एमपी, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की शराब दुकान से लिए गए हैं।

ऐसे समझिए... दिल्ली में 1400 रुपए में बिकने वाली रेड लेबल छत्तीसगढ़ में 2800

दिल्ली में रेड लेबल, 100 पाइप, ब्लैक एंड व्हाइट जैसी शराब की कीमत 1400 रुपए के करीब है, जो छत्तीसगढ़ में 2800 रुपए तक में बिक रही हैं। तीन साल में ही इन शराब की कीमत में 1 हजार रुपए तक की ▶▶| शेष पेज 8 पर

जानिए, छत्तीसगढ़ में शराब तस्करी का खेल, लगातार पकड़ी जा रही शराब

केस 1

तीन महीने पहले महासमुंद जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र से पकड़े गए 786 शराब के मामलों में पुलिस ने 48 लाख से ज्यादा की 12 हजार 117 लीटर अवैध शराब पर बुलडोजर चलाया। इनमें महुआ, देशी, अंग्रेजी के अलावा ओडिशा, महाराष्ट्र और पंजाब के शराब भी शामिल थे। शराब की कीमत करीब 48.63 लाख रुपए थी। शराब के मामले 10 साल पुराने भी थे। सभी शराब तस्करी के मामलों में न्यायालय के आदेश पर शराब को नष्ट किया गया।

केस 2

11 दिन पहले पुलिस ने दो बड़े शराब तस्करी के मामलों का पर्दाफाश किया है। डोंगरगढ़ और बागनदी पुलिस की कार्रवाई में सब्जी ढोने वाले वाहनों से बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद की थी। बागनदी के चिरचारी चेक पोस्ट पर एक पिकअप वाहन में पत्ता गोभी की बोरियों के नीचे से 196 बोतल शराब बरामद हुई है, वहीं डोंगरगढ़ के कुम्हड़ाटोला मार्ग पर नाकाबंदी के दौरान दो वाहनों से 405 लीटर शराब बरामद की थी। इनमें रॉयल स्टेज, रॉयल चैलेंज, मैकडॉवेल नंबर 1 और ब्लेंडर प्राइड जैसे प्रीमियम ब्रांड शामिल थे।

केस 3

दो दिन पहले कवर्धा और बेमेतरा में आबकारी विभाग की टीम ने अलग-अलग प्रकरण में दो कंटेनर में 1480 पेटी अवैध शराब जब्त की है। इसकी कीमत 95.7 लाख रुपए आंकी गई है। इसे लाने वाले 3 आरोपी भी गिरफ्तार किए गए हैं, जो मध्यप्रदेश से कंटेनर छत्तीसगढ़ लाए थे। करीब 700 पेटी अवैध शराब जब्त की गई थी। इसके अलावा 17 सितंबर 2024 को जगदलपुर बस्तर से 12.82 लाख रुपए की अवैध शराब पकड़ी गई थी। इसे भी एमपी से लाया जा रहा था। 31 जनवरी को बलौदाबाजार में 100 पेटी अवैध शराब पकड़ाई, जो धार मध्य प्रदेश से लाई गई थी। 11 जनवरी को बलरामपुर में 12 लाख रुपए की शराब जब्त की गई। सब्जी के ट्रैक्टर में झारखंड से यह शराब लाई गई थी।

केवल वाहन चालकों पर ही कार्रवाही

छत्तीसगढ़ में अवैध शराब की तस्करी के व्यापक पैमाने पर बढ़ने के पीछे यह भी तर्क दिए जा रहे है पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा तस्करी में लिप्त वाहन चालक के खिलाफ ही कार्रवाही की जाती है। पुलिस और आबकारी विभाग के पास बोतल में लिखे हुए कोड के जरिए यह जानकारी भी हासिल हो जाती है कि आखिर यह शराब किस जिले ▶▶| शेष पेज 8 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

2.42 करोड़ की मेफेड्रोन जब्त, तस्कर गिरफ्तार

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने 2.42 करोड़ रुपए मूल्य का मेफेड्रोन जब्त किया है। एक व्यक्ति को इस मादक पदार्थ का निर्माण करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस के एक दल ने शुक्रवार रात बोईसर इलाके में एक घर पर छापा मारा और प्रतिबंधित मेफेड्रोन तथा मादक पदार्थ बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जब्त किए। इस मामले में अमान मुराद को गिरफ्तार किया है, वह रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर है। घर से बरामद दवाओं की कीमत 2.42 करोड़ रुपए है।

केरल में ऊंचे इलाकों में भूकंप के झटके

कासरगोड। केरल के उत्तरी कासरगोड जिले के ऊंचे इलाकों में शनिवार तड़के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। मालोम, राजपुरम, कोन्नाक्कड़ और आसपास के इलाकों में कुछ सेकंड तक झटके महसूस किए गए। उन्होंने इन इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए और जमीन के नीचे से कुछ अप्राकृतिक आवाजें सुनीं। इन इलाकों में कुछ लोगों ने बताया कि भूकंप के झटके की वजह से उनके फोन टेबल से गिर गए और चारपाई हिल गईं।

कोनी थाना अंतर्गत गांव लोफंदी में हुआ हादसा

आठ की मौत, आरोप अवैध शराब पीकर मरे, प्रशासन ने कहा- मछली खाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

शहर से लगे ग्राम लोफंदी में अवैध महुआ शराब पीने से आठ लोगों की मौत हो गई। शादी कार्यक्रम में भोजन करने के बाद गांव के 8 लोग बीमार हो गए। उन्हें इलाज के लिए सिम्स और निजी हास्पिटल में भर्ती कराया गया। इसके बाद 4 दिनों के भीतर सरपंच के भाई सहित 8 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, अन्य कई लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

शनिवार की सुबह आग की तरह फैली मौतों की खबर से हड़कंप मच गया। आनन फानन में जिला प्रशासन व पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। प्रशासन ने मौतों का कारण स्पष्ट नहीं होने व जांच के बाद मामले का खुलासा होने की बात कही है।

कोनी पुलिस के अनुसार, ग्राम लोफंदी के सरपंच रामाधार सुनहले के भाई रामू सुनहले 55 साल की 7 फरवरी की शाम 7 बजे अत्यधिक तबीयत खराब हो गई। परिजन के द्वारा उन्हें इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया, इलाज के दौरान रात 8 बजे उनकी मौत हो गई। परिजन रात में शव लेकर घर गए और 8 फरवरी को अंतिम संस्कार करने जा रहे थे। इसी दौरान कोनी पुलिस को गांव वालों से सूचना मिली कि अवैध महुआ शराब पीने से रामू सुनहले की मौत हुई है और बिना पोस्टमार्टम के उसका शव अंतिम संस्कार करने के लिए ले जाया जा रहा है। पुलिस ने गांव पहुंचकर अंतिम संस्कार रुकवा दिया। पूछताछ में परिजन ने बताया कि 4 फरवरी को उसने गांव के हरिजन मोहल्ला निवासी कोमल लहरे से महुआ शराब खरीदकर पी थी और श्रवण देवांगन के ▶▶| शेष पेज 8 पर

नहीं पहुंची आबकारी विभाग की टीम

अवैध शराब पीने से ग्रामीणों की मौत की खबर मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम तो ग्राम लोफंदी पहुंच गई, परन्तु आबकारी विभाग की टीम शनिवार की शाम तक लोफंदी नहीं पहुंची। पूछे जाने पर विभागीय अफसर यही कहते रहे कि यह शराब से संबंधित मामला नहीं है। अधिकारी स्पष्ट बयान देने से भी बचते रहे।

जिसने अवैध शराब बनाई, उसकी भी मौत

पिछले 4 दिनों में इनकी हुई मृत्यु

- रामू सुनहले 55 साल पिता बबईस सुनहले 59 साल
- शत्रुहन देवांगन पिता महेत्तर देवांगन 40 साल
- बलदेव पटेल पिता छेदीलाल पटेल 52 साल
- कोमल प्रसाद लहरे पिता गया राम लहरे 56 साल
- कन्हैया पटेल पिता चैतराम पटेल 60 साल
- कुन्नू देवांगन पिता उर्फ नान्हू पिता बाबा देवांगन 35 साल
- देव कुमार पटेल पिता चैतराम पटेल 45 साल
- बुधराम पटेल पिता इतवारी पटेल 50 साल

पोस्टमार्टम कराया गया

सूचना मिलने पर अंतिम संस्कार रोककर मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया है। मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं है, बिसरा प्रिजर्व कर दिया गया है। गांव वालों ने बताया है कि महुआ शराब पीने व शादी कार्यक्रम में खाना के साथ मछली खाने से गांव के अन्य 6 लोग बीमार हुए थे। उनकी मौत हो गई और उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। इसमें एक व्यक्ति की सांप काटने से मृत्यु हुई थी और कोनी थाना में इसका मर्ग कायम है। जांच के बाद मृत्यु के कारणों का खुलासा हो पाएगा। - रजनेश सिंह, एसपी

प्रशासन ने कहा, मौतों का कारण स्पष्ट नहीं

4 दिन के भीतर अवैध महुआ शराब पीने से लगातार हुई मौतों की खबर से प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही एसपी रजनेश सिंह, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, निगम आयुक्त अमित कुमार, एसडीएम पियूष तिवारी, स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंच गई। ग्रामीणों ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि लोफंदी निवासी श्रवण देवांगन के घर पर शादी थी। 3 से 6 फरवरी के बीच ग्रामीणों को सामूहिक भोज में आमंत्रित किया गया था। पिछले 4 से 6 दिवस में ग्रामीणों की मृत्यु हुई है। कुछ अस्पताल में भर्ती हैं। यह भी बात सामने आई कि 6 फरवरी को नदी से मछली पकड़कर नदी के किनारे सब्जी पकाकर कुछ लोगों ने सेवन किया था। मृतक ग्रामीणों के मृत्यु पूर्व लक्षण पूछे जाने पर ग्रामीणों ने पेट दर्द, उल्टी, चक्कर आना, सुस्ती आना बताया गया है। एक की मौत सर्पदंश से हुई है। कुछ ग्रामीणों का पहले से बीमार होना भी बताया गया। जांच में जिला प्रशासन की टीम द्वारा पाया गया कि 5 लोगों के मृत्यु प्रमाण पत्र में मृत्यु का कारण कार्डियो एवं रेस्पिरेटरी अरेस्ट उल्लेखित है। ▶▶| शेष पेज 8 पर

सीएम साय ने किया रोड शो...

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का भाजपा ने शनिवार को रायपुर नगर निगम चुनाव के लिए बड़ा रोड शो आयोजित किया। भनपुरी से प्रारंभ होकर यह रोड शो मरीन ड्राइव तेलीबांधा में समाप्त हुआ। इस रोड शो में भाजपा की महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे, प्रदेश के मंत्री रामविचार नेताम, सांसद बृजमोहन अग्रवाल मुख्यमंत्री के साथ रोड शो के रथ पर सवार रहे।

महाकुंभ में 14 से 17 फरवरी के बीच बनेंगे चार विश्व रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| प्रयागराज

महाकुंभ नगर में चार विश्व रिकॉर्ड भी बनेंगे। प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर से इसका कार्यक्रम तैयार कर लिया गया है। इसके अनुसार 14 से 17 फरवरी के बीच हर दिन एक रिकॉर्ड बनेगा। इसके लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम भी पहुंच गई हैं और उन्हीं की निगरानी में आगे की औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। कुंभ 2019 में तीन विश्व रिकॉर्ड बनाए गए थे। इसके तहत 500 से अधिक शटल बसों को एक संचालित करने का रिकॉर्ड बना था। इसके अलावा 10 हजार सफाई कर्मियों ने एक साथ स्वच्छता अभियान चलाया था, जो एक रिकॉर्ड रहा। इसी क्रम में आठ घंटे में साढ़े सात हजार लोगों के हैंड प्रिंट लेने का रिकॉर्ड बना था।

नया कीर्तिमान स्थापित करने की तैयारी

पर्यावरण संरक्षण का संदेश

खास यह कि इस बार विश्व रिकॉर्ड के माध्यम से दुनिया को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने का लक्ष्य रखा गया है। इसे ध्यान में रखकर नदी के किनारे एवं जलधारा में अलग-अलग सफाई अभियान के साथ ई-रिक्शा संचालन का रिकॉर्ड बनाया जाएगा। गौर करने वाली यह भी है कि मेला प्राधिकरण इस बार अपने ही दो रिकॉर्ड तोड़ेगा। वहीं दो अन्य रिकॉर्ड पहली बार बनेंगे।

रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी

वंदेभारत ट्रेन के भीतर भी खरीद सकेंगे भोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

वंदे भारत से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी है। रेलवे बोर्ड ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन के यात्री टिकट बुकिंग के दौरान यदि भोजन का कोई विकल्प नहीं चुनते हैं, तो वे रेलगाड़ी में भी इसे खरीद सकते हैं। रेलवे बोर्ड ने भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक को जारी एक परिपत्र में कहा, वंदे भारत रेलगाड़ियों में 'करंट बुकिंग' (चार्ट बनने के बाद और ट्रेन रवाना होने से पहले होने वाली) और (भोजन का) विकल्प नहीं चुनने वाले यात्रियों को विकल्प और पर्याप्त खानपान सुविधाएं मुहैया कराने के लिए इन ट्रेनों में भोज्य पदार्थों की बिक्री और सेवा आईआरसीटीसी द्वारा फिर से बहाल की जा सकती है।

पहले नहीं मिल पाता था भोजन

रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, अक्सर ऐसा होता है कि आप बुकिंग के समय 'प्रीपेड' भोजन का विकल्प नहीं चुनते हैं, लेकिन यात्रा के दौरान ऐसी परिस्थितियां आती हैं कि आप भोजन खरीदना चाहते हैं। इन मामलों में, आईआरसीटीसी कर्मचारी ऐसे यात्रियों के भुगतान करने के बाद भी इसे देने से मना कर देता है।

अब यह होगा फायदा

उन्होंने कहा, अब नीतिगत तौर पर हमने तय किया है कि जिन यात्रियों ने 'प्रीपेड' भोजन का विकल्प नहीं चुना है, वे भी ट्रेन में गुणवत्तापूर्ण भोजन खरीद सकते हैं। बोर्ड के परिपत्र में आईआरसीटीसी से आग्रह किया गया है कि वह ट्रेन में यात्रियों को अच्छी गुणवत्ता वाला स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में करीब 27 वर्ष बाद कमल खिला है। पूर्ण बहुमत से भाजपा की शानदार जीत हुई है, जबकि सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को करारी हार मिली है। आप के बड़े नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सतेन्द्र जैन, सौरभ भारद्वाज, सोमनाथ भारती, दुर्गेश पाठक, अवध ओझा, राखी बिड़लान आदि चुनाव हार चुके हैं। भाजपा 8 से 48 पर पहुंची है तो आप 62 से 22 पर सिमट गई है। 70 सीटों की विधानसभा वाली दिल्ली में सरकार बनाने के लिए 36 जादुई आंकड़ा है। बड़बौलेपन अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की जनता ने नकार दिया है। इस हार के बाद आम आदमी पार्टी के राजनीतिक भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया है। कांग्रेस एक बार फिर से जीरो साबित हुई, लेकिन उसने आप के 14 सीटों पर हारने में अहम भूमिका निभाई। अब भाजपा की अग्निपरीक्षा होगी। नए मुख्यमंत्री के चुनाव से लेकर सभी चुनावी वादे पूरे करने होंगे। भाजपा ने बिना चेहरा चुनाव लड़ा है। प्रवेश वर्मा, विजेंद्र गुप्ता, वीरेन्द्र सचदेवा व मनजिंदर सिंह सिरसा जैसे दिग्गज नेता सीएम की रेस में हैं। भाजपा के सामने वर्ष में दो मुफ्त सिलेंडर, केजी से पीजी मुफ्त शिक्षा, महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये, गर्भवती महिलाओं को 21 हजार, आयुष्मान योजना, झुग्गी बस्तियों में अटल कैंटीन में 5 रुपये में भोजन, 50 हजार सरकारी नौकरियां, 20 लाख स्वरोजगार, पंजीकृत श्रमिकों को 3 लाख लोन आदि संकल्पित वादे पूरे करने होंगे। पिछली आप सरकार की योजना मुफ्त बिजली, पानी व महिलाओं का बस में सफर को भी जारी रखने का वादा निभाना होगा। एलजी व सीएम के बीच का टकराव तो खत्म हो जाएगा, लेकिन भाजपा को काम करके दिखाना होगा। दिल्ली चुनाव का असर बिहार में भी देखने को मिलेगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

गढ़ भी छूटा और सेनापति भी नहीं रहा

दिल्ली चुनाव

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक

अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। राजनीति में आए केजरीवाल धीरे-धीरे जनाकांक्षा को भूलते गए।

मराठी की एक कहावत में गढ़ जीतने को अहम तो बताया गया है, लेकिन गढ़ की जंग में अगर सेनापति का बलिदान हो जाता है तो उस जीत को भी बड़ा नहीं माना जाता। इसी मराठी कहावत की तर्ज पर दिल्ली की सियासी जंग को अरविंद केजरीवाल के संदर्भ में देखें तो कह सकते हैं कि गढ़ तो गया ही, सिंह यानी सेनापति भी नहीं रहा। अलग तरह की वैकल्पिक राजनीति और उसके जरिए आम लोगों को खुशहाल और नए तरह के भविष्य का सपना दिखाकर राजनीति में आए अरविंद केजरीवाल के लिए दिल्ली विधानसभा में बहुमत एक तरह से गढ़ यानी किला ही था।

केजरीवाल के लिए राह कठिन

अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही।

अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के साथ उभरी आम आदमी पार्टी ने अलग तरह की राजनीति देने का वादा किया था। अण्णा के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को लेकर लोगों को इतनी उम्मीदें थीं कि अण्णा का अनशन तो दिल्ली में हो रहा था, लेकिन उसके समर्थन में राजस्थान के रेतीले इलाकों में इक्का-दुक्का घरों के साथ बसी ढाणियों, झारखंड-छत्तीसगढ़ के सुदूर जंगलों, पानीपत से लेकर मोतिहारी, कच्छ से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक, शायद ही कोई शहर या गांव रहा होगा, जहां मोमबत्तियां न जली हों। ये मोमबत्तियां दरअसल नए भारत की अंजोरिया भरी राह का सपना थीं। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। इस उम्मीद और सपने को 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता ने भरपूर साथ दिया। पहली 54.3 प्रतिशत वोट और 67 सीटें तो दूसरी बार 53.57 प्रतिशत वोट और 62 सीटें देना एक तरह से बेहतर और चमकीले सपनीले भविष्य को लेकर जनाकांक्षाओं का उफान था। कभी बंगला और गाड़ी न लेने, वीआईपी कल्चर को न अपनाने के वादे के साथ राजनीति में आए केजरीवाल धीरे-धीरे इसी जनाकांक्षा को भूलते चले गए। दूसरे कार्यकाल में तो वे तानाशाह की तरह खुद को स्थापित करते गए। पंजाब में आम आदमी पार्टी की भारी जीत के बाद जैसे उनका खुद पर नियंत्रण नहीं रहा। आम आदमी पार्टी में सिर्फ उनकी ही चलती थी। लोकतंत्र का मुखौटा भी वहां नहीं रह गया था। वैसे भी आम आदमी पार्टी को पहली आर्थिक मदद देने वाले प्रशांत भूषण, वैचारिक आधार तैयार करने वाले योगेंद्र यादव और प्रोफेसर आनंद कुमार के साथ ही अपने साथी रहे कुमार विश्वास को पार्टी से पहले ही बाहर कर चुके थे। उनके शासन के आखिरी दिनों में जिस तरह स्वाति मालीवाल की मुख्यमंत्री के घर में ही पिटाई हुई, उसने अरविंद केजरीवाल के स्वभाव की एक तरह से कलई खोल दी। केजरीवाल ने अपने पहले कार्यकाल में बेशक अच्छे कार्य किए।

राजधानी में बढ़ता गया भ्रष्टाचार

मोहल्ला क्लीनिक का विचार दिया और उसे लागू किया। शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया, दो सौ यूनिट तक बिजली और एक सीमा तक पानी मुफ्त दिया। महिलाओं को फ्री में बस यात्रा की सहूलियत दी। लेकिन इसके साथ ही दिल्ली में भ्रष्टाचार बढ़ता गया। दो साल पहले के चुनाव में नगर निगम पर भी उनका कब्जा हो गया। इसके पहले दिल्ली की सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम पर अपना नियंत्रण ना होने का बहाना बनाते रहे थे, लेकिन अब वह बहाना भी नहीं रहा। फिर भी दिल्ली गंदी होती चली गई। दिल्ली की लाइफ लाइन मानी जाने वाली डीटीसी के बेड़े से बसें कम होती चली गईं। केजरीवाल के दौर में हवा-हवाई घोषणाएं खूब हुईं। इसकी वजह से उनसे फायदा लेने वाले लोग भी खुश नहीं थे। डीटीसी के कर्मचारियों, बसों में तैनात मार्शलों आदि को स्थायी नौकरियां देने का वादा कर चुके केजरीवाल उन्हें नौकरियां नहीं दे पाए।

पंजाब में किए वादे नहीं निभाए

2022 में पंजाब में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने महिलाओं को हजार रुपये महीने देने का वादा किया था, लेकिन अब तक उन्हें यह रकम नहीं दे पाए। पंजाब रोडवेज की बसों में महिलाओं को फ्री सहूलियत देने के चलते पंजाब रोडवेज घाटे में है। इसकी वजह से महीनों तक कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिल रही। इसका असर यह हुआ कि केजरीवाल से लोगों का भरोसा खत्म हो गया। पिछले दो चुनावों तक केजरीवाल नैरेटिव तैयार करते थे और उनके विपक्षी उसका जवाब देते थे। इस बार भी महिलाओं को 21 सौ रुपये महीने देने और उसके लिए उनके फॉर्म भरवाकर नैरेटिव स्थापित कर दिया था। लेकिन बाद में बीजेपी ने उनकी काट शुरू की। उसने अपना पंद्रह सूत्रीय संकल्प पत्र पेश किया। महिलाओं को 2500 रुपए महीने की सम्मान निधि देने और 200 की बजाय 300 यूनिट बिजली फ्री देने जैसे ऐलान किए। इसका असर वोटरों पर दिखा। इस बीच बीजेपी ने चुनाव प्रबंधन के लिए अपने सारे मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री उतार दिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता भी सक्रिय हुए। भारतीय जनता पार्टी ने बुनियादी स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया, जिन्हें मनाने की जरूरत थी, उन्हें मनाया। केजरीवाल की पार्टी पस्त रही। खुद केजरीवाल भी हारे हैं, उनके विश्वस्त मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और राखी बिड़लान जैसे नाम चुनावी जंग में खेत रहे हैं।

कांग्रेस ने भी बिगाड़ा खेल

बीजेपी की जीत में कुछ हिस्सेदारी कांग्रेस की भी है। कांग्रेस को भले ही समर्थन नहीं मिला। कुछ एक जगहों को छोड़ दें तो उसके उम्मीदवार दूसरे स्थान पर भी नहीं रहे। लेकिन उसने केजरीवाल के भ्रष्टाचार और उनके बड़बोलेपन के खिलाफ माहौल बनाने में योग जरूर दिया। केजरीवाल के शीश महल का सवाल भले बीजेपी ने उठाया, लेकिन जिस आबकारी नीति घोटाले में केजरीवाल जेल गए थे, उसका भंडाफोड़ कांग्रेस के नेता अजय माकन ने ही किया था। जनता के बीच वे सादगी के साथ आए थे, इसलिए लोगों को उनका शीश महल स्वीकार नहीं हुआ। केजरीवाल ने चुनाव के आखिरी वक्त में एक और गलती कर दी। उन्होंने यह कहकर बीजेपी पर हमला बोला कि उसकी हरियाणा सरकार ने यमुना के पानी में जहर मिला दिया है ताकि दिल्ली वालों का नुकसान हो। इस बात को जनता स्वीकार नहीं कर पाई। दिल्ली में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। अब बीजेपी के सामने जिम्मेदारियों की लंबी लिस्ट है। उसकी जिम्मेदारी है कि वह राजधानी को खुशहाल ही नहीं, पर्यावरण अनुकूल और साफ भी बनाए। केजरीवाल के लिए यह चिंतन का वक्त है। उनका गढ़ भी छिन गया है और सेनापति भी नहीं रहे। ऐसे में सेना का उठ खड़ा होना आसान नहीं, वे उठ पाएंगे या नहीं, उनकी राजनीति में बदलाव आएगा या नहीं, यह तो वक्त ही बता पाएगा।

अहंकार और रणनीतिक चूक से 'आप' हारी !

दो टूक

सुशील देव

वरिष्ठ स्तंभकार

आम आदमी पार्टी की विधानसभा चुनाव में हार ने भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। यह हार केवल चुनावी गणित की वजह से नहीं हुई, बल्कि इसके पीछे कई गहरे कारण हैं, जो पार्टी की कार्यशैली, नेतृत्व की गलतियां और जनविश्वास की कमी को उजागर करते हैं। संगठन के स्तर पर भी आम आदमी पार्टी में वास्तविक कार्यकर्ताओं की उपेक्षा रही। आप की हार का एक बड़ा कारण उसका अहंकार और अति आत्मविश्वास रहा। जब कोई दल सत्ता में होता है, तो उसे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना पड़ता है। आम आदमी पार्टी ने अपने शुरुआती दिनों में जनता से जो वादे किए थे, उन्हें निभाने में विफल रही। नाली, पानी, सड़क, सीवर एवं अन्य बुनियादी समस्याओं पर सही समय पर सही काम नहीं हुआ। इसके अलावा, संगठनात्मक रूप से पार्टी कमजोर पड़ गई। पुराने और अनुभवी साथियों की उपेक्षा तथा नए-नए लोगों को आगे बढ़ाने की नीति ने पार्टी की जड़ों को कमजोर किया। मतलब साफ है कि हार का एक और बड़ा कारण इसके कार्यकर्ताओं की अनदेखी रही। इससे पार्टी के जमीनी समर्थन में गिरावट आई। वहीं, प्रशासनिक स्तर पर भी कई फैसले ऐसे रहे जो जनता को प्रभावित नहीं कर सके। दिल्ली सरकार की शराब नीति, मुख्यमंत्री का शीश महल और केंद्र सरकार को हर नाकामी के लिए दोष देने की प्रवृत्ति ने जनता में नकारात्मक संदेश दिया। इससे केजरीवाल की 'कट्टर ईमानदार' छवि को गहरा धक्का लगा। हर बात पर केंद्र को कोसना, धीरे-धीरे जनता को काम न करने का बहाना लगने लगा। मुफ्त योजनाओं से आगे की सोच का अभाव दिखा। जैसे कि बिजली, पानी और बस यात्रा को मुफ्त करने जैसी योजनाएं शुरूआती दौर में आकर्षक थीं, लेकिन पार्टी इनसे आगे बढ़कर कोई ठोस विकास मॉडल प्रस्तुत नहीं कर पाई। भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के आरोपों ने पार्टी की विश्वसनीयता को कमजोर किया। अन्ना आंदोलन से निकली इस पार्टी से जनता को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन समय के साथ यह उम्मीदें टूटती गईं। उनके विधायकों ने क्षेत्र के अंदर कोई कैडर तैयार नहीं किया। इस पार्टी ने बहुत जल्दी राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करने की कोशिश की, जो एक बड़ी रणनीतिक भूल साबित हुई। जबकि पार्टी को पहले कुछ राज्यों में अपनी पकड़ मजबूत करनी चाहिए थी, लेकिन उसने सीधे केंद्र की राजनीति को लक्ष्य बनाया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर लगातार हमले करने की रणनीति भी कारगर नहीं रही। चाहे अनुभवों की कमी हो, या सही मागदर्शन का अभाव आम आदमी पार्टी की सरकार पर कई भ्रष्टाचार के आरोप लगे जो बड़ी किरकिरी साबित हुई। कई अवसरों पर स्वयं प्रधानमंत्री मोदी को केजरीवाल के द्वारा यह चुनौती देना कि इस जन्म में वे दिल्ली नहीं जीत सकते। यह सब बचकाना और अनुभवहीनता से जनता खुश नहीं होती थी। अब पार्टी का भविष्य क्या होगा। समय का चक्र ही बताएगा। लेकिन यह सही है कि आप के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप भी हार का एक बड़ा कारण रहे। जहां तक दिल्ली में विपक्ष की भूमिका निभाने की बात है। आगे की राह भी आसान नहीं दिखती। जनता का खोया हुआ विश्वास वापस पाना पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। कई नेता पार्टी छोड़ सकते हैं, जिससे संगठन और कमजोर हो सकता है। सच तो यह है कि केजरीवाल को अब सड़कों पर उतर कर फिर से आंदोलन करना पड़ सकता है। आम आदमी पार्टी को इस हार से सबक लेकर आत्ममंथन करने की जरूरत है। भाजपा ने जिस तरह आप की छवि को नकारात्मक रूप से प्रचारित किया, उसे सुधारने के लिए पार्टी को अपनी रणनीति बदलनी होगी। इस हार ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि राजनीति में टिके रहने के लिए सिर्फ वादे और मुफ्त योजनाएं ही काफी नहीं होतीं। जनता को स्थायी समाधान, पारदर्शिता और भरोसेमंद नेतृत्व चाहिए। आप को अपनी नीतियों और रणनीति पर गहन पुनर्विचार करने की जरूरत है, ताकि वह भविष्य में एक मजबूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभर सके।

सत्ता की धुरी बनतीं महिला मतदाता

विमर्श

डॉ. मोनिका शर्मा

स्वतंत्र टिप्पणीकार व स्तंभकार

आम चुनावों से लेकर विधानसभा चुनावों तक आधी आबादी की सियासी लामबंदी स्पष्ट अब दिखने लगी है। राजधानी दिल्ली के विधानसभा चुनाव परिणामों में भी महिला वोटर्स के झुकाव का असर स्पष्ट नजर आया। 1998 से लेकर 2025 तक लंबे अर्से से सत्ता के बाहर रही बीजेपी की वापसी के पीछे भी महिला मतदाताओं ने अहम भूमिका निभाई है। 70 सीटों वाली दिल्ली विधानसभा में बीजेपी ने 48 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल किया है।

ध्यातव्य है कि दिल्ली में सरकार बनाने के लिए 36 सीटों पर जीत आवश्यक है। महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा से लेकर घरेलू मोर्चे पर मुफ्त पानी-बिजली देने वाली आम आदमी पार्टी के जादू को तोड़ने वाली यह जीत बीजेपी ने भी महिलाओं से लिए बहुत सी योजनाओं का वादा करके हासिल की है। असल में महिला मतदाताओं में बनती बुनियादी मुद्दों से जुड़ी सरोकारी समझ के साथ ही बढ़ता मतदान प्रतिशत भी सत्ता का खेल बनाने-बिगाड़ने वाला साबित होने लगा है।

आधी आबादी की वोटिंग ज्यादा

इस बार राजधानी दिल्ली की कुल 70 विधानसभा सीटों पर 60.54 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में 94 लाख 51 हजार 997 लोगों ने वोट डाले। महिलाओं ने न केवल मतदान प्रक्रिया में काफी उत्साह दिखाया बल्कि कई विधानसभाओं में तो पुरुषों से अधिक मतदान किया। ज्ञात हो कि दिल्ली में कुल पंजीकृत महिला मतदाताओं की संख्या 72,36,560 और पुरुष वोटर्स का आंकड़ा 83,76,173 है। आधी आबादी की वोटिंग का आंकड़ा 60.92 फीसदी रहा। वहीं 60.20 प्रतिशत पुरुषों ने मतदान किया। 5 फरवरी को हुए मतदान में देश का पावर सेंटर कही जाने वाली राजधानी दिल्ली की कुल 70 विधानसभाओं को मिलाकर महिला-पुरुष वोटरों की तुलना में महिलाओं ने 0.72 प्रतिशत अधिक मतदान किया।

महिला वोटर्स को लुभाया

महिला वोटर्स की प्रभावी भागीदारी के चलते ही दिल्ली के चुनावी मैदान में उतरे सभी दलों की सहयोगी योजनाओं के केंद्र में आधी आबादी को लुभाने की खूब कवायद की। आर्थिक सहायता देने से लेकर मुफ्त सुविधाएं देने तक, महिलाओं के लिए बहुत सी घोषणाएं की गईं थीं। महिला मतदाताओं को रिझाने के प्रयासों की सबसे पहली कोशिश 10 साल के दिल्ली की बागडोर सम्भाल रही आम आदमी पार्टी ने की थी।

घोषणाएं राजनीति का हिस्सा

पहले भी महिला वोटर्स को मुफ्त सुविधाएं देकर सत्ता में आई आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना के तहत दी जाने वाली राशि को इस बार 1000 रुपये से बढ़ाकर 2100 रुपये करने का निर्णय किया था। वहीं दिल्ली विधानसभा चुनाव-2025 में कांग्रेस ने भी आधी आबादी के लिए अपना पिटारा खोलने में कोताही नहीं की। ध्यातव्य है कि कभी दिल्ली की राजनीति में मजबूत उपस्थिति रखने वाली कांग्रेस पार्टी

पिछले दो विधानसभा चुनावों में अपना खाता तक नहीं खोल सकी है। ऐसे में चुनाव से पहले महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान करते हुए कांग्रेस ने भी सत्ता में आने पर प्यारी दीदी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये देने का वादा किया था। साथ ही महंगाई मुक्ति योजना के तहत 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने की बात भी कही थी। निःसंदेह, दोनों ही दलों की ऐसी योजनाएं महिलाओं को प्रभावित करने की राजनीति का हिस्सा थीं। वहीं 26 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी करने में सफल रही भारतीय जनता पार्टी ने भी महिलाओं को 2,500 रुपये की सम्मान राशि भी देने का ऐलान किया था। ज्ञात हो कि बीजेपी ने विधानसभा चुनाव जीतने पर 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर देने की भी घोषणा की थी। साथ ही घोषणाओं में विधवाओं, बेसहारा महिलाओं की पेंशन 2,500 से बढ़ाकर 3,000 रुपये करने और हर गर्भवती महिला को 21,000 रुपये दिये जाने की बात भी शामिल थी।

भाजपा पर जताया विश्वास

दिल्ली विधानसभा के परिणाम बताते हैं कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में महिलाओं को आर्थिक सहयोग देने वाली योजनाओं का सकारात्मक असर देख चुकी भारतीय जनता पार्टी के वादों पर फिर से महिला वोटर्स ने भरोसा किया है।

सजगता का प्रतीक

कहना गलत नहीं होगा कि महिलाओं का बढ़ता मतदान प्रतिशत योजनाओं और मुफ्त सुविधाओं की घोषणाओं से परे उनकी सजगता का भी प्रतीक है। देश की आधी आबादी अब राष्ट्र के नव-निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के इस अधिकार के मायने समझने लगी हैं। गौरतलब है कि इस बार सत्ता गंवाने वाली आम आदमी को 2020 में मिली जीत के पीछे भी महिला मतदाताओं की अहम भूमिका थी। वर्ष 2020 के चुनाव में 31 विधानसभा क्षेत्रों और साल 2015 में 15 विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं का मत प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा था।

असल में अपने परिवेश के प्रति जागरूक होने के चलते स्त्रियां अब गंभीर और सजग वोटर्स बन गई हैं। महिला वोटर्स की इस जागरुकता के चलते राजनीतिक पार्टियां महिलाओं को उम्मीदवार बनाने में भी दिलचस्पी दिखाती हैं। वहीं मतदान का अधिकार महिलाओं को हर भेदभाव से परे एक नागरिक के रूप में बराबरी का अहसास करवाता है। समानता, सुरक्षा और अपना अस्तित्व संवारने हेतु सहज परिवेश पाने के लिए महिलाएं पूरे उत्साह से वोट देने निकलती हैं। नतीजतन, देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक मतदाता के रूप में स्त्रियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो गई है।

वोटिंग को लेकर महिलाएं सजग

विचारणीय है कि परंपरागत सामाजिक-पारिवारिक ढांचे वाले भारतीय समाज में स्त्रियाँ मतदान के मोर्चे स्वतंत्र राय भी रखने लगी हैं। 2014 के आम चुनावों के समय हुए 'सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसायटी' के एक सर्वे के मुताबिक़ 70 फीसदी महिला मतदाता वोट डालने में अपने पतियों से राय लेने के बजाय स्वतंत्र निर्णय करती हैं। बीते एक दशक में तो यह आंकड़ा और बढ़ा ही है। स्त्रियां अपना मत देने को लेकर बेहद सजग हुई हैं। इतना ही नहीं, स्त्रियों में मतदान के प्रति कर्तव्य बोध का भाव भी खूब दिखता है। मतदान के अधिकार और कर्तव्य के मोर्चे पर महिला वोटर्स की बढ़ती भागीदारी व्यक्तिगत जीवन में ही नहीं सामाजिक, पारिवारिक और राजनीतिक मोर्चे पर भी सकारात्मक बदलाव की बानगी है। चुनावी खेल बदलने वाली यह भागीदारी बहुत से पहलुओं पर आ रहे परिवर्तन को सामने रखती है।

घोटालों ने डुबाई 'आप' की नैया

विश्लेषण

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

आखिरकार दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन ही गई और 27 सालों का सूखा खत्म हुआ। राजधानी की जीत हर राज्य से बड़ी जीत मानी जा रही है चूंकि बीते दशकभर में बीजेपी केंद्र के अलावा कई राज्यों में सरकार बनाने में कामयाब हुई लेकिन यहां मोदी लहर के बावजूद भी केजरीवाल दिल्ली में सत्ता पर काबिज रहे। बीजेपी ने 70 में से 48 सीटों पर कब्जा किया और आम आदमी पार्टी को केवल 22 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा और कांग्रेस इस बार भी शून्य पर रही।

मोदी पर जताया विश्वास

माना यह भी जा रहा था कि यदि इस बार दिल्ली में बीजेपी की सरकार नहीं बनती तो बीजेपी के सम्मान को ठेस व छवि पर बड़ा डेन्ट पड़ जाता। लेकिन इस बार दिल्ली को बीजेपी के रूप में डबल इंजन की सरकार मिल गई और जनता ने मोदी के चेहरे पर विश्वास किया। जैसा कि बीजेपी अंत तक सीएम चेहरे की घोषणा नहीं करती तो दिल्ली को लेकर भी वही रणनीति अपनाई और कामयाब भी हुए। आम आदमी पार्टी की स्थिति इतनी दयनीय हुई कि चोटी के नेता भी अपनी सीट बचाने में कामयाब नहीं हो पाए।

यदि सबसे पहले आप संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की बात करें तो वह भी नई दिल्ली से प्रवेश वर्मा से हार गए। वहीं पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी हार का सामना करना पड़ा, वह जंगपुरा से लड़े थे। सतेन्द्र जैन, सोमनाथ भारती, सौरभ भारद्वाज व दुर्गेश पाठक समेत कुछ अन्य बड़े चेहरे भी अपनी सीट नहीं बचा पाए। हालांकि मौजूदा सीएम आतिशी ने अपनी सीट जीतकर थोड़ी सी साख बचा ली। लेकिन अब आम से लेकर खास तक के मन में एक ही प्रश्न है जिस पार्टी ने दो बार पूर्ण बहुमत से रिकॉर्डतोड़ जीत हासिल की थी, आखिर उसका किला इतनी बुरी तरह क्यों ढह गया।

शराब घोटाले का लगा दाग

वैसे तो कई कारण रहे लेकिन कुछ मुख्य वजहों से आम आदमी पार्टी की स्थिति खराब होती चली गई। सबसे पहली व बड़ी वजह शराब नीति बनी जिसकी वजह से दिल्लीवासियों ने अपने आप को बहुत ठगा व कुंठित महसूस किया। शराब नीति के तहत दिल्ली के हर एक वार्ड में तीन शराब के ठेके खोले गए थे और वह उन जगहों में खोले गए जो कॉलोनी के बीचोंबीच थे। इस बात से जनता बहुत नाराज हुई थी। मामला यहां तक पहुंच गया था कि आप अपने दामन पर लगे शराब घोटाले के दाग को छुड़ा नहीं पाई। बीजेपी ने पिछले तीन साल में इस मुद्दे पर जमकर घेरा। हालात यह थी कि इस मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और राज्य सभा सांसद संजय सिंह को जेल जाना पड़ा।

जल बोर्ड घोटाला भी बना मुद्दा

बीजेपी इस मुद्दे को लेकर लगातार प्रदर्शन करती रही और घेरती रही। बीजेपी नेताओं ने इस मुद्दे को गर्म रखा और हर जगह इस घोटाले की चर्चा करते रहे। इसके अलावा दिल्ली जल बोर्ड घोटाला ने भी आप को परेशान किया। इस मामले

में ठेकेदारों से पैसे वसूलने के लिए ठेकों को कम पैसे पर छोड़ने का आरोप लगा था। इस मामले की जांच अब तक ईडी कर रही है। अरविंद केजरीवाल इस मामले में भी आरोपी हैं।

इसके अलावा बीते लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन करना भी आम आदमी पार्टी को भारी पड़ा और हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में गठबंधन नहीं हुआ तो आप-कांग्रेस के नेता एक-दूसरे पर आरोप लगाते नजर आए, जैसा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच ज्यादा समय नहीं था तो जनता बातों को भूल भी नहीं पाई।

आप विधायकों ने छोड़ा साथ

इससे जनता में अविश्वास बढ़ा। साथ ही बीजेपी के लिए सोने पर सुहागा इसलिए भी हो गया कि दिल्ली में जब चुनाव प्रचार चरम पर था तो आम आदमी पार्टी के सात विधायक पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे।

इससे पहले आप के कई कैबिनेट मंत्री भी पार्टी का साथ छोड़कर दूसरी पार्टियों में शामिल हो गए थे। इनमें कैलाश गहलोत और राजेंद्र पाल गौतम मुख्य माने जा रहे थे।

बता दें कि ये दोनों नेता कभी 'आप' के मुख्य चेहरा हुआ करते थे। इस बात का भी असर आप के चुनाव परिणाम पर पड़ा।

स्वाति मालीवाल का पिटाई कांड

आम आदमी पार्टी लोगों में यह धारणा बना पाने में नाकाम रही कि पार्टी में सबकुछ ठीक-ठाक है और वहां नेतृत्व का कोई संकट नहीं है लेकिन सच्चाई सबको पता चल गई। स्वाति मालीवाल के पिटाई कांड से भी पार्टी को बड़ी क्षति हुई और उस कांड के बाद स्वाति ने अपनी पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और पार्टी की आंतरिक बातों को बाहर उजागर करना शुरू कर दिया। बीते लगभग 6 महीने से स्वाति मालीवाल ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ एक मुहिम सी छेड़ दी जिससे पार्टी के कुछ अन्य नेताओं का भी विश्वास टूटा, साथ ही जनता में एक बड़ा नकारात्मक संदेश गया और पार्टी को बड़े स्तर पर नुकसान हुआ। वहीं इस चुनाव में कांग्रेस भले ही कोई सीट नहीं जीत पाई हो लेकिन वह अपना वोट फीसदी बढ़ा पाने में कामयाब रही है। कांग्रेस को 2020 के चुनाव में 4.26 फीसदी वोट मिले थे और इस बार लगभग 7 प्रतिशत वोट मिले।

कांग्रेस को जितना भी वोट प्रतिशत बढ़ा वो आम आदमी पार्टी का ही माना जा रहा है। इन तमाम बड़े मुद्दों को बीजेपी ने जमकर भुनाया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे ने कई 'बंटोगे तो कटोगे' के नारे से कई राज्यों में बीजेपी को जीत में मदद मिली। दिल्ली में योगी के इस नारे का जादू चला और योगी ने कुल 14 विधानसभा सीटों पर प्रचार किया था जिसमें से 11 सीटों पर जीत मिली है।

भाजपा का आक्रामक प्रचार

वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय गृहमंत्री के अलावा भाजपा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ कई बड़े चेहरों ने जमकर प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया।

इस बार भाजपा की ओर से बहुत पहले से ही माहौल बना हुआ था और जिस ऊर्जा के साथ लड़ रहे थे उससे यह तो तय हो गया था कि इस बार खेल बड़ा होगा। बीजेपी ने दिल्ली तो जीत ली लेकिन दिल्ली वालों का दिल जीतना अभी भी बाकी है। चूंकि पार्टी ने आम आदमी पार्टी के तर्ज पर जितनी बड़ी घोषणाएं की हैं उसको पूरा करना व निभाना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा चूंकि बीजेपी अब तक भी आप को फ्री की योजनाओं को लेकर घेरती रही। अब बीजेपी के लिए भी खेल गुणवत्ताओं पर चलेगा चूंकि दावों और वादों की झड़ी बहुत ज्यादा व बड़ी है।

मोक्षित के बाद अरबों के घोटाले में सहयोगी तीन कंपनियां भी ब्लैक लिस्टेड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

सीजीएमएससी में हुए अरबों के घोटाले के सूत्रधार मोक्षित कार्पोरेशन के बाद सहयोगी कंपनियों को भी ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया है। इनमें से दो कंपनियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट थाने में ईओडब्लू द्वारा दर्ज कराई गई थी। काली सूची शामिल की गई तीसरी शेल कंपनी थी। दवा निगम द्वारा कुछ और कंपनियों पर आगे भी कार्रवाई किए जाने की संभावना है। घोटाला सामने आने के बाद सीजीएमएससी की एमडी ने पुरानी लापरवाही और अनुबंध को तोड़ने तथा आपराधिक मामले में अपराध दर्ज होने की वजह से मोक्षित कार्पोरेशन को तीन साल के लिए ब्लैक लिस्टेड कर दिया था। कंपनी इस अवधि में दवा कारपोरेशन के किसी भी टेंडर में भागीदारी नहीं कर पाएगी। इसके बाद दवा कार्पोरेशन द्वारा मोक्षित की सहयोगी तथा रीएजेंट और उपकरण की सप्लाई के नाम पर कई सौ करोड़ का घोटाला करने वाली सहयोगी कंपनी पर भी कार्रवाई की है।

अफसरों से पूछताछ जारी

इधर दूसरी बार रिमांड पर लिए मोक्षित कार्पोरेशन के एमडी शशांक चोपड़ा से मिल रही जानकारी के आधार पर ईओडब्लू मिलीभगत के आरोपों से घिरे अधिकारियों से लगातार पूछताछ कर रही है। मामले में कुछ आईएएस स्तर के अधिकारियों को भी जांच के दायरे में लाए जाने की संभावना बनी हुई है। मोक्षित कार्पोरेशन के एमडी को 10 फरवरी को पुनः न्यायालय में पेश किया जाएगा।

रिकार्डर्स एंड मेडिकेयर, श्री शारदा इंडस्ट्रीज मेडिग्लोब पर दवा निगम की कार्वाई

ईओडब्लू ने अफसरों से पूछा- बिना पड़ताल कैसे दी रीएजेंट, उपकरण खरीदी की सहमति

कंपनी पर अफसरों की मेहरबानी

दवा कार्पोरेशन से जुड़े अधिकारी मोक्षित कार्पोरेशन के ऊपर काफी मेहरबान थे। उन्होंने 300 करोड़ का रीएजेंट केवल इसलिए खरीदा था, क्योंकि वह खराब होने की स्थिति में आ गए थे। रीएजेंट के खराब होने से सप्लायर कंपनी को बड़ा नुकसान हो सकता था। अफसरों ने यह रीएजेंट खरीदा और उसे बिना मांग के 200 स्वास्थ्य केंद्रों में ठूंस दिया था।

खबर संक्षेप

24 घंटे में 236 वारंटियों की धरपकड़

रायपुर। राजधानी पुलिस ने पिछले 24 घंटे में विशेष अभियान चलाकर 236 स्थाई व अभियुक्त वारंटियों को गिरफ्तार किया है। इनमें महिला आरोपी भी शामिल हैं। इन सभी फरार आरोपियों के विरुद्ध गिरफ्तारी का वारंट जारी हुआ था। गिरफ्तार आरोपियों में 109 ऐसे आरोपी हैं, जिनके विरुद्ध अलग-अलग थानों में हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, मारपीट, चोरी, नकबजनी, धोखाधड़ी जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। इसी प्रकार 127 अभियुक्त गिरफ्तारी वारंटी भी हैं। इन सभी को कोर्ट में पेश किया गया। इसके अलावा खमतराई पुलिस ने रावाभांठा स्थित देवारडेरा में वारंट की तामिली के दौरान गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 2 किलोग्राम गांजा जब्त किया है।

रायपुर-सिमगा मार्ग पर पकड़ा गया वाहन, जांच में मिला शराब का जखीरा

मतदान से पहले 'चुनावी-चेपटी' गोवा ब्रांड शराब का पूरा कंटेनर पकड़ा गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर-सिमगा मार्ग पर मतदान से पहले शराब से भरा एक कंटेनर वाहन पकड़ा गया है। इस कंटेनर में 50 लाख रुपए कीमत की गोवा ब्रांड की शराब भरी हुई थी। विभागीय अधिकारियों के अनुसार कंटेनर मध्यप्रदेश के इंदौर से रायपुर की ओर आ रहा था, जिसे रास्ते में ही पकड़ा गया। कंटेनर में शराब कहां से लोड कराई गई और उसकी डिलीवरी कहां की जानी थी, इस संबंध में गिरफ्तार किए गए कंटेनर के चालक से पूछताछ की जा रही है।

आबकारी विभाग की सचिव की बैठक का असर

आबकारी विभाग की सचिव आर. संगीता ने गुरुवार को विभाग से संबंधित अफसरों की बैठक ली थी। इस बैठक में उन्होंने चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब आने की आशंका जताते हुए मुख्य मार्गों पर गश्त बढ़ाकर शराब तस्करों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए थे। इस निर्देश के बाद रायपुर जिले की सीमा क्षेत्रों में भी विभाग ने उड़नदस्ता टीम की गश्त बढ़ा दी है। गश्त बढ़ाते ही उड़नदस्ता की टीम ने रायपुर-सिमगा रोड पर ताज ढाबा के पास एक कंटेनर वाहन को पकड़ा। इस कंटेनर में गोवा ब्रांड की सात सौ पेटियां भरी हुई थीं, जिसकी अनुमानित कीमत 50 लाख रुपए आंकी गई है। विभाग ने शराब के साथ कंटेनर को जब्त कर उसके चालक जाकिर हुसैन निवासी इंदौर को भी गिरफ्तार किया है। जाकिर से कंटेनर में लोड शराब के बारे में पूछताछ की जा रही है। विभाग को संदेह है कि शराब को चुनाव के मद्देनजर कार्यकर्ताओं एवं मतदाताओं को बांटने के लिए मंगाया गया है। कंटेनर को इंदौर से रायपुर या फिर किसी दूसरे शहर ले जाया जा रहा था। इस संबंध में वाहन चालक से पूछताछ की जा रही है।

चुनाव में अवैध शराब की तस्करी जमकर होने की आशंका

चुनाव विधानसभा हो लोकसभा या फिर नगरीय निकाय व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हो, शराब की मांग और खपत हर चुनाव में बढ़ जाती है। शराब के कारोबारी भी चुनाव में अवैध शराब बेचकर लाखों-करोड़ों रुपए कमाते हैं। यही कारण है कि चुनाव के कुछ दिन पहले ही शराब की अवैध तस्करी भी होने लगी है। कई प्रत्याशी भी चुनाव में अपने कार्यकर्ताओं एवं मतदाताओं को शराब का प्रलोभन देने से नहीं चूकते हैं और शराब कारोबारियों की मदद से अवैध शराब की खेप दूसरे राज्यों से मंगाते हैं। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि शराब का जो कंटेनर पकड़ा गया है, उसका संबंध भी चुनाव से हो सकता है। हालांकि विभाग द्वारा फिलहाल इस मामले में जांच की जा रही है।

अब पेट्रोल पंपों पर भी होगी वाहनों की प्रदूषण जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए छत्तीसगढ़ में अब पेट्रोल पम्पों पर वाहनों की प्रदूषण जांच के सेंटर (पीयूसी) स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए पेट्रोलियम कम्पनियों ने अपनी सहमति दे दी है। पेट्रोल पंपों पर प्रदूषण जांच केंद्र स्थापित होने से वाहन चालकों को पीयूसी प्रमाण पत्र बनवाने में आसानी होगी और उन्हें अन्य केंद्रों की तलाश में भटकना नहीं पड़ेगा। इसके अलावा, यह पहल वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में मददगार और राज्य में पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 4 फरवरी को परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक में वाहनों के धुएं से होने वाले वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए थे। इसी के तहत 7 फरवरी 2025 को परिवहन सचिव एवं परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश और अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और रिलायंस इंडस्ट्रीज के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अपने पेट्रोल पंपों में प्रदूषण जांच केंद्र (पीयूसी सेंटर) स्थापित करने पर सहमति जताई। यह निर्णय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जिससे वायु प्रदूषण को नियंत्रित कर आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा की जा सके। बैठक में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के मुख्य प्रबंधक उपेन्द्र गिरी, भारत पेट्रोलियम के चीफ मैनेजर बी. देवकुमार, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रबंधक श्रेयस गुप्ता और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के मुख्य प्रबंधक गौतम कुमार सहित परिवहन विभाग और पेट्रोलियम कंपनियों के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

23 हजार करोड़ की लागत से लाखों परिवारों को मिलेगी छत

बिलासपुर। पीएम आवास योजना के लिए केंद्र सरकार ने 23हजार 294 करोड़ का आवंटन किया है जिससे हज़ारों परिवारों के लिए मोदी सरकार सस्ती आवास योजना का वादा पूरा करेगी। शहरी चुनौतियों के लिए 1 लाख करोड़ का फंड शहरों के बुनियादी ढांचे और जल प्रबंधन को बढ़ावा देगा।

केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन ने अपने मंत्रालय से जुड़ी इस फ्लैगशिप योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत संघ बजट 2025 को व्यापक रूप से इसके भविष्यवादी दृष्टिकोण, समावेशी विकास को बढ़ावा देने, और भारत के शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सराहा गया है। शहरी विकास को इस बजट में शीर्ष 7 प्राथमिकताओं में से एक के रूप में पहचाना गया है और तदनुसार इसे इस वर्ष 1 लाख करोड़ से अधिक का महत्वपूर्ण बजट आवंटन दिया गया है, जो सरकार की शहरी विकास, सस्ते आवास और सतत गतिशीलता के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः पुष्टि करता है। श्री साहू ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना- 2.0 के तहत 23,294 करोड़ का आवंटन किया गया है। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को पुनर्वास और सम्मानजनक जीवन स्थितियाँ प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त, स्वच्छ भारत मिशन को भी मजबूत समर्थन प्राप्त है, जिसमें व्यक्तिगत घरेलू शौचालय, सामुदायिक,सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण, और बेहतर डोर-टू-डोर ठोस कचरा संग्रहण पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिससे विशेष रूप से उपेक्षित शहरी क्षेत्रों में परिवारों को सम्मान और स्वच्छता प्रदान की जाएगी। पीएम स्वनिधि योजना को बैंकों से बेहतर ऋण, यूपीआई से जुड़े क्रेडिट कार्ड, और क्षमता निर्माण सहायता के साथ पुनर्गठित किया जाएगा, जिससे देश भर के स्ट्रीट वेंडर्स को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित होगी। शहरी विकास को और मजबूत करने के लिए, बजट में राज्यों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार शहरी विकास पहलों को तेज करने में मदद के लिए 'चैलेंज मेथड' के तहत शहरी चुनौती फंड शुरू किया गया है। इस वर्ष 10 हजार करोड़ का आवंटन किया गया है, कुल 1 लाख करोड़ के कुल परिव्यय के साथ। यह पहल 'विकास के केंद्र के रूप में शहर,' 'शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास,' और 'जल एवं स्वच्छता' जैसे विषयों के तहत परिवर्तनकारी शहरी विकास का नेतृत्व करेगी, जिससे शहरों के बुनियादी ढांचे और जल प्रबंधन परियोजनाओं में सुधार होगा।

पीएम आवास योजना 2.0 से शहरी विकास, सस्ती आवास योजना और सतत गतिशीलता बड़ा प्रोत्साहन : तोखन

1,310 करोड़ का आवंटन

इसके अतिरिक्त, बजट में पीएम-ईबस सेवा योजना के तहत 1,310 करोड़ का आवंटन किया गया है, जो शहर की बस सेवाओं को बढ़ाएगा और 'बिहाइंड-द-मीटर पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर' और डिपो सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास करेगा। "छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों को ईबस सेवा योजना से बड़ा लाभ होगा, क्योंकि यह पहल उनके सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के विस्तार और आधुनिकीकरण का मार्ग प्रशस्त करेगी, जिससे शहरी गतिशीलता अधिक कुशल और पर्यावरण-अनुकूल बन जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि बिलासपुर देश में चयनित 18 शहरों में से एक है, जो बेहतर कचरा प्रबंधन और जलवायु-उन्मुख सुधारों से लाभान्वित हो रहा है, जिससे सतत शहरी विकास में योगदान मिल रहा है। मोदी सरकार द्वारा किए गए बजट आवंटनों की सराहना करते हुए मंत्री ने कहा, संघ बजट 2025 मोदी सरकार की शहरी पुनरुद्धार, बेहतर आवास, और सतत विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सेंट्रल जेल का सहायक अधीक्षक और प्रहरी सस्पेंड

रायपुर। रायपुर केंद्रीय जेल में बीते 31 जनवरी को सजा काट रहे बंदियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया था। सहायक जेल अधीक्षक उदय राज गायकवाड़, प्रहरी जागेश्वर कुर्रे और पवन जायसवाल को सस्पेंड कर दिया गया है। यह कार्रवाई जेल अधीक्षक अमित शांडिल्य के निर्देश पर की गई है। बंदी पीयूष पांडे के पिता पुरुषोत्तम पांडे ने आरोप लगाया था कि विगत 31 जनवरी को एनडीपीएस के आरोप में 18 महीने से रायपुर केंद्रीय जेल में सजा काट रहे एक बंदी पीयूष पांडे की मां उससे मिलने गई थी।

वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगों तथा थर्ड जेंडर समुदाय ने दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जाबो जागव वोटर मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 के लिए माना कैंप स्थित शासकीय वृद्धाश्रम से रैली की शुरुआत की गई। संचालक समाज कल्याण रोक्तिमा यादव तथा जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप ने हरी झंडी दिखाकर मतदाता जागरूकता रैली को रवाना किया। रैली में समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित दृष्टि एवं श्रवण बाधित विशेष विद्यालय, फिजिकल रेफरल सेंटर, राज्य संसाधन एवं पुनर्वास केंद्र, शासकीय दिव्यांग महाविद्यालय, मानसिक रूप से अविकसित गृह, बहु दिव्यांग गृह, अस्थि बाधित विशेष विद्यालय के बच्चों के साथ वरिष्ठ नागरिक तथा तृतीय लिंग समुदाय के सदस्य शामिल हुए। शुक्रवार के कार्यक्रम में लगभग 600 दिव्यांग, वृद्धजन एवं थर्ड जेंडर समुदाय के सदस्य शामिल हुए। इस दौरान आगामी निर्वाचन में मतदान करने तथा दूसरों को भी प्रेरित करने की शपथ ली गई। इस कार्यक्रम में उप संचालक समाज कल्याण भूपेन्द्र पाण्डेय, शरद तिवारी, विमलेश उइके, सहायक संचालक ऋचा शर्मा एवं समस्त संस्थागत अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मकान में चोरी, तीन आरोपी धरे गए

रायपुर। डीडीनगर पुलिस ने मकान में चोरी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सरोना स्थित दीपक पांडे के मकान में 4 फरवरी की रात चोरी हो गई थी, जिसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी ईश्वर ध्रुव, राहुल गोखले एवं अमनकुमार ऊर्फ चेपला को गिरफ्तार किया है। तीनों बीएसयूपी कॉलोनी सरोना के रहने वाले हैं। तीनों के कब्जे से चोरी के सामान में सोने का मंगलसूत्र, लॉकेट, अंगूठी जोधा रिंग, कान की बाली, नथनी, चांदी की पायल, बिछिया व नकदी सहित दो लाख रुपए जब्त किए हैं।

चोरी की गाड़ियों के साथ वारंटी गिरफ्तार

रायपुर। खम्हारडीह पुलिस ने चोरी की दोपहिया गाड़ियों के साथ एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस वारंटियों के विरुद्ध विशेष अभियान चला रही है। इसके तहत कचना निवासी मनोज धीवर के विरुद्ध न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, जिसकी तामिली के दौरान पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से 4 दोपहिया वाहन भी बरामद किए, जो चोरी के निकले। आरोपी ने पूछताछ में इन गाड़ियों को पंडरी, तेलीबांधा एवं मंदिर हसौद क्षेत्र से चोरी करना कबूल किया है।

उत्तरी हवा के प्रभाव से तीन डिग्री तक लुढ़का तापमान, रात में महसूस हुई ठंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

फरवरी का पहला सप्ताह बीतने के बाद आने वाली उत्तरी हवा के प्रभाव से रात के तापमान में तीन डिग्री की गिरावट से ठंड महसूस हुई। आने वाले पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हवा की दिशा में पुनः बदलाव होगा, जिससे रात का पारा पुनः ऊपर की चढ़ेगा। शुष्क हवा के असर से दिन से पड़ रही तेज धूप भी अपनी सामान्य स्थिति में आ गई है।

- विक्षोभ के प्रभाव से फिर बदलेगी हवा

प्रदेश में फरवरी की शुरुआत बढ़ते तापमान के साथ हुई थी और पांच दिनों तक ठंड गायब रही, उल्टे दिन में भी तेज धूप के प्रभाव से गर्मी महसूस होने लगी थी। अचानक दिशा में बदलाव हुआ और शुष्क तथा ठंडी हवा का प्रदेश में आगमन हुआ। इससे गुरुवार से गर्मी का प्रभाव कम हुआ। दिन में सामान्य से पांच से छह डिग्री अधिक का तेवर दिखा रही गर्मी नरम होकर अपनी सामान्य स्थिति में आ गई। पिछले चौबीस घंटे में 20 डिग्री पर ठहर गया पारा लुढ़ककर 17 तक आ गया, जिससे रात में ठंड महसूस हुई। सुबह में गर्मी का प्रभाव कम ही रहा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक उत्तरी हवा का असर धीमे-धीमे खत्म करने के लिए पश्चिमी विक्षोभ आ रहा है। इसके असर अभी गर्मी कम-ज्यादा की स्थिति में रहने की संभावना है। प्रदेश में अभी कड़ाके की ठंड पड़ने की उम्मीद ना के बराबर हो गई है अगर कोई पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से छाने वाले बादल बरसते हैं तभी मौसम में बड़ा बदलाव होने की उम्मीद है।

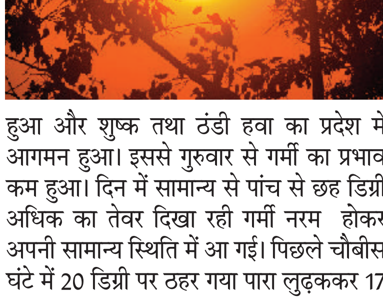

उतरा तापमान

शहर	न्यू.	अधि.
रायपुर	17.8	30.5
बिलासपुर	15.6	29.9
पेंड्रा	11.6	26.9
अंबिकापुर	7.3	26.8
जगदलपुर	18.6	33.2

कवर स्टोरी / डॉ. ओम निश्चल

वैसे तो मुहब्बत का कोई दिन मुकर्रर नहीं होता। ये कभी भी कहीं भी किसी को किसी से हो जाती है। लेकिन हाल के वर्षों में वैलेंटाइन-डे को प्यार के वार्षिक उत्सव के रूप में मनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। मुहब्बत की कहानी तभी से शुरू हो गई थी, जब से इंसान ने धरती पर जन्म लिया। गुजरते वक्त के साथ इसकी मूल भावना भले न बदली हो पर इसके स्वरूप में बहुत बदलाव आ गए हैं। मुहब्बत की दास्तान और इसके बदलावों पर एक नजर।

दास्तान-ए-मुहब्बत
जज्बात वही-अंदाज नया

प्रेम ऐसा मानवीय अहसास है, जिससे कोई भी अछूता नहीं रहता। यह कुदरत की देन है। हमारी ऋतुएं भी प्रेम की बयार बहाने में मदद करती हैं।

बदल गया प्रेम का स्वरूप: इस वसुधा पर वसंत आता ही है, प्रेम का अहसास लेकर। वसंत और प्रेम का बहुत घना रिश्ता है। हमारा साहित्य प्रेम के ऐसे उद्गारों से भरा है। पहले के जमाने में प्रेम को सौ पर्दे में छिपाकर रखा जाता था कि कोई जान न ले। आज तो प्रेम जताने का चलन है। सोशल मीडिया ने सब कुछ उघार दिया है। लज्जा के वसन उतार फेंके हैं दिलफेंक प्रेमियों ने। लेकिन क्या वही प्रेम आज है, जो कभी हीर-रांझा में था, जो कभी रोमियो और जूलियट में था, जो कभी पिरामिस और थेसबी में था, जो लैला-मजनू में था? अब तो मजनू भी वैसे न रहे, न लैला ही,

केवल मजनू के टीले बचे हैं, जहां प्रेम नदारद है। प्रेम की सुंदर अनुभूति को मनुष्य ने धीरे-धीरे बाजारू बना दिया है। हमने प्रेम की जड़ों को सींचने के बजाय काटना शुरू किया। हमने प्रेम के आख्यान लिखे, गीत लिखे, कविताएं लिखीं, मंदिरों के स्थापत्य को प्रेम के उत्कीर्णनों से भर दिया पर जीवन में प्रेम छीजता रहा।

प्रेम बिना जीवन हो जाए नीरस: कहते हैं, प्रेम एक ऐसी शै है कि यह छुप नहीं सकता। एक दिन सारी दुनिया जहान को पता चल ही जाता है कि बंदा प्रेम में है। लेकिन भले ही पता चल जाए, मुहब्बत करने वालों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रेम जीवन को संतुलित करने का नाम भी है। प्रेम को, जो काम की ही एक चैतन्य संज्ञा है, पुरुषार्थ चतुष्ट्य का अपरिहार्य अंग है। काम न हो, प्रेम न हो, राग न हो, अनुराग न हो, आसक्तियां न हों तो जीवन काहे का। यह मशीन की गतिशीलता बनाए रखने वाले लुब्रीकेशन की तरह है। यह न हो तो जीवन नीरस हो जाए। कविवर नीरज ने कहा ही है, *'प्यार अगर थामता न पथ में/ अंगुली इस बीमार उमर की/ हर पीड़ा वेश्या बन जाती/ हर आंसू आवारा होता।'* इस तरह प्रेम जीवन का एक अपरिहार्य पहलू है।

बावरा मन करता है प्रेम: कभी गीतकार रामावतार त्यागी के पत्रों की एक पुस्तक हाथ लगी थी। नाम था-चरित्रहीन के पत्र। हर पत्र में संबोधन के साथ अंत में लिखा होता था, 'तुम्हारा चरित्रहीन।' अद्भुत प्रेम की छुअन लिए पत्र थे। त्यागी जी ने एक गीत में लिखा है, *'अक्लमंदी हमारे नाम के आगे नहीं जुड़ती/ मगर भोले नहीं इतना कि जितना आम दिखते हैं/ हमें हस्ताक्षर करना न आया चेक पर माना/ मगर दिल पर बड़ी कारीगरी से नाम लिखते हैं।'* सच, मुहब्बत में अक्लमंदी नहीं चलती। वह तो बावरे मन का काम हैं।

कवियों ने प्रेम के ही गीत गाए। सगुण और निर्गुण प्रेम की धारा बहाई। मीरा, रसखान, पद्माकर, रत्नाकर प्रेम के ही कवि हैं। कृष्णमूर्ति कहते थे, 'जहां निर्भरता और आसक्ति है, वहां प्रेम नहीं रह सकता।'

होने लगा है प्रेम का पूंजी प्रबंधन: प्रेम को प्रबंधन करने का दौर चल पड़ा है। दिल की राह पर चलने वाले लोग, उपहारों के उत्कोच से प्रेम को बांधने का जतन करते हैं। पर सच्चा प्रेम कब इन उपहारों से बंधा है। जहां उपहारों की बारिश खत्म, प्रेम और मुहब्बत की सारी नवाजिश हवा हो जाती है। फिर निराला के इस गीत जैसा हाल ही प्रेमियों का होता है- *स्नेह निर्झर बह गया है, रेत ज्यों तन रह गया है।*

प्रेम सीधे-सच्चे स्नेह का पथ है। इस राह पर छली, कपटी दूर तक नहीं चल सकता। प्रेम के कई रंग हैं- पारिवारिक प्रेम, आत्मिक प्रेम, दांपत्य प्रेम, रूहानी प्रेम। इसी अनुरागमयता से यह संसार चल रहा है।

आया चट चैट-पट प्यार का दौर: प्रेम का जैसा लौकिक और अलौकिक बखान हमारे साहित्य में है, समाज में बिल्कुल नहीं। प्रेम सांसारिक भोग और विलास में बदल गया। आज मोबाइल पर हर दूसरा मैसेज प्यार का लिखा जा रहा है। हर शख्स आई लव यू के बुखार से ग्रस्त है। चट चैट, पट प्यार का फार्मूला ईजाद हो रहा है पर प्यार है कि जीवन में घुल ही नहीं रहा। अब चिट्ठियों का जमाना नहीं रहा कि महीनों लिफाफे से मुहब्बत की खुशबू आती थी। लोग उसे दिल के तहखाने में छुपा के रखते और एकांत में खोल कर पढ़ा करते थे। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स प्यार के इजहार का मंच बन गए हैं। प्रेम और वासना की रीलें बनाई जा रही हैं। इंटरनेट प्रेम कहानियों से भरा है, पर जीवन मे प्रेम नदारद है।

जरूर खोलिए प्यार का एकाउंट: एक बार फिर वैलेंटाइन-डे आ पहुंचा है प्रेम की याद दिलाने। वह जैसे हमारी देहरी पर दरवाजा खटखटा रहा है। लेकिन सच्ची मुहब्बत करने वाले खूबसूरत लोग अब नहीं दिखते हैं। ऐसा इसलिए कि हमने सच्चे दिल से अपने जीवन में प्रेम का खाता नहीं खोला। इसलिए यदि जीवन को बचाना है, समाज को बचाना है, मन को बेगानेपन से बचाना है तो क्रिएट ए लव एकाउंट। प्रेम का खाता जरूर खोलिए जीवन में। मुहब्बत के जज्बे को संकीर्ण न होने दीजिए। एक हाथ मुहब्बत का आगे बढ़ाइए, देखिए सौ हाथ आगे बढ़ कर आपका हाथ थाम लेंगे। तब आप भी नीरज की तरह कह उठेंगे, *'एक नहीं, दो नहीं, करोड़ों साझी मेरे प्यार में।'* *

प्रेमारंभ की प्राचीन मान्यता

प्रेम की भावना यों तो हर किसी में इनबिल्ट होती है, पर सदियों पुरानी कहानी है, जब ईडन गार्डेन में आदम ने दो पक्षियों, दो पशुओं को आपस में अभिसार-मुद्रा में देख ईश्वर से पूछा कि यह क्या है? तो ईश्वर ने कहा यह प्रेम है। ये सभी प्रेम में आबद्ध हैं। तब उदास होकर आदम ने कहा मेरे जीवन में तो कोई है ही नहीं। मैं किससे प्रेम करूं? ईश्वर ने कहा, 'तुम प्रतीक्षा करो कल तक।' कुछ देर में आदम को वहीं एक पेड़ के नीचे गहरी नींद आ गई। जगा तो उसे एक सुंदरी दिखी। वह उसके प्रेम के वशीभूत हो बैठा। प्रेम के इस वर्जित फल को चखने का परिणाम ही है यह सृष्टि।

महान हस्तियों के यादगार प्रेम पत्र

आज के दौर में प्रेमी युगल को भले ही अपनी फीलिंग प्रकट करने के लिए पत्र लिखने की जरूरत नहीं रह गई है। लेकिन प्रेम पत्र लिखने का दौर भी बहुत खूबसूरत रहा है। कई प्रसिद्ध हस्तियों के पत्र तो आज भी हर प्रेम करने वाले के लिए किसी धरोहर से कम नहीं हैं।

अहसास / डॉ. अनिता राठौर

जब से मैंने आपके बारे में सुना है, मेरे प्रभु! मैं आपकी ओर पूरी तरह से आकर्षित हो गई हूं। कृपया शिशुपाल से मेरे विवाह से पहले अवश्य आएं और मुझे ले जाएं। अगर आप मुझ पर यह कृपा नहीं करते हैं, तो मैं उपवास और कठोर व्रतों का पालन करके अपना जीवन त्याग दूंगी। तब शायद अगले जन्म में मैं आपको प्राप्त कर सकूंगी।' यह संसार का संभवतः सबसे पहला प्रेम पत्र है, जो रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को लिखा था। यह पत्र हमें श्रीमद्भागवतम के सर्ग 10 के अध्याय 52 में मिलता है।

पत्रों में व्यक्त होती थीं भावनाएं: जब कॉल्स व इंस्टेंट मैसेजिंग का दौर नहीं था। तब प्रेमी अपने इश्क का इजहार करने के लिए अपने जज्बात शब्दों में पिरोकर कागज पर अंकित कर दिया करते थे। चिट्ठियों का वो दौर भी क्या दौर था कि प्रेमी या प्रेमिका के लिए दिल की गहराइयों से निकले हुए सुनहरे अल्फाज साहित्य की अमर कृतियां बन गई हैं।

कैफी आजमी-शौकत: बीस दिन गुजर चुके थे और शायर कैफी आजमी को अपनी प्रेमिका शौकत (बाद में पत्नी) की कोई खबर नहीं मिली थी। उन्हें लगा कि शौकत उनसे किसी बात पर नाराज हो गई हैं। उन्हें मनाने के लिए रात में 1 बजे कैफी ने अपने खून से एक प्रेम पत्र लिखा, 'तुम्हें लिखने के बाद मैंने लिफाफे को बंद किया और बिस्तर में चला गया यह सोचते हुए कि कुछ नींद आ जाएगी, लेकिन नींद नहीं आई। मैंने तुम्हारे पिछले खत को फिर पढ़ा और अपने आंसू रोक न सका। शौकत, ये मेरी बदकिस्मती है कि तुम्हें मुझ पर या मेरे प्यार पर यकीन नहीं है। कुछ दिन से मैं कुछ नहीं सोच रहा हूं, सिवाय इसके कि तुम्हें किस तरह से यकीन दिलाऊं कि मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैंने एक ब्लेड से अपनी कलाई पर गहरा घाव कर लिया है और अब अपने खून से तुम्हें खत लिख रहा हूं। महीनों मैंने अपने प्यार के लिए आंसू बहाए हैं और अब मैं खून बहा रहा हूं। मुझे नहीं मालूम हमारा भविष्य क्या है। मोती (शौकत का प्यार का नाम), मुझे बहुत गहरा सदमा लगा है। तुम ये कैसे लिख सकती हो- 'अब मैं जान गई हूं कि उसकी आंखें मुझ पर नहीं हैं बल्कि किसी और पर हैं, जो उसे समझती नहीं है, न ही वह उसे समझना चाहती है?' इन शब्दों को वापस ले लो, शौकत, और मेरे प्यार का मजाक मत उड़ाओ। अगर तुम मेरे लिए कुछ नहीं कर सकती, तो कोई बात नहीं। तुम्हें प्यार करते ही मैं जान गया था कि मेरे लिए कोई उम्मीद नहीं है। खुदा मेरी हिफाजत करेगा। तुम्हें मेरे प्यार पर, मेरे इरादे पर शक है कि मैं तुमसे शादी करूंगा या नहीं। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि एक दिन मैं तुम्हे और दुनिया को साबित कर दूंगा कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं। मेरी शौकत, मेरा और मेरे प्यार का क्या होगा। हम तुम एक दूसरे से इतनी दूर हैं कि तुम्हारे लिए मेरे दर्द को देखना मुमकिन नहीं है। अगर तुम्हें मेरी कोई बात बुरी लगी हो तो मुझे माफ कर देना। प्यार और ढेर सारा प्यार, तुम्हारा कैफी।'

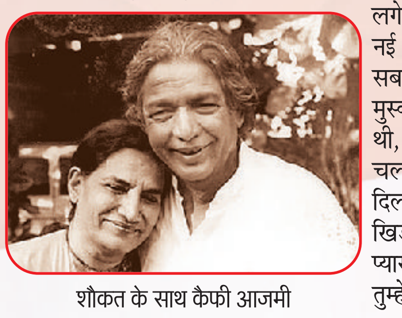

शौकत के साथ कैफी आजमी

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने: रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की प्रेमिका फैनी ब्रॉने ने उनके प्रेम पत्र पढ़कर लिखा था, 'मुझे वह शब्द मत लिखो, जिनसे तुम्हारा ज्ञान-काबिलियत प्रकट होती हो, बल्कि वह अल्फाज लिखो जो तुम्हारे दिल की गहराइयों से निकले हों।' इसके बाद कीट्स ने अपने प्रेम पत्रों की शैली बदल दी थी और अपने दिल के जज्बात कागज पर बयान करने लगे थे। एक बानगी देखिए, 'तुम हमेशा नई लगती हो। तुम्हारा पिछला चुंबन सबसे अधिक मीठा था, तुम्हारी पिछली मुस्कान सबसे अधिक चमक लिए हुए थी, तुम्हारा नागिन की तरह पिछला चलने का अंदाज सबसे अधिक दिलकश था। जब कल तुम मेरी खिड़की के पास से गुजरी थीं तो मेरे प्यार भरे जज्बात वैसे ही उमड़े थे, जैसे तुम्हें पहली बार देखने पर उमड़े थे। अगर तुम मुझसे प्यार न भी करतीं तो भी मेरा प्यार सारी उम्र तुम्हें ही समर्पित रहता।'

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने

व्लादिमीर नबोको-वेरा: व्लादिमीर नबोकोव की वेरा से पहली मुलाकात 1921 में हुई थी। व्लादिमीर के वेरा के लिए पत्र अपनी पूर्णता में यादगार हैं। एक पत्र में उन्होंने लिखा है, 'मेरी कोमल कली, मेरी खुशी, मैं तुम्हारे लिए क्या शब्द लिखूं? यह कितना अजीब है कि मेरा जीवन कार्य कागज पर कलम चलाना है, लेकिन मैं यह नहीं जानता कि तुम्हें कैसे बताऊं कि मैं तुम्हें प्यार करता हूं। ऐसी उत्तेजना और ऐसी दैविक शांति पिघलता बादल धूप में गुम होते हुए खुशी का पहाड़ और मैं तुम्हारे साथ तैर रहा हूं। तुम में, जलता, पिघलता और पूरा जीवन तुम्हारे साथ बादलों की गति जैसा है, उनका हवाई, शांत गिरना, उनका हल्कापन कोमलता और रंग भरी आसमानी विविधता-मेरा प्रेम। मैं इस एहसास को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।' *

प्रेम-गीत / विनोद श्रीवास्तव

प्यास को मानसरोवर दिया

बंजर ही बंजर था
किसने हरा-भरा कर दिया
प्यास को मानसरोवर दिया।
अग्निशरों से बींध-बींधकर
छलनी कर दी काया
फेंक दिया तपती धरती पर
मांग रहा था छाया।
पतझर ही पतझर था
किसने फूलों का घर दिया
अधर पर वंशी को धर दिया।
मंदिर-घाट-हाट-मेले की
सुधियां हैं गहराईं
उजड़े डेरे सोच-सोचकर
आंखें हैं भर आईं।
अक्षर ही अक्षर था
किसने प्राणों को स्वर दिया
कंठ को गीतों से भर दिया।

व्यंग्य / राकेश सोहम

वैलेंटाइन डे के दिन जब वे अपनी पत्नी के साथ टहलने पहुंचे। जब चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?' शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर उन्होंने कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?' उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

वैलेंटाइन डे पर हुई मुसीबत

इधर 'वैलेंटाइन डे' का त्यौहार सिर पर है और दिमाग का दही हुआ पड़ा है। यह दिवस एक देशव्यापी त्यौहार बन गया है, जो प्रति वर्ष नियत तिथि पर मनाया जाता है। यह अनोखा त्यौहार बाजारों में भारी चमक-दमक के साथ आता है, लेकिन मनाने में दम निकल जाता है। कई लोगों को हर्षोल्लास की बजाय चोरी-छिपे मनाना पड़ता है। उपहारों का आदान-प्रदान गोपनीय रखना पड़ता है।

गो कि मिठाई चुपके से 'गप' कर लो और चबाते हुए मुंह चलाने का पता भी न चले। युवा अपने अभिभावकों से मुंह छिपाए घूमते हैं। वे घरों से निकलते हैं, अपनी वैलेंटाइन के लिए उपहार खरीदते हैं और उपहार को निपटा कर ही वापस लौटते हैं। बेचारे उम्रदराज, बड़ी उलझन में होते हैं। अधिकार प्राप्त निजी वैलेंटाइन के साथ भी मुश्किल में पड़ जाते हैं।

मेरे जैसे सठिया, खूसठों के द्वारा यह त्यौहार मनाना तो दूर, कुछ सूझता तक नहीं है! वैलेंटाइन डे की बात सूझने मात्र से पत्नी जी का मुंह सूज जाने का भय बना रहता है। उसे दुनिया की सभी स्त्रियों में वैलेंटाइन दिखाई देने लगती है। घर के दरवाजे पर आई बेचारी सेल्स गर्ल अपने उत्पाद के बारे में कुछ बताए, इसके पूर्व पत्नी इतना उत्पात मचा देती है कि वह पतली गली से भाग निकलती है।

एक वाकया याद आ रहा है। पिछले साल हुआ यों कि 'वैलेंटाइन डे' पर अपनी असली पत्नी के साथ 'टहलू पार्क' में टहलने गया था।

हम चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?'

मैंने शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?'

उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

मुझे क्रोध आया, 'हम थक गए थे। अब बैठे सुस्ता रहे हैं।'

वह जोर से हंसा, 'अरे उम्र का लिहाज करो। थकाने वाले काम करते क्यों हो?'

मुझे उसका मंतव्य समझ आ गया, अतः हाथ जोड़कर कहा, 'टहलते हुए थकान हो गई थी इसलिए बैठे हैं, अभी चले जाएंगे।'

मेरी बात समाप्त होते ही वह तपाक से बोला, 'किसके साथ बैठे हो?'

मैंने सीना ठोक कर कहा, 'पत्नी के साथ?'

उसने पत्नी जी को देखा। फिर मुझे देखा और बोला, 'किसकी पत्नी?' दरअसल, पत्नी जी अब भी पुरानी कविता सी दिखती हैं और मैं आज के व्यंग्य जैसा बिखरा-बिखरा खड़ूस हो गया।

मैंने पत्नी जी का हाथ पकड़ा और अकड़ते हुए जवाब दिया, 'मैं अपनी पत्नी के साथ हूं, समझे।'

वह पुलिसिया डंडा घुमाते हुए बोला, 'हम कैसे मान लें?'

फिर हम दोनों के हाथ पर डंडा रख दिया। मुझे अपने 'आधार' की ताकत याद हो आई। मैंने अपने कुर्ते की जेब से दोनों के आधार कार्ड निकाल कर उसकी हथेली पर पटक दिए। वह डंडे को अपनी बगल में दबाए पैर फैला कर खड़ा हो गया और कार्ड्स में छपे छाया चित्रों से हमारी सूरतें मिलाने लगा। फिर दूसरे हाथ से टोपी के अंदर अपनी खोपड़ी खुजलाते हुए बोला, 'तुम्हारी सूरत को ठीक मान भी लें... पत्नी जी की सूरत मेल नहीं खा रही!'

मुझे 'आधार' निराधार लगने लगा। हालांकि, भ्रम हमें भी था कि हमारे आधार कार्ड में छपी सूरतें हमारी ही हैं!

तभी पार्क से हमारे पड़ोसी के बच्चे की आवाज आई, 'अरे! अंकल-आंटी आप लोग यहां हैं, मैं कब से आप लोगों को ढूंढ़ रहा हूं। घर में ताला पड़ा है और जीनू भैया आप लोगों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

हम दोनों बिना कुछ कहे घर की ओर चल दिए। सुरक्षा कर्मी डंडा घुमाते हुए आगे बढ़ गया। मैंने चलते हुए पत्नी जी से कहा, 'तुम तो कभी मेकअप करती नहीं। लेकिन फोटो खिंचाते समय क्या लिपस्टिक लगाना जरूरी है? बेचारा! सुरक्षाकर्मी कन्फ्यूज हो गया था।'

पत्नी जी ने कनखियों से मुझे देखा, 'मैं हूं ही इतनी सुंदर।'

मैंने उनके कदम से कदम मिलाते हुए कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन डे।' वो मुस्कुरा दीं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेम में भीगी कविताएं

सुपरिचित कवयित्री-समालोचक डॉ.रचना तिवारी का नया कविता संग्रह 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' हाल में प्रकाशित होकर आया है। हालांकि इस संग्रह में आदिवासी महिलाओं के जीवन का संघर्ष, कोविड की विभीषिका से उपजे मार्मिक दृश्य, स्त्रियों की आकांक्षा और उनके द्वंद्व समेत जीवन की बहुरंगी अनुभूतियों को कई कविताओं में पिरोया गया है। लेकिन संग्रह में संकलित कविताओं का मूल स्वर प्रेमानुभूति से उपजा है। यहां उन्होंने प्रेम की कोमल अनुभूतियों को बहुत संजीदगी से व्यक्त किया है। *'तुम लिख दो मुझे/यहां से वहां तक/जिसकी सड़क/मेरे इस छोर से/तुम्हारे उस छोर तक जाती हो।'*(तुम लिख दो मुझे) संग्रह की शीर्षक कविता 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' में वह लिखती हैं, *'वे नहीं होते/साथ चलने के लिए/वे वनवास काटते हुए/अनकहे और अनसुने रहने के लिए होते हैं/वे एक दूसरे के पूरक होते हुए भी/अधूरे रहने के लिए होते हैं।'* कहने की जरूरत नहीं कि प्रेम पर अब तक असंख्य कविताएं लिखी जा चुकी हैं लेकिन प्रेम में भीगी ये कविताएं, उन प्रेम कविताओं में अलग से पहचान बनाने में सक्षम हैं। *

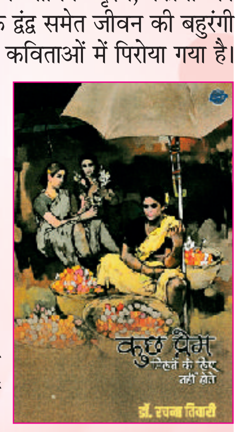

पुस्तकः कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते, लेखिकाः डॉ. रचना तिवारी, मूल्यः199 रु, प्रकाशकः सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

ग्रामीण/शहरी रणभूमि

नगरीय निकाय चुनाव में जनता देगी माकूल जवाब: संजय

नगरीय निकाय चुनावों में कांग्रेस के खिलाफ आरोप पत्र जारी करते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा, जनता माकूल जवाब देकर सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए तैयार बैठी है। नगरीय निकाय लोकतंत्र की वह महत्वपूर्ण इकाई है, जिससे जनता सीधे जुड़ी होती है और नगर का तेजी से विकास होता है।

सरकार के द्वारा आरोप पत्र लाना हास्यास्पद: सुशील

बीजेपी के आरोप पत्र पर कांग्रेस संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, यह बीजेपी की बेशर्मी की पराकाष्ठा है।राज्य में एक साल एक महीने जो गए बीजेपी की सरकार है। केंद्र भी बीजेपी की सरकार है। सरकार में होते हुए विपक्ष के लिए आरोप पत्र लाना हास्यास्पद है।

नगर पालिक निगम चिरमिरी

बैकुंठपुर/डोमनहिल। एमसीबी जिले में काले हीरे की नगरी के नाम से प्रसिद्ध चिरमिरी नगर निगम चुनाव में इस बार कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। यहां भाजपा ने अधिवक्ता रामनरेश राय को अपना उम्मीदवार बनाया है, तो कांग्रेस ने मनेन्द्रगढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक डॉ. विनय जायसवाल पर अपना भरोसा जताया है। दोनों ही उम्मीदवार अपने-अपने चुनावी एजेंडे और विकास योजनाओं के दम पर जनता के बीच जा रहे हैं। वहीं इस निगम चुनाव में भाजपा की तरफ से स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और कांग्रेस की ओर से विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई है, क्योंकि दोनों शीर्ष नेता अपने-अपने प्रत्याशियों को जिताने के लिए पूरी दमखम लगाए हुए हैं। उल्लेखनीय है कि चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र के कुल 54,188 मतदाता (27,594 पुरुष और 26,594 महिलाएं) इस चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। हरिभूमि ने दोनों प्रत्याशियों से अहम मुद्दों पर बातचीत की।

ट्रिपल इंजन की सरकार के साथ करेंगे विकास: राय

सवाल : आपका चुनावी मुद्दा क्या है ?

रामनरेश राय- हमारा मुख्य एजेंडा चिरमिरी का विकास, बेरोजगारों को रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार करना है। भाजपा की सरकार केन्द्र और राज्य दोनों जगह है, ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से विकास कार्य तेजी से पूरे होंगे। चिरमिरी में विकास पूरी तरह ठप हो गया है। जल आपूर्ति, सफाई और सड़कों की मरम्मत हमारा पहला काम होगा।

सवाल- आपकी नजर में चिरमिरी की बड़ी समस्या क्या है ?

रामनरेश राय- हम चिरमिरी को एक आदर्श नगर बनाएंगे। सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी और बुनियादी ढांचे की बदहाली है। कांग्रेस सरकार ने चिरमिरी को सिर्फ वादों में उलझा कर रखा है। भाजपा सत्ता में आते ही औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देगी और युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर पैदा करेगी।

सवाल- शहर के विकास का आपका क्या प्लान है ?

रामनरेश राय- एसईसीएल की लीज भूमि को राज्य सरकार से वापस कराकर वहां के लोगों को पट्टा दिलवाना। बिजली और पानी की बेहतर व्यवस्था। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में नई योजनाएं लाना। कांग्रेस कार्यकाल में नगर निगम के फंड का दुरुपयोग हुआ है।

सवाल- पेयजल समस्या का समाधान कैसे करेंगे ?

रामनरेश राय- निगम क्षेत्र के सभी घरों में नल-जल योजना के तहत पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के लिए 184 करोड़ रूपए स्वीकृत किए जा चुके हैं। हम सत्ता में आए तो जनता को हर बुनियादी सुविधा मुहैया कराएंगे।

सवाल- जनता को क्यों आप पर भरोसा करना चाहिए ?

रामनरेश राय- भाजपा सरकार ने हमेशा जनता की सेवा की है और चिरमिरी के विकास के लिए काम किया है। विष्णुदेव साय की सरकार ने मात्र 13 महिने के कार्यकाल में शहर को नई योजनाएं दी हैं और आगे भी विकास कार्य जारी रहेंगे।

आमने सामने

विधायक के बाद मेयर बनकर जनता की सेवा करुंगा : डॉ. विनय

सवाल- चुनाव में आपकी प्राथमिकता क्या होगी ?

डॉ. विनय जायसवाल - हमारा मुद्दा क्षेत्र की समस्याओं को दूर करना और जनता के हक की रक्षा करना है। विधायक रहते मैंने श्रमिकों के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले कराए हैं, अब महापौर बनकर अधूरे काम पूरे करेंगे। हमारी प्राथमिकता जनता की भलाई और शहर का संपूर्ण विकास है। कांग्रेस सरकार ने चिरमिरी के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की है और हम इसे और आगे बढ़ाएंगे।

सवाल- चिरमिरी शहर के विकास का आपका क्या प्लान है ?

डॉ. विनय जायसवाल- चिरमिरी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना। मंगल भवन, पार्कों और अन्य अधूरे प्रोजेक्ट को पूरा करना। शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक सुधार लाना। पिछले 5 साल में कांग्रेस ने जो काम किए हैं, जनता ने देखे हैं। कांग्रेस को जिताकर महापौर और पार्षदों को चिरमिरी की जनता निगम में भेजेगी, ताकि उनकी हर समस्या का समाधान हो सके।

सवाल- चिरमिरी के वार्डों में पानी की समस्या का समाधान कैसे करेंगे ?

डॉ. विनय जायसवाल- पिछली सरकार में पानी की समस्या के समाधान के लिए कई योजनाएं बनीं, लेकिन उन्हें और आगे बढ़ाने की जरूरत है। पुरानी जर्जर पाइप लाइनों को बदलकर पानी की बर्बादी को रोकेंगे। हमने अपने कार्यकाल में जनता के हित में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। हमारा ट्रैक रिकॉर्ड जनता के सामने है, इसलिए जनता हमें फिर से मौका देगी तो इस समस्या का स्थाई हल निकाला जाएगा।

सवाल- निवृतमान महापौर के कार्यकाल पर भाजपाई सवाल उठाते हैं ?

डॉ. विनय जायसवाल- भाजपा सिर्फ आरोप लगाती है, लेकिन हकीकत यह है कि महापौर और मेरे विधायकी कार्यकाल के दौरान चिरमिरी में बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाया है।

रोचक खबरें

कांग्रेस कमेटी घोषित नहीं कर पाई 4 जिला पंचायत क्षेत्र के लिए अधिकृत प्रत्याशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जिला पंचायत कांकेर के क्षेत्र क्रमांक 02, 06, 08 और 13 में कांग्रेस के प्रत्याशी को अधिकृत नहीं कर पाई है। उसका बड़ा कारण यह रहा कि कांग्रेस के कई दावेदारों ने नामांकन दाखिल किया और आपस में सहमति नहीं बन पाने के कारण जिला कांग्रेस कमेटी ने यह कदम उठाया। कांग्रेस के इस कदम उठाने से यह चर्चा का विषय बन गया है कि कांग्रेस के लोग कांग्रेस के संगठन प्रमुख की बात नहीं मान रहे है। जानकारी के अनुसार जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सुभद्रा सलाम ने 4 फरवरी को जिला पंचायत कांकेर के 13 क्षेत्र में से केवल 8 पर ही अधिकृत प्रत्याशी घोषित करने का पत्र जारी किया, परंतु यह पत्र सोशल मीडिया में 5 फरवरी की रात को वायरल हुआ। उस पत्र में जिला पंचायत कांकेर के चार ऐसे क्षेत्र है, जहां किसी को अधिकृत नहीं किया। इस विषय पर हकीकत जानने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुभद्रा सलाम के मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया, परंतु संपर्क नहीं हो पाया। कांग्रेसियों में यह चर्चा है कि इन क्षेत्रों से कांग्रेस से जुड़े कई लोगों ने नामांकन दाखिल कर दिया है और कोई भी नाम वापिस लेने के लिए तैयार नहीं होने के कारण यह कदम उठाया गया। जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 02 में 9 प्रत्याशी मैदान में है, जिसमें 4 कांग्रेस से जुड़े हुए है।

जीतने वाले को लेंगे खेमे में

जिला कांग्रेस का जिला संगठन इस मामले में कुछ भी कहने के लिए बच रहा है और मौन साध लिया है। कांग्रेस सूत्रों का मानना है कि इसमें कोई जीत गया तो उसे कांग्रेस खेमे में ले लिया जाएगा। चार क्षेत्र से प्रत्याशियों के अधिकृत नहीं किए जाने से कांग्रेस को सीधे नुकसान उठाना पड़ सकता है, ऐसा इस क्षेत्र के कांग्रेसियों का कहना है। पार्टी का कड़ाई से निर्देश देना था और उसके बाद भी नहीं मानने पर अनुशासत्मक कार्रवाई करना था।

नगर पंचायत मगरलोड में 17 वर्षों से कांग्रेस सत्ता में, क्या भाजपा का वनवास काल समाप्त होगा

मगरलोड। नगर पंचायत मगरलोड भैंसमुंडी का चुनाव 11 फरवरी मंगलवार को होगा। मगरलोड को नगर पंचायत का दर्जा 23 सितंबर 2008 को प्राप्त हुआ। ग्राम पंचायत से नगर पंचायत बनने के समय से अब तक कांग्रेस नगर सत्ता पर काबिज हैं। 2008, 2013, 2019, 2024 में नगरीय निकाय चुनाव हुआ। 2008 और 2013, 2024 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी पूर्ण बहुमत से नगर सत्ता में रही है। 2019 के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी विजयी होकर सत्ता संभालने के बाद कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गया। 2008 से 2024 तक लगभग 17 वर्षों तक कांग्रेस नगर पंचायत मगरलोड की सत्ता पर काबिज रही। वहीं भाजपा नगर सत्ता से दूर है। 2025 के नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस नगर सत्ता की कुर्सी बरकरार रख सकती है या नहीं। भाजपा 17 वर्षों का वनवास काल समाप्त कर नगर सत्ता पर काबिज हो सकती है कि नहीं, यह सभी के सामने यक्ष प्रश्न है।

निकाय चुनाव में भाजपा कांग्रेस के अलावा बागी प्रत्याशियों का चुनाव प्रचार-प्रसार जोर-शोर से चल रहा है। नगर पंचायत में मगरलोड भैंसमुंडी शामिल हैं जिसे 15 वार्डों में विभाजित किया गया है। मगरलोड में वार्ड क्रमांक 2, 3, 4, 10, 11, 12, 13, 14, 15 सहित 9 वार्ड तथा भैंसमुंडी में 1, 5, 6, 7, 8, 9 सहित 6 वार्ड शामिल हैं। मगरलोड के 9 वार्डों में 1548 महिला मतदाता तथा 1443 पुरुष मतदाता हैं। इसी प्रकार भैंसमुंडी के 6 वार्डों में 1009 महिला मतदाता तथा 948 पुरुष मतदाता हैं। मगरलोड में 2981 मतदाता और भैंसमुंडी में 1956 मतदाता हैं। कुल 4947 मतदाता वाले नगर पंचायत मगरलोड में निवासरत अध्यक्ष पद के 3 प्रत्याशी हैं और भैंसमुंडी का एक भी प्रत्याशी नहीं हैं। नगर पंचायत मगरलोड सिहावा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शामिल है। विकासखंड मगरलोड के 24 गांव कुरूद विधानसभा में शामिल हैं। नगर पंचायत निर्माण के 17 वर्षों के लंबे समय में 5 वर्ष राज्य में कांग्रेस की सरकार रही है, बाकी के समय राज्य में भाजपा की सरकार रही है। नगर पंचायत निर्माण को 17 वर्ष हो गया, किंतु नगर विकास में मगरलोड काफी पीछे चल रहा है। मूलभूत सुविधाओं का अभाव है।

कुर्सी मिलने के बाद सारे वादे भूल जाते हैं

नगरवासियों को रोजगार मूलक कार्य के लिए भटकना पड़ रहा है। सड़क, बिजली, पानी की सुविधा नाम मात्र की मिल रही है। नगर में स्थापित कृषि उपज मंडी सफेद हाथी बनकर रह गया है। कृषि उपज मंडी में 12 माह धान खरीदी की सुविधा मिलने से लोगों को रोजगार मिल सकता है। लोगों का कहना है कि नगर पंचायत चुनाव के दौरान प्रत्याशी लंबा चौड़ा वादा कर नगर विकास के झूठे सपने दिखाते हैं किंतु चुनाव संपन्न होकर कुर्सी मिलने के बाद सारे वादे भूल जाते हैं ।

मतदान के एक दिन पहले प्रचार रहेगा प्रतिबंधित

आज रात 12 बजे थमेगा चुनाव प्रचार का शोर प्रत्याशियों का घर-घर जाने पर रहेगा जोर

नगरीय निकाय चुनाव के लिए रविवार रात में प्रचार अभियान थम जाएगा। उम्मीदवारों को 9 तारीख, रविवार की रात 12 बजे तक प्रचार की अनुमति रहेगी। निकाय चुनावों में प्रचार समाप्ति की समय सीमा लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन से अलग है। प्रदेश में आगामी 11 फरवरी को होने वाले नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए उम्मीदवार 9 फरवरी की रात 10 बजे तक सक्षम अधिकारी की अनुमति से नियमानुसार लाउडस्पीकर सहित प्रचार कर सकते हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रात 10 बजे तक लाउडस्पीकर का सकेंगे इस्तेमाल

रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर का इस्तेमाल प्रतिबंधित है। इस वजह से उम्मीदवार रात 10 से 12 बजे तक सक्षम अधिकारी की अनुमति से ही लाउडस्पीकर के बिना प्रचार कर सकेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी कलेक्टरों और जिला निर्वाचन अधिकारियों को पत्र लिखकर प्रचार अवधि की समाप्ति के संबंध में निर्देश दिए हैं। निर्वाचन नियमावली के अनुसार मतदान के दिन तथा उसके एक दिन पूर्व सार्वजनिक सभाओं की मनाही है।

प्रत्याशियों के पास एक दिन का समय

निकाय चुनाव को लेकर मतदाता भी इस बार इतने खामोश हैं कि प्रत्याशियों को पता ही नहीं चल रहा है, उनका रुझान किस ओर है। लिहाजा कुछ वार्डों में प्रत्याशियों ने खिलाने पिलाने पर फोकस कर दिया है। देर रात तक खूब पार्टियां चल रही हैं। आज और कल 2 दिन प्रत्याशियों के पास समय है, ऐसे में शहर के स्लम एरिया में मतदाताओं को कैसे अपने पक्ष में करना है, इस पर प्रत्याशी ताकत झोंक रहे हैं।

अंतिम दिन सार्वजनिक सभाएं नहीं होगी

नगरीय निकाय चुनाव में 11 फरवरी को मतदान किया जाएगा। इसके पूर्व 9 फरवरी को रात 12 बजे तक चुनाव प्रचार किया जा सकता है। साथ ही 9 फरवरी की रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों की अनुमति नहीं होने के कारण रात्रि 10 से 12 बजे के बीच होने वाले चुनाव प्रचार की अनुमति देते समय इन सभी प्रावधानों का ध्यान रखा जाएगा। मतदान के ठीक एक दिन पूर्व सार्वजनिक तौर पर चुनाव प्रचार नहीं किया जा सकता। इसमें इसके अंतर्गत सार्वजनिक सभाएं, जुलूस, नुक्कड़ सभाएं, लाउडस्पीकर का उपयोग इत्यादि पूर्णतः प्रतिबंधित रखा जाएगा।

राजनीतिक दलों ने लगाई ताकत

नगरीय निकाय चुनाव का शोर-शराबा आज देर रात 12 बजे थम जाएगा। रायपुर के 70 वार्डों में राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। निर्दलीय प्रत्याशियों के साथ अन्य दलों के प्रत्याशी भी कई दिनों से घर-घर दस्तक दे रहे हैं। चुनावी बिगुल बंद होने के बाद 24 घंटे का समय प्रत्याशियों के लिए शेष रहेंगे, जिसमें अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचकर शांतिपूर्वक तरीके से जनसंपर्क करना पड़ेगा। चुनाव की तिथि एकदम करीब आने के बाद प्रत्याशियों की भी धड़कनें तेज हो गई हैं। इधर प्रशासन भी शांतिपूर्वक चुनाव कराने में लगा है। चुनाव प्रचार शोर थमने के अंतिम दिन शहर में कहीं विवाद की स्थिति निर्मित ना हो, इस पर भी पूरी नजर है। कलेक्टर ने प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को चुनावी माहौल पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

टुकुन की नजर से...

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और विधायक के खास युवा नेता ने थामा भाजपा का साथ

एक ही परिवार के दो सदस्यों को टिकट देने से थे नाराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक लखेश्वर बघेल व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के खास युवा नेता आशीष मिश्रा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के समक्ष शनिवार को भाजपा का दामन थाम लिया।

नगरीय निकाय चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस को उन्होंने तगड़ा झटका दिया है। आशीष मिश्रा अपने 50 से अधिक साथी के साथ भाजपा में शामिल हो गए। वे कांग्रेस पार्टी के विभिन्न पदों की जिम्मेदारी निभा चुके है। वे दीपक बैज के सांसद प्रतिनिधि के रूप में भी काम कर चुके हैं। उनके साथ शिव सिंह सिंगर, अनिल जायसवाल, महेंद्र बघेल, रुस्तम परिहार, सौरभ राय, विक्की शर्मा, लोकनाथ ठाकुर, दिनेश जो भारतीय जनता पार्टी के रीति-नीति से प्रभावित होकर भाजपा प्रवेश किया। इस दौरान वनमंत्री केदार कश्यप, जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पांडे समेत अनेक भाजपाई मौजूद रहे।

पार्टी पर अनदेखी व सनातन विरोधी का लगाया आरोप

हरिभूमि से चर्चा में आशीष मिश्रा ने कहा पार्टी द्वारा कुछ समय से युवाओं के साथ संगठन के दायित्व को लेकर अनदेखी की जाती रही। सनातनियों को नीचा दिखाने हर स्तर पर प्रयास किया जाता रहा। पूरे देश मे कांग्रेस की छवि सनातन विरोधी है। मैंने सबसे पहले समाज देश और फिर राजनीति को महत्व देते पार्टी के लिए जितना करना था, पूरे तन मन, धन से किया। अब सनातन विरोध सहा नही जाता। इसलिए पार्टी से इस्तीफा देने पर बाध्य हुआ।

दोनों प्रत्याशी चाहते हैं लौह नगरी किरंदुल बने ग्रीन और क्लीन सिटी

किरंदुल। लौह नगरी किरंदुल में नगर पालिका परिषद का गठन 1999 में हुआ था। किरंदुल में भारत सरकार की नवरत्न कंपनी एनएमडीसी और मित्तल कंपनी यहां होने के कारण पूरे छत्तीसगढ़ में किरंदुल सबसे धनी नगर पालिकाओं की गिनती में है। इस पालिका में जनता ने भाजपा और कांग्रेस को एक-एक बार, सीपीई को दो बार और निर्दलीय को एक बार नगर विकास का जिम्मा सौंपा है। नगर पालिका परिषद के गठन होने के बाद 1999 में भाजपा के सतविंदर सिंह अध्यक्ष बने, 2004 में सीपीई से अमरीक सिंह, 2010 में निर्दलीय शैलेंद्र सिंह, 2015 में सीपीई की राजी अनिल मोल तथा 2019 में कांग्रेस के मृणाल राय अध्यक्ष बने। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल के अध्यक्ष प्रत्याशी 2015 में रूबी शैलेंद्र सिंह ने निर्दलीय और राजेंद्र मृणाल राय कांग्रेस से अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ चुकी हैं। दोनों को 2015 के चुनाव में हार मिली थी और सीपीई की राजी अनिल मोल को जीत हासिल हुई थी। भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशियों के पति नगरपालिका किरंदुल के अध्यक्ष रह चुके हैं। प्रत्याशियों के साथ पूर्व अध्यक्ष पतियों की साख दांव पर है। भाजपा कांग्रेस के नगर पालिका अध्यक्ष प्रत्याशियों ने शहर के लिए प्राथमिकताएं बताई।

ट्रांसपोर्ट नगर बनाकर पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे: रूबी

भाजपा प्रत्याशी रूबी शैलेंद्र सिंह का कहना है कि शहर को ग्रीन क्लीन सिटी बनाना मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी। रिंग रोड 4 से बस स्टैंड से नगर पालिका तक सड़कों के किनारे खड़ी गाड़ियों को हटाकर सड़कें साफ सुथरा बनाया जाएगा। ट्रांसपोर्ट नगर बनाकर शहर से बाहर ट्रकों की पार्किंग की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। पेयजल की समस्या को दूर कर बारसूर से पानी लाने का प्रोजेक्ट बनाकर किरंदुल में फिल्टर हाउस से शुद्ध पेयजल की सप्लाई की जाएगी। किरंदुल शहर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बनाकर एनएमडीसी के रिटायर लोगों को आबंटित किया जाएगा। नगर में पेड़-पौधे लगाकर साफ-सफाई, अच्छे सड़क की प्राथमिकता के साथ कार्य किया जाएगा। केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार है नगर पालिका में भाजपा की सरकार बनने से विकास कार्य में तेजी आएगी।

आमने सामने

धूल मुक्त शहर बनाकर समुचित विकास करेंगे : राजेंद मृणाल राय

कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र मृणाल राय ने कहा है कि किरंदुल शहर को स्वच्छ साफ सुथरा धूल मुक्त शहर बनाना प्राथमिकता में है। किरंदुल नगर पालिका के 18 वार्डों में सफाई, शुद्ध पेयजल, अच्छी सड़कों के साथ सर्वांगीण विकास मेरी पहली प्राथमिकता में है। किरंदुल शहर में बाईपास सड़क, ट्रकों के लिए पार्किंग की व्यवस्था, स्कूली बच्चों के लिए बस की व्यवस्था, कांग्रेस शासन में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा बस स्टैंड की घोषणा की गई थी भाजपा का शासन आते ही इस पर अमल नहीं हुआ। नगर पालिका में कांग्रेस की सरकार आते ही शहर में सर्वसुविधायुक्त बस स्टैंड बनाकर मेन मार्केट के पास हाट बाजार का निर्माण करवाया जाएगा। शहर में रेलवे, वन भूमि, ओरा कैंप में बसे लोगों को पट्टा दिलाने की पहल की जाएगी। शिक्षित बेरोजगार और प्रशिक्षित युवाओं को उनकी प्रतिभा और क्षमता के अनुसार रोजगार का अवसर देने का प्रयास किया जाएगा।

अलर्ट : 6 माह में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ने कराया 10-19% तक नुकसान

ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव दिखा ● सेंसेक्स और निफ्टी अपने पीक से 10% से ज्यादा कमजोर
बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर ● मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ

बिजनेस डेस्क

इस बार स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर पड़ा है। 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ऐसे हैं, जिनमें 10 से 19% तक की गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर में पीक बनाने के बाद से अब तक ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव देखने को मिला है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स अपने पीक से 10 फीसदी से ज्यादा कमजोर हुए हैं। इस साल अभी बाजार में गिरावट जारी है। हालांकि बिकवाली का सबसे ज्यादा असर स्मॉलकैप सेग्मेंट में देखने को मिल रहा है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स बीते 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर हुआ है। इस साल भी इंडेक्स में करीब 11 फीसदी ही गिरावट है। फिलहाल स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली का असर स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड में एसआईपी रिटर्न भी दिख रहा है।

इक्विटी मार्केट की बात करें तो बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स इस साल अबतक करीब 11 फीसदी कमजोर हुआ है। वहीं, 6 महीने में भी इसमें इतनी ही गिरावट रही है। जो अन्य प्रमुख इंडेक्स के मुकाबले सबसे ज्यादा है। इस साल अबतक सेंसेक्स में 1.65 फीसदी और निफ्टी में 1.50 फीसदी गिरावट रही है। मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ है तो बीएसई 500 इंडेक्स में 4.5 फीसदी गिरावट रही है। बैंक निफ्टी इस दौरान 3.17 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स करीब 3 फीसदी कमजोर हुआ है।

स्मॉलकैप फंड : बिगड़ा रिटर्न

स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर हुआ है। बीते 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड हैं, जिनमें 10 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। इनमें 10 से 19 फीसदी निगेटिव रिटर्न दिख रहा है।

इन फंडों में गिवट का दौर

फंड	गिरावट
मिराए एसेट निफ्टी स्मॉलकैप 250 मोमेंटम क्वालिटी 100 ईटीएफः	-19.73%
क्वांट स्मॉल कैप फंडः	-14.02%
एबीएसएल स्मॉल कैप फंडः	-13.65%
बड़ौदा बीएनपी परिबास स्मॉल कैप फंडः	-13.30%
फ्रैंकलिन इंडिया छोटी कंपनी फंडः	-13.06%
डीएसपी निफ्टी स्मॉलकैप250 क्वालिटी 50 इंडेक्सः	-12.94%
महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंडः	-12.89%
निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	-12.73%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफः	-12.63%
आईसीआईसीआई प्रू निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.59%
एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.57%
एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.56%
निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.51%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.51%
एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफः	-12.46%
एडलवाइस निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.46%
एचएसबीसी स्मॉल कैप फंडः	-11.52%
एसबीआई स्मॉल कैप फंडः	-11.42%
कोटक निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.02%
एबीएसएल निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.02%
एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.01%
केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंडः	-10.86%
आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंडः	-10.55%
बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंडः	-10.15%
कोटक स्मॉल कैप फंडः	-10%
यूनियन स्मॉल कैप फंडः	-10%

स्मॉलकैप में अस्थिरता वजह

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्मॉलकैप सेग्मेंट में पिछले साल लगातार भारी इनफ्लो देखने को मिला था। वहीं, बाजार की जो रैली सितंबर तक चली है, उसमें स्मॉलकैप शेयरों में बहुत ज्यादा तेजी आई। स्मॉलकैप इंडेक्स में अन्य इंडेक्स के मुकाबले बहुत ज्यादा मजबूती देखने को मिली। वहीं, अब बाजार वोलेटाइल है तो ऐसे में स्मॉलकैप सेग्मेंट में सबसे ज्यादा अस्थिरता देखने को मिल रही है। ऐसा आमतौर पर होता भी है कि बाजार के गिरावट के दौर में स्मॉलकैप में ज्यादा अस्थिरता दिखती है। हालांकि यह दौर ज्यादा नहीं चलता। बजट के बाद फिर इन फंडों में रैली देखने को मिल सकती है।

स्मॉल कैप फंड : कौन करें निवेश

फाइनेंशियल एडवाइजर हमेशा सलाह देते हैं कि जो इन्वेस्टर्स हाईरिटर्न के लिए हाई रिस्क लेने को तैयार हैं, वे स्मॉल कैप फंडों में निवेश कर सकते हैं। कहने का मतलब है कि जो निवेशक बाजार का ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे स्मॉल कैप कैटेगरी में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्मॉलकैप फंडों में उनके निवेश का लक्ष्य कम से कम 5 साल का होना चाहिए। लंबी अवधि में किए गए निवेश से शॉर्ट टर्म की वोलेटिलिटी का रिस्क कम हो जाता है। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड प्रमुख रूप से 5,000 करोड़ रुपये से कम मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। यह इक्विटी म्यूचुअल फंड की एक सब-कैटेगरी है और इनका प्रदर्शन बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है। स्मॉल कैप कंपनियों में बाजार में गिरावट के दौरान अधिक अस्थिरता यानी वोलैटिलिटी दिखती है। हालांकि बेस्ट स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि में हाई रिटर्न देने की क्षमता होती है।

5 साल में कैसा रहा एसआईपी रिटर्न

बीते 5 साल में स्मॉलकैप फंडों का एसआईपी रिटर्न देखें तो यह हाई रहा है। 15 से ज्यादा फंड में सालाना 25 फीसदी या इससे ज्यादा रिटर्न मिला है, जिनमें कुछ के नाम इस प्रकार हैं।

पांच साल में इन्होंने दिया बढ़िया रिटर्न

फंड का नाम	रिटर्न
क्वांट स्मॉल कैप फंडः	35%
निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	30.64%
इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंडः	29%
टाटा स्मॉल कैप फंडः	28%
एचएसबीसी स्मॉल कैप फंडः	28%
एडलवाइस स्मॉल कैप फंडः	27.76%
फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	27.61%
एलआईसी एमएफ स्मॉल कैप फंडः	27.58%
बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंडः	27%
एचडीएफसी स्मॉल कैप फंडः	26.76%
केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंडः	25.67%
आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंडः	25.35%

(डिस्क्लेमरः किसी भी इक्विटी फंड में पुराना रिटर्न आगे भी जारी रहेगा या नहीं, इसकी गारंटी नहीं है। यह भविष्य में कायम भी रह सकता है और नहीं भी। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश करने के पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।)

फ्यूचर प्लानिंग

हर माह करने होंगे 15,000 रुपये निवेश, बरसेगा धन

बिजनेस डेस्क

अमीर बनना और बड़ा फंड बनाना हर किसी का सपना होता है। इसके लिए हर कोई अपने-अपने तरीके से जतन भी करता है। कोई बाजार में निवेश करता है तो कोई, जमीन, गहने, ईटीएफ, म्युचुअल फंड, एफडी-आरडी में निवेश अपना भविष्य सुरक्षित करने की जुगत लगाता है। इसलिए हर कोई अलग-अलग तरीके अपनाता है। हालांकि एक निवेश ऐसा भी जहां शुरूआत में आपको हर महीने 15,000 रुपये निवेश करने होंगे और बुढ़ापे में आपको चिंता की कोई जरूरत नहीं होगी और आप आसानी से अपने लिए बढ़िया फंड तैयार कर लेंगे। हालांकि बड़ा फंड बनाने के लिए काफी निवेशक अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। फ्यूचर फाइनेंशियल प्लानिंग कई बार गड़बड़ भी हो जाती है। कई प्लान ऐसे हैं, जिनमें आप निवेश कर जिंदगीभर मोटी कमाई कर सकते हैं। आप हर महीने कुछ रकम निवेश कर जिंदगीभर एक लाख रुपये या उससे ज्यादा घर बैठे कमा सकते हैं।

हर कोई कर रहा निवेश

आज के समय काफी लोग अपनी कमाई का कुछ हिस्सा अलग-अलग जगह पर निवेश कर रहे हैं। कोई एफडी में निवेश कर रहा है तो कोई शेयर मार्केट या दूसरी जगह अपना पैसा लगा रहा है। कुछ प्लान और स्कीम ऐसी हैं जिनमें निवेश करके मोटी कमाई की जा सकती है। हालांकि मोटा रिटर्न हमेशा से रिस्क भरा होता है, लेकिन काफी निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क भी लेना पसंद करते हैं।

कितना कमा सकते हैं

आप हर महीने जिंदगी भर एक लाख रुपये घर बैठे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ वर्षों तक हर महीने 15 हजार रुपये निवेश करने होंगे। इसके बाद आपको एक लाख रुपये हर महीने आपको कई वर्षों तक मिलते रहेंगे। फिर भी कई करोड़ रुपये आपके पास बचे होंगे। यह रकम इतनी हो जाएगी कि आपकी सात पुश्तें भी घर बैठकर कमाई कर सकेंगी। यह कमाई कैसे होगी, इसके बारे में इस रिपोर्ट में बताया गया है।

राशिफल

मेष — वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष — आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

बाजार के उतार-चढ़ाव में हाईब्रिड फंड हो सकते हैं निवेश के लिए अच्छा सौदा

सुझाव

बिजनेस डेस्क

■ इनमें टैक्स में बचत और नुकसान का कम होता है खतरा
■ अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं
■ इससे निवेशकों के लिए नुकसान का खतरा कम हो जाता है

शेयर बाजार में हाल के दिनों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे निवेशकों की चिंता भी लगातार बढ़ती है और निवेश के लिए एक अच्छा और सुरक्षित विकल्प चुनना भारी हो जाता है। ऐसे में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। इससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जो लोग शेयरों में निवेश करना चाहते हैं साथ ही टैक्स भी बचाना चाहते हैं, लेकिन वैल्यूएशन और उतार-चढ़ाव के कारण उनके कदम डगमगा रहे हैं। ऐसे निवेशकों के लिए हाइब्रिड फंड्स निवेश के लिए अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। जिससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जानकारों का कहला है कि मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप के शेयरों के दाम अभी ठीक-ठाक हैं। इसलिए निवेश इनकी ओर रुख कर सकते हैं। ऐसा करना कोई नुकसान का सौदा नहीं है। हालांकि रिटर्न कुछ कम हो सकता है, लेकिन लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे और टैक्स भी बचा लेंगे।

क्या कहते हैं आंकड़े

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में निफ्टी 50 (जिसमें बड़ी कंपनियों के शेयर हैं) का पीई 23 है। पिछले पांच साल के औसत 24.4 से थोड़ा कम है। लेकिन बीएसई मिडकैप का पीई 43.1 और बीएसई स्मॉलकैप 250 का पीई 43.2 है। ये पिछले पांच साल के औसत पीई (33.8 और 27.4) से काफी ज्यादा है। इससे पता चलता है कि लार्जकैप की तुलना में स्मॉल और मिडकैप महंगे हैं।

इनमें 25% से 65% तक इक्विटी होते हैं। बैलेंस्ड अडवांटेज फंड्स में औसतन 50% से 60% इक्विटी होते हैं, जबकि अग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में 65% से 75% तक।

कैसे होता है अलोकेशन

जानकारों का कहना है कि हाइब्रिड फंड्स में ज्यादातर बड़ी कंपनियों (लार्जकैप) के शेयर होते हैं, जिनके वैल्यू अभी फेयर हैं। वेल्थ मैनेजर्स बताते हैं कि ज्यादातर हाइब्रिड फंड्स में मीडियम और छोटी कंपनियों के शेयर बहुत कम होते हैं। हाइब्रिड फंड्स में इक्विटिज का हिस्सा 20% से 70% तक होता है, ये फंड के कैटिगरी पे निर्भर करता है। इक्विटी सेविंग्स फंड्स में सबसे कम 10% से 35% तक शेयर होते हैं। उसके बाद मल्टी असेट फंड्स आते हैं।

ऐसे में क्या करें निवेशक

जो लोग फिक्स्ड डिपॉजिट से शेयरों में आना चाहते हैं और ज्यादा जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं, वो अपने रिस्क के हिसाब से अलग-अलग तरह के हाइब्रिड फंड्स में निवेश कर सकते हैं। आप इक्विटी सेविंग्स, बैलेंस्ड अडवांटेज, मल्टी असेट और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में बराबर-बराबर पैसा लगा सकते हैं। इसमें नुकसान होने की संभावना बेहद कम होती है। ऐसे में यह निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प हो सकते हैं।

लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे, टैक्स बचेगा मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप शेयर अभी फिट हैं

क्यों जरूरी हाइब्रिड स्ट्रेटेजी

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। वेल्थ मैनेजर्स कहते हैं कि हाइब्रिड फंड्स टैक्स में बचत कराते हैं। अगर कोई खुद शेयर, डेट व सोने में निवेश करके अपना पोर्टफोलियो बनाता है, तो उसे शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स या फिर अपनी स्लैब के हिसाब से ज्यादा टैक्स देना पड़ सकता है, जिससे इनकम कम होती है। लेकिन हाइब्रिड फंड्स में निवेश करने से टैक्स में बचत होती है। इसकी वजह ये है कि इनमें से ज्यादातर कैटेगरीज को टैक्स के लिए इक्विटी फंड्स की तरह माना जाता है।

हाइब्रिड फंड क्या हैं

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक निवेश फंड है जो अपनी परिसंपत्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में फैलाता है। आम तौर पर, ये फंड स्टॉक और बॉन्ड में निवेश करते हैं, लेकिन अपने पोर्टफोलियो में सोना, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा आदि जैसी अन्य परिसंपत्तियां भी शामिल कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड द्वारा प्रदान किया गया विविधीकरण बाजार के जोखिमों को नियंत्रित करने और एकल परिसंपत्ति वर्ग पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अपेक्षाकृत स्थिर लाभ प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

टर्म इंश्योरेंस, सही प्लान व कवरेज के लिए इन बातों का रखना ध्यान

परिवार के आर्थिक भविष्य और उसकी सुरक्षा की फिक्र हर किसी को रहती है। लोग लाइफ इंश्योरेंस इसी फिक्र को दूर करने के लिए लेते हैं, लेकिन लाइफ इंश्योरेंस के एंडोमेंट प्लान के जरिये पर्याप्त कवरेज लेने पर काफी महंगा प्रीमियम भरना पड़ता है। ऐसे में कई लोग प्रीमियम भरने की क्षमता को देखकर कवरेज लेते हैं, जो काफी नहीं होता, जबकि कवरेज पर्याप्त न हो तो लाइफ इंश्योरेंस लेने का उद्देश्य ही पूरा नहीं होता। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के जरिये कम खर्च में भी जरूरत के मुताबिक कवरेज लिया जा सकता है। यह जीवन बीमा कवरेज का सबसे आसान और किफायती तरीका है। टर्म लाइफ इंश्योरेंस लेने के लिए सबसे पहले तो इस प्लान का सही मतलब समझना जरूरी है। दरअसल, टर्म इंश्योरेंस एक ऐसा जीवन बीमा प्लान है, जो निश्चित अवधि (टर्म) तक सुरक्षा प्रदान करता है।

न्यायालय श्रीमान प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी के अतिरिक्त न्यायाधीश, तखतपुर (छ.ग.)

कोमल प्रसाद बर्मन....वादी
विरुद्ध
रामकुमार कौशिक वगैरह...प्रतिवादीगण
व्यवहार वाद क्रमांक 04/2025
पेशी दिनांक 21/02/25
प्रोसेस क्रं. 103/25

ईश्तहार/ नोटिस/ समंस

वादी के द्वारा प्रतिवादी क्रमांक 1 रामकुमार कौशिक वल्द कमोद सिंह, निवासी कुर्मीपारा, देवतरा, तह तखतपुर व जि-बिलासपुर (छ.ग.), मो.नं. 9926141013 आप के एवं अन्य प्रतिवादीगण के विरूद्ध इस न्यायालय में व्यवहार वाद वास्ते घोषणा, स्थायी निषेधाज्ञा का प्रस्तुत किया गया है जिसका व्यवहार वाद क्रमांक 04/2025 है, जिसमें आप प्रतिवादी क्रमांक 1 की उपस्थिति हेतु दिनांक 21/02/25 को उपरोक्त प्रकरण नियत है।

आप क्रमांक 1 को इस समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आप नियत पेशी दिनांक 21/02/25 को न्यायालयीन समय 11.00 बजे न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष रखने हेतुं मय दस्तावेज उपस्थित हो।

आप क्रमांक 1 की अनुपस्थिति में आप के पक्ष समर्थन का अवसर समाप्त करते हुए आप क्रमांक 1 के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

यदि किसी कारणवश उक्त पेशी दिनांक को न्यायालय में अवकाश घोषित हो या पीठासीन अधिकारी अवकास पर हो तो अगले कार्य दिवस में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 06/02/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मोहर लगाकर जारी किया गया।

(कु. श्वेता बघेल)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश तखतपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

शब्द पहेली - 5773

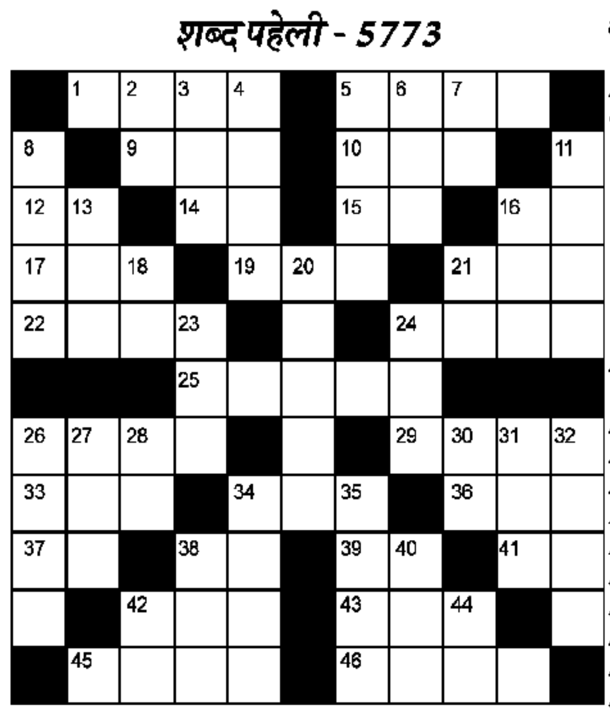

बाएँ से दाए
1. सरदार,अगुआ-4
5. जनमत,एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता,परवाह-3
12. पैंदा,तल्ला-2
14. ताल,सुर,आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला,दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल,करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट,पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36. चौकसी,रखवाली-3
37. हलक,कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर,मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा,गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी,अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा,बैर-2
8. आदत,व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग,हिलोर-3
16. तृष्णा,लोभ-3
18. अमेरिका स्थित बेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर,पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या,डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली,आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन,प्रेमपात्र-3
42. पहरा,चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली- 5772 का हल

सूडोकु नवताल - 5783

★☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5782 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

रोहित की फॉर्म और कोहली की फिटनेस पर निगाह, इंग्लैंड से दूसरा वनडे आज

एजेंसी ▶▶| कटक

भारत और इंग्लैंड के बीच रविवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पिछले लंबे समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की फॉर्म और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की फिटनेस पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। भारत ने नागपुर में खेले गए पहले वनडे में चार विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की है और उसका लक्ष्य अपना विजय अभियान जारी रखकर श्रृंखला जीतना होगा।

- तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है भारतीय टीम

मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर दोपहर 1.30 बजे

कोहली फिट : कोटक

भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने पुष्टि की कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने दाहिने घुटने के दर्द से उबर चुके हैं। कोटक ने दूसरे मैच की पूर्व संध्या पर यहां पत्रकारों से कहा, 'विराट कोहली खेलने के लिए फिट हैं। वह अभ्यास के लिए आए हैं और खेलने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और पिछले मैच के अर्धशतक लगाने वाले श्रेयस अय्यर में से किसे अंतिम एकादश से बाहर किया जाएगा। कोटक ने कहा, 'यह कप्तान (रोहित शर्मा) और कोच (गौतम गंभीर) का फैसला है। मैं इसका जवाब नहीं दे सकता।'

रन बनाने के लिए जूझ रह कप्तान

कोहली की तरह कप्तान रोहित भी रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वह पहले वनडे में केवल दो रन बना पाए थे। मुंबई के इस बल्लेबाज ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में 64 रन बनाने के बाद किसी भी प्रारूप में अर्धशतक नहीं लगाया है। अगर रोहित दूसरे वनडे में भी रन नहीं बना पाते हैं तो उनकी फॉर्म और भविष्य को लेकर आशंकाएं पैदा हो जाएंगी।

अय्यर का दावा मजबूत

पिछले मैच में कोहली की जगह श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने 36 गेंद पर 59 रन बनाकर टीम में अपनी जगह सुरक्षित कर ली थी। अगर पहले की बात होती तो कोहली को अय्यर की जगह टीम में शामिल किया जाता लेकिन अब पूरी संभावना है कि उन्हें पहले मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जगह टीम में लिया जाएगा। ऐसे में रोहित के साथ गिल पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

गेंदबाजी आक्रमण अच्छा

भारत का गेंदबाजी आक्रमण अच्छा नजर आ रहा है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने वापसी के बाद अच्छा प्रदर्शन किया है और चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए यह भारत के लिए अच्छा संकेत है। पिछले मैच में पदार्पण करने वाले हर्षित राणा को इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने कड़ा सबक सिखाया था और वह काफी महंगे साबित हुए थे लेकिन उन्होंने बेन डकेट और हैरी ब्रुक के कीमती विकेट लेकर अच्छी वापसी की थी। अगर जसप्रीत बुमराह पूरी तरह से फिट नहीं हो पाते हैं तो फिर राणा के पास चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह बनाने का मौका होगा।

सुंदर, वरुण, अक्षर पहुंचे जगन्नाथ मंदिर

इंग्लैंड के खिलाफ कटक के बाराबती स्टेडियम में रविवार को होने वाले दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के तीन खिलाड़ियों ने शनिवार को पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर का दौरा किया और भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया। इन तीनों खिलाड़ियों वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह-सुबह जगन्नाथ मंदिर के दर्शन किए। पुलिस ने कहा कि खिलाड़ियों ने सुरक्षाकर्मियों की निगरानी में दर्शन किए।

खबर संक्षेप

शुभंकर और अहलावत कतर में कट से चूके

दोहा। भारतीय खिलाड़ी शुभंकर शर्मा ने दूसरे दौर में अच्छा खेल दिखाकर तीन अंडर 69 का कार्ड खेला लेकिन पहले दौर के लचर प्रदर्शन के कारण वह यहां कतर मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में एक शॉट से कट से चूक गए। यह 2025 में डीपी वर्ल्ड टूर पर लगातार तीसरा अवसर है जबकि शुभंकर कट में जगह नहीं बना पाए। उन्होंने पहले दौर में 75 का कार्ड खेला था और इस तरह से उनका कुल स्कोर इवन पार रहा जबकि कट एक अंडर पर गया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी वीर अहलावत भी कट से चूक गए। उन्होंने पहले दौर में 80 और दूसरे दौर में 76 का कार्ड खेला।

अदिति ने फाउंडर्स कप में कट हासिल किया

ब्राडेंटन। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक एलपीजीए टूर पर सत्र के शुरुआती टूर्नामेंट फाउंडर्स कप के दूसरे दौर में एक अंडर 70 का कार्ड खेलकर स्टार खिलाड़ियों के साथ कट में जगह बनाने में सफल रहीं।

उन्होंने पहले दौर में एक ओवर 72 का कार्ड खेला था जिससे वह लिडिया को, मिंजी ली और सोफिया पोपोव जैसी गोल्फरों के साथ संयुक्त रूप से 50वें स्थान पर हैं। अदिति ने दूसरे, 10वें और 13वें होल में बर्डी लगाई जबकि 12वें और 15वें होल में शॉट ड्रॉप कर बैठीं।

अब हमारे पास मॉडल और नुस्खाः डिविलियर्स

जोहानिसबर्ग। एसए 20 की सफलता से अभिभूत इसके ब्रांड दूत एबी डिविलियर्स ने यहां महिला टी20 लीग शुरू करने की पैरवी करते हुए कहा कि अब दक्षिण अफ्रीका के पास मॉडल और नुस्खा दोनों हैं।

एमआई केपटाउन और दो बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बीच एसए 20 के तीसरे सत्र के फाइनल से पहले डिविलियर्स ने कहा, 'मैने दुनिया भर में काफी सफल महिला क्रिकेट लीग देखी हैं और पिछले साल ही बेहद सफल महिला टी20 विश्व कप भी हुआ है। महिला क्रिकेट तेजी से विकसित हो रहा है और दक्षिण अफ्रीका में भी महिला टी20 लीग का आयोजन हो सकता है।'

भारत को हराना वास्तविक चुनौती

लाहौर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने नए सिरे से तैयार किए गए गद्दाफी स्टेडियम के उद्घाटन समारोह के दौरान शुक्रवार की रात को कहा कि भारत के खिलाफ उनके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। शरीफ ने कहा, 'हमारी टीम बहुत अच्छी है और उसने हाल के दिनों में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनके सामने अब वास्तविक चुनौती चैंपियंस ट्रॉफी जीतना ही नहीं बल्कि दुबई में होने वाले मैच में हमारे चिर प्रतिद्वंद्वी भारत को हराना होगा।'

रणजी ट्रॉफी : टीम इंडिया के दरवाजे पर फिर दी दस्तक

नायर ने ठोका 22वां प्रथम श्रेणी शतक चीफ सेलेक्टर को दिया मुंहतोड़ जवाब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे करुण नायर रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में उनका ड्रीम रन अभी भी जारी है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने शनिवार को रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में विदर्भ के लिए शतक ठोका है। उन्होंने ये काम तमिलनाडु के खिलाफ किया है। विदर्भ स्टंप तक छह विकेट पर 264 रन बनाने में सफल रहा। नायर शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने अपना 22वां प्रथम श्रेणी शतक जड़ा। इससे पहले उन्होंने पिछले दौर में हैदराबाद के खिलाफ शतक जड़ा था।

सत्र में नायर का ये रणजी ट्रॉफी में कुल तीसरा शतक है। रणजी ट्रॉफी में उनका ये लगातार दूसरा शतक है। इससे पहले हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने शतक जमाया था और 105 रन बनाए थे। इस साल विजय हजारे ट्रॉफी में भी उनका बल्ला जमकर चला था। इस वनडे फॉर्मेट के टूर्नामेंट में नायर ने कुल पांच शतक जमाए थे। विजय हजारे ट्रॉफी में दमदार खेल दिखाने के बाद नायर के टीम इंडिया में वापसी की अटकलें थीं। माना जा रहा था कि सेलेक्टर्स उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में जगह दे सकते हैं, लेकिन ऐसा हुआ नहीं था। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि हर किसी को टीम में फिट नहीं कर सकते क्योंकि 15 खिलाड़ी ही चुनने होते हैं।

शतक बनाकर नाबाद लौटे

नायर का साथ दानिश मालेवर ने दिया और 98 रनों की साझेदारी की। दानिश 119 गेंदों पर 13 चौकों की मदद से 75 रन बनाकर आउट हो गए। नायर दिन का खेल खत्म होने तक टिके रहे। वह 100 रन बनाकर नाबाद लौटे। अपनी पारी में इस बल्लेबाज ने 180 गेंदों का सामना कर 14 चौके और एक छक्का मारा।

मुंबई ने की वापसी

कोलकाता। शम्स मुलानी और तनुश कोटियान की आठवें विकेट के लिए 165 रन की साझेदारी के बूते गत चैंपियन मुंबई ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के शुरुआती दिन शनिवार को यहां हरियाणा के खिलाफ आठ विकेट पर 278 रन बनाकर अच्छी वापसी की। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद 25 रन तक चार जबकि 113 रन तक सात विकेट गंवा दिए थे लेकिन मुलानी ने 178 गेंद में 91 जबकि कोटियान ने 154 गेंद में नाबाद 85 रन की पारी खेलकर मौजूदा सत्र में एक बार फिर से टीम को संकट से बाहर निकाला। स्टंप्स के समय कोटियान के साथ मोहित अवस्थी क्रीज पर मौजूद थे।

तेज गेंदबाज निधीश के पांच विकेट

पुणे। मध्यम गति के गेंदबाज एमडी निधीश के पांच विकेट झटकने से केरल की टीम ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मैच के पहले दिन शनिवार को यहां स्टंप तक जम्मू-कश्मीर का स्कोर आठ विकेट पर 228 रन कर दिया। निधीश ने शुरू से ही जम्मू-कश्मीर के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर दी और केरल का टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला करने के बाद नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज शुभम खजूरिया, यावर हसन, विवरांत शर्मा, विकेटकीपर कन्हैया वाधवान और लोन नासिर मुजफ्फर के विकेट लिए। उन्हें बासिल थम्पी, बाएं हाथ के स्पिनर आदित्य सरवटे और नेदुमनकुझी बासिल का अच्छा साथ मिला जिन्होंने एक-एक विकेट लिया।

राष्ट्रीय खेल

अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| देहरादून

ओडिशा के उभरते हुए धावक अनिमेष कुजूर ने शनिवार को यहां राष्ट्रीय खेलों में एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के शुरुआती दिन अनुभवी धावकों की मौजूदगी में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में खेलों के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

कुजूर ने 10.28 सेकंड का समय लेकर असम के अमलान बोरगोहेन के इन खेलों के रिकॉर्ड की बराबरी की। बोरगोहेन ने 2022 में गुजरात में इस समय के साथ स्वर्ण पदक जीता था। शनिवार को 10 स्वर्ण पदक दांव पर थे। इसमें महाराष्ट्र और सेना ने दो-दो, जबकि ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और तमिलनाडु ने एक-एक पीला तमगा हासिल किया। इक्कीस साल के कुजूर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 10.27 सेकंड है। कुजूर 2024 में फेडरेशन कप और राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप दोनों में 100 मीटर के रजत पदक विजेता हैं। महाराष्ट्र के प्रणव गुरव 10.32 सेकेंड के समय के साथ रजत विजेता रहे, जबकि बोरगोहेन 10.43 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

सुदेशना शीर्ष पर

महाराष्ट्र की सुदेशना शिवंकर ने 11.76 सेकंड के समय के साथ महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता, जबकि तेलंगाना की निथ्या गंधे (11.79) और तमिलनाडु की गिरिधरानी रविकुमार (11.88) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

सावन, संजीवनी चैंपियन

हिमाचल प्रदेश के सावन बरवाल ने पुरुषों की 10,000 मीटर फ़ाइनल में 28:49.93 मिनट के खेल रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं की 10,000 मीटर फ़ाइनल में महाराष्ट्र की अनुभवी संजीवनी जाधव ने 33:33.47 मिनट के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं की 1500 मीटर फ़ाइनल में दिल्ली की 2022 सत्र की चैंपियन केएम चंदा ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक मध्य प्रदेश की केएम दीक्षा को हराकर स्वर्ण पदक जीता। चंदा ने 4: 17.74 सेकंड का समय निकाला, जबकि दीक्षा 4:21.92 सेकंड से काफी पीछे रहीं।

लेब्रॉन जेम्स एनबीए में 40 अंक स्कोर करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| लॉस एंजिलिस

बास्केटबॉल के महानायक 40 वर्षीय लेब्रॉन जेम्स ने एक और इतिहास रच दिया। वह एनबीए के इतिहास में 40 अंक स्कोर करने वाले सबसे उम्रदराज बास्केटबॉल खिलाड़ी बन गए। उन्होंने लॉस एंजिलिस लेकर्स के लिए कुल 42 अंक स्कोर करते हुए गोल्डन स्टेट वॉरियर्स पर अपनी टीम को 120-112 से जीत दिलाई।

किंग जेम्स के नाम से मशहूर लेब्रॉन ने अपने अपने आदर्श और बास्केटबॉल की दुनिया के सबसे बड़े नामों में शुमार माइकल जार्डन को पीछे छोड़ा। जॉर्डन ने अपने 40वें जन्म दिन के तीन दिन बाद

वाशिंगटन विजार्ड के लिए 2003 में 40 अंक स्कोर किए थे। जेम्स ने यह उपलब्धि 40 वर्ष और 38 दिन में हासिल की। जेम्स एनबीए इतिहास के सर्वाधिक स्कोरर हैं और रिकॉर्ड 22वें सत्र में खेल रहे हैं। जेम्स ने कहा, इस यात्रा के दौरान जब भी उनका नाम महान खिलाड़ियों के रिकॉर्ड पीछे छोड़ने में जुड़ा, जो उनके लिए शानदार अनुभव रहा।

सुनील और दिनेश लॉन बॉल स्पर्धा में चमके

देहरादून। राष्ट्रमंडल खेलों (2024) के रजत विजेता पुरुष टीम के सदस्यों सुनील बहादुर और दिनेश कुमार ने राष्ट्रीय खेलों में अपनी अपनी स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक के साथ शनिवार को यहां लॉन बॉल प्रतियोगिता के अंतिम दिन झारखंड का दबदबा कायम जारी रखा। झारखंड ने दो स्वर्ण और इतने ही कांस्य पदक भी जीते। सुनील ने फाइनल में चंदन कुमार को 21-17 से हराकर पुरुष एकल का स्वर्ण पदक जीता। पुरुष वर्ग के फोर फाइनल में दिनेश, आलोक लाकड़ा, मोहम्मद वसीम और अभिषेक लाकड़ा की झारखंड टीम ने पश्चिम बंगाल को 17-10 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। असम और मणिपुर ने एक-एक कांस्य पदक जीता। यह सुनील और दिनेश दोनों के लिए इन खेलों का दूसरा स्वर्ण था।

ऑस्ट्रेलिया 2-0 से श्रृंखला जीतने के करीब

एजेंसी ▶▶| गॉल

ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन शानदार प्रदर्शन से स्टंप तक श्रीलंका के दूसरी पारी में 211 रन तक आठ विकेट झटक लिए जिससे मेजबान टीम ने महज 54 रन की मामूली बढ़त हासिल की। मेहमान चौथे दिन सुबह श्रीलंका की दूसरी पारी को जल्दी समेटकर श्रृंखला 2-0 से जीतने के लिए लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश करेगी। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 414 रन बनाए थे।

- ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए थे 414 रन
- चांदीमल को आउट कर लियोन ने पूरे किए 550 विकेट

श्रीलंका ने एक समय 81 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे जिससे ऐसा लग रहा था कि उसे तीन दिन में एक और पारी की करारी हार का सामना करना होगा। पर एंजेलो मैथ्यूज 76 रन बनाकर श्रृंखला में अपना पहला अर्धशतक जड़ा जिससे उम्मीद जगी। बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन ने सबसे ज्यादा परेशान किया, उन्होंने चार विकेट लिए, जिससे मैच में

उनके कुल सात विकेट हो गए। उन्हें लियोन का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने तीन विकेट लिए। 37 वर्षीय लियोन ने लंच के बाद दिनेश चांदीमल को आउट करते हुए 550 टेस्ट विकेट तक पहुंचकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी हासिल की। वह शेन वार्न (708) और ग्लेन मैकग्रा (563) के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बने।

लॉकी फर्ग्यूसन का चैंपियंस ट्रॉफी में खेलना मुश्किल

दुबई। न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन का हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में खेलना संदिग्ध है। इसमें टीम को इस वनडे टूर्नामेंट में पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है।

संयुक्त अरब अमीरात में अंतरराष्ट्रीय लीग टी20 मैच के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग की चोट लग गई। न्यूजीलैंड 19 फरवरी को कराची के नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला ग्रुप ए मैच खेलेगा। कोच गैरी स्टीड ने पुष्टि की कि इस प्रमुख गेंदबाज ने चोट की गंभीरता को जानने के लिए स्कैन करवाया है।

जूनियर खिलाड़ियों को नहीं मिलेंगे नकद पुरस्कार

ई-स्पोर्ट्स, ब्रेक-डांसिंग बने पुरस्कार के पात्र

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

खेल मंत्रालय ने मल्लखंब, ई-स्पोर्ट्स और यहां तक कि आलोचकों के निशाने पर रहे ब्रेक-डांसिंग के विश्व और महाद्वीपीय चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार प्राप्त करने का पात्र बना दिया है, लेकिन जूनियर और सब-जूनियर खिलाड़ियों के लिए इस तरह के पुरस्कारों को समाप्त करने का फैसला किया है।

मंत्रालय ने 51 खेलों की एक सूची जारी की है जो नकद पुरस्कार के लिए पात्र होंगे, जिनमें वे सभी खेल शामिल हैं जो ओलंपिक खेलों, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व विश्वविद्यालय खेलों के कार्यक्रम का हिस्सा हैं। इस सूची में खो-खो भी शामिल है, जिसका पहला विश्व कप पिछले महीने दिल्ली में हुआ था। कुराश और जू-जित्सु भी इस सूची का हिस्सा हैं।

नई नीति लागू

मंत्रालय ने अपने परिपत्र में कहा कि नीति में संशोधन 'अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं और उनके कोचों को नकद प्रोत्साहन के वितरण को सरल बनाने के लिए' किया गया है। नई नीति एक फरवरी से लागू हो गई है।

पैरा खिलाड़ियों के लिए बढ़ाई राशि

मंत्रालय ने पैरा खिलाड़ियों के लिए पुरस्कार बरकरार रखे हैं जबकि बधिर, दृष्टिबाधित और बौद्धिक रूप से कमजोर खिलाड़ियों की प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि बढ़ाने का फैसला किया है। इन खिलाड़ियों को विश्व स्तर की प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतने पर पहले अधिकतम 10 लाख रुपए मिलते थे लेकिन अब उन्हें 20 लाख रुपए तक मिल सकते हैं।

आयु वर्ग के खिलाड़ी निराश

मंत्रालय ने हालांकि आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए पुरस्कार राशि देने की प्रणाली को खत्म करने का फैसला किया है। मंत्रालय ने इस बारे में कोई स्पष्टीकरण भी नहीं दिया है। जूनियर खिलाड़ियों के लिए अपने प्रारंभिक वर्षों के पोषण, कोचिंग और उपकरण की जरूरतों को पूरा करने के लिए यह पुरस्कार काफी मायने रखते थे। एक जूनियर खिलाड़ी पहले चार साल में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने के लिए 13 लाख रुपये से कुछ अधिक का हकदार था, जो कि सीनियर स्तर पर इसी तरह की उपलब्धि के लिए निर्धारित पुरस्कार राशि का एक तिहाई था। एक सब-जूनियर खिलाड़ी चार साल में होने वाली विश्व प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर लगभग 6.66 लाख रुपये की पुरस्कार राशि हासिल कर सकता था।

मुकुंद, रामकुमार और करण को वाइल्ड कार्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट दिल्ली ओपन के आयोजक ने शनिवार को पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में तीन डेविस कप खिलाड़ियों शशिकुमार मुकुंद, रामकुमार रामनाथन और युवा करण सिंह के लिए वाइल्ड कार्ड प्रविष्टियों की घोषणा की।

डेविस कप ट्रेनिंग शिविर का हिस्सा रहे युवा चिराग दुहान और आर्यन शाह को आदित्य गोविला और सिद्धार्थ रावत के साथ क्वालीफाइंग स्पर्धा के लिए वाइल्ड कार्ड दिया गया है। विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर रह चुके लॉयड हैरिस और 2019 जूनियर विंबलडन चैंपियन शिंटारो मोचीजुकी एटीपी चैलेंजर 75 टूर्नामेंट में शीर्ष आठ वरीय खिलाड़ियों में शामिल होंगे जो 10 से 16 फरवरी तक डीएलटीए

परिसर में होने वाले पांचवें चरण में खेलेंगे। दक्षिण अफ्रीका के हैरिस एकल मुख्य ड्रॉ में चौथे स्थान पर होंगे। जापान के उभरते हुए 21 वर्षीय मोचीजुकी को छठी वरीयता दी गई है। चेक गणराज्य के विट कोप्रिवा शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के रूप में ड्रॉ में शीर्ष पर होंगे और उनका लक्ष्य अपने पांच एटीपी चैलेंजर खिताबों में इजाफा करना है। दूसरे और तीसरे स्थान पर ब्रिटेन के बिली हैरिस और ऑस्ट्रेलिया के ट्रिस्टन स्कूलकेट हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

भाजपा के लिए धड़का...

बताया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दिल्ली की जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के 'शीशमहल' को नेस्तनाबूत कर दिल्ली को 'आप-दा' मुक्त करने का काम किया है। भाजपा की सरकार बनना सुनिश्चित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के दावेदारों को लेकर भी कयासों का दौर शुरू हो गया। इस दौड़ में नयी दिल्ली सीट पर केजरीवाल को 4,089 मतों से हराने वाले प्रवेश वर्मा एक प्रमुख दावेदार बनकर उभरे हैं। भाजपा ने इस चुनाव में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया था और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे को आगे रखा था। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा और इस बारे में फैसला पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व लेगा। जीत के बाद भाजपा मुख्यालय में समर्थकों ने जश्न की शुरुआत कर दी। समर्थकों ने ढोल बजाकर नृत्य किया और पार्टी के झंडे लहराए। भाजपा के चुनाव चिह्न कमल के 'कटआउट' पकड़े हुए समर्थकों ने एक-दूसरे को भगवा रंग भी लगाया। दिल्ली में पांच फरवरी को हुए चुनाव में 1.55 करोड़ पात्र मतदाताओं में से 60.54 प्रतिशत ने मतदान किया था। महज 675 मतों से हारने वाले सिसोदिया ने अपनी हार स्वीकार करते हुए उम्मीद जताई कि भाजपा लोगों के कल्याण के लिए काम करेगी। अन्ना आंदोलन से नेता के रूप में उभरे अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने 2015 में 67 सीट जीतकर सरकार बनाई और 2020 में 62 सीट जीतकर सत्ता में धमाकेदार वापसी की थी। इसके पहले 2013 के अपने पहले चुनाव में आप ने 28 सीट जीती थीं लेकिन वह सत्ता से दूर रह गई थी। बाद में कांग्रेस के आठ विधायकों के समर्थन से केजरीवाल पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे। भाजपा ने 1993 में दिल्ली में सरकार बनाई थी। उस चुनाव में उसे 49 सीट पर जीत मिली थी। इसके बाद 2020 तक हुए सभी चुनावों में उसे हार का सामना करना पड़ा। भाजपा 2015 के चुनाव में सिर्फ तीन सीट पर सिमट गई थी जबकि 2020 के चुनाव में उसकी सीट संख्या बढ़कर आठ हो गई थी।

जनता ने दिया जवाब...

जीत है। साय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली के दिल में मोदी। दिल्ली विस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' को मूलमंत्र मानते हुए सभी वर्गों की चिंता कर रहे हैं। इससे दिल्ली की जनता का विश्वास भाजपा और माननीय प्रधानमंत्री जी पर बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की जनता को अच्छे से पता है कि प्रदेश का विकास भारतीय जनता पार्टी से ही संभव है और इस प्रचंड जीत पर दिल्ली की देवतुल्य जनता का आभार और भाजपा कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई।

कांग्रेस जीरो, लेकिन...

का गठबंधन होता, तो दिल्ली में गठबंधन की सीटें 37 हो जातीं और भाजपा 34 सीटों पर सिमट सकती थी।

अवैध शराब का...

पर कमीशन भी दिया जाता है। इससे शराब की कीमत में खासा अंतर आ जाता है। इसके कारण एमपी से तस्करी ज्यादा मात्रा में हो रही है। झारखंड और ओडिशा में शराब की कीमत छत्तीसगढ़ से कम है, जिसके कारण इन जगहों से भी शराब की तस्करी हो रही है। दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में शराब की कीमतें बेहद कम हैं। वहां से भी शराब छत्तीसगढ़ में लाकर खपाई जाती है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन ने 1 सितंबर 2024 से शराब की कीमतों में बढ़ोतरी की गई थी। इसमें 160 रुपए बढ़ाए गए थे। पौव्वा में 60 रुपए और बीयर में 30 रुपए बढ़ाए गए थे। ब्रांड को लेकर अब भी सप्लाई कम है, इस वजह से बाहर से मंगाई जाने वाली शराब की डिमांड ज्यादा है। सरकार ने सालभर में दूसरी बार शराब के दाम बढ़ाए थे। **5 हजार करोड़ से ज्यादा का कारोबार सरकारी, तस्करी दो सौ करोड़ से ज्यादा**-आबकारी विभाग के मुताबिक प्रदेश में देशी-विदेशी की 662 शराब दुकानें इस समय संचालित हैं। प्रतिवर्ष 5 हजार करोड़ से ज्यादा का कारोबार है। जनवरी 2019 से जनवरी 2021 प्रदेश भर में शराब तस्करी के 6560 मामले सामने आये थे। इसमें 5.71 करोड़.रुपए की शराब जब्त हुई। इसमें से 28 हजार 350 लीटर शराब दूसरे राज्यों से तस्करी कर लाई गई थी। इसकी कुल कीमत एक करोड़ 37 लाख 20 हजार 432 रुपये आंकी गई है। इधर पिछले एक साल में ही ढाई करोड़ से ज्यादा की शराब जब्त की जा चुकी है। इसमें अधिकांश शराब मध्य प्रदेश लाकर खपाई जा रही थी। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों से भी कुछ मात्रा में अवैध शराब लाई जा रही है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र की शराब सीमावर्ती क्षेत्रों से, ओडिशा सीमा से लगे महासमुंद, रायगढ़ जैसे जिलों में ओडिशा की शराब मिलती है। बस्तर के सुकमा जैसे जिलों में तेलंगाना में बनी शराब भी पकड़ी गई थी, जबकि सरगुजा की तरफ झारखंड की शराब पकड़ी गई थी।

पाटन कांग्रेस नेता...

सूचना पर क्राइम ब्रांच की टीम कुम्हारी से ट्रक एमपी 46 एच 0513 का पीछा कर रही थी। इस दौरान ग्राम फुंडा चौक लोहरसी में पुलिस की टीम ट्रक को पकड़ने के लिए पहुंची थी। ट्रक को रोक करने पर उसमें तीन लगो सवार थे।पुलिस ने रोक कर तीनों से पूछताछ करना शुरू कर दिया। इस दौरान अपना नाम ट्रक चालक ओझर नागरवाडी जिला बड़वानी एमपी निवासी आजम अंसारी, क्लीनर संतोष मानकर को कुम्हारी संतोष सोनी नामक व्यक्ति ट्रक को पाटन ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेन्द्र वर्मा के फार्म हाउस तक लेकर जा रहा था। चालक से वाहन में रखे सामान को लेकर जानकारी लेने पर बताया कि 50 पेटी अवैध शराब गोवा भरे होने की जानकारी दी। जिसे एमपी से लेकर यहां ला रहा था। ट्रक को पायलेटिंग कर यहां लाया गया है। इस पुलिस ने कुम्हारी निवासी आकाश अग्रवाल, जंजगिरी कुम्हारी तुलेश साहू, कुम्हारी हेमंत राय, संतोषी नगर टिकरापारा रायपुर कमल किशोर गुप्ता को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने कार सीजी 07 सीडी 0622, बाइक सीजी 04 टीएस 9097 को जब्त किया है। शराब समेत सामानों की कीमत 62 लाओख 4 हजार रुपए आंकी गई है। शराब मिलने के बाद ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेन्द्र वर्मा फरार होना बताया जा रहा है। पुलिस उसे खोजने में जुटी हुई है।**फार्म हाउस में मिली अवैध शराब**-फुंडा के वर्मा फार्म हाउस में एमपी का शराब उतरा था। जानकारी मिलते ही आबकारी विभाग, एसीसीयू,उड़नदस्ता टीम के साथ दबिश देने पहुंचे थे। अवैध शराब को लेकर सात आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। जिस फार्म हाउस में अवैध शराब का जखीरा उतरा था, वह ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र वर्मा का होना बताया गया है। शुक्रवार शनिवार की कार्रवाई है। फार्म हाउस से 500 पेटी शराब जब्त किया।- **अभिषेक झा,** एएसपी ग्रामीण **शराब घोटाले का असर**-कांग्रेस सरकार में जो शराब घोटाला हुआ है, उसका असर आज भी दिख रहा है। पाटन के विधायक और छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल की शराब घोटाले की नीति का यह असर आज भी है। कांग्रेस पार्टी के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र वर्मा के यहां शराब पकड़ाई है। शराब होटल में कांग्रेस की सरकार ने शराब दबा कर रखी है।- **विजय बघेल,** सांसद दुर्ग

विष्णु देव सरकार षडयंत्र से फंसा रही है-पहले पुलिस पहुंची फिर ट्रक पहुंचा फिर दरवाजा खोलकर शराब अनलोड कराया गया। अब विष्णु देव सरकार षडयंत्र कर कांग्रेसियों को फंसाया जा रहा है। इससे स्पष्ट हो रहा है भाजपा पूरी तरह डरी हुई है। ये तो साजिश है पुलिस वाले खुद चुनाव लड़ रहे हैं। - **भूपेश बघेल,** पूर्व सीएम

ऐसे समझिए... दिल्ली...

बढ़ोतरी हुई। मध्य प्रदेश में इन ब्रांडेड शराब की कीमत 2300 से 2500 रुपए के बीच है। इसके अलावा दिल्ली जैसे राज्यों में मिडियम रेंज की शराब 600 से 800 रुपए में उपलब्ध हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ में ये 1100 से लेकर 1600 रुपए में मिल रही हैं। इसमें ब्लांडर स्प्राइड, मेग्डावल, सिग्नेचर, रॉयल स्टेग, रॉयल चैलेंज, अमेरिकन प्राइड जैसी शराब शामिल हैं। 1 सितंबर को नई दरे लागू की गई, उसके बाद व्हाइट एंड ब्लू, फ्रंटलाइन, विडंसर, रॉयल पैशन, आपटर डार्क, ऑल सीजन, वाइट रैबिट, ब्लैक एंड व्हाइट, 100 पाइपर्स डिलक्स, एसी ब्लैक, डबल ब्लैक के साथ ही जम्मू डिलक्स विस्की के रेट बढ़ाए गए।

केवल वाहन चालकों...

से लाई जा रही है लेकिन ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाही नहीं की जाती। रैकेट तोड़ने के लिए प्रयास नहीं होते। उसकी कई वजह भी बताई जाती हैं। जिसमें ऊपर से नीचे तक, मिलीभगत भी एक कारण है।

आठ की मौत, आरोप...

घर की शादी में भोजन किया था। यह भी बताया गया कि पिछले चार दिनों के भीतर अन्य 7 लोगों की मौत हो गई है। इन सभी ने कोमल लहरे से अवैध महुआ शराब खरीदकर पी थी और शादी में भोजन किया था। इन सभी मृतकों का अंतिम संस्कार हो गया है। आनन फानन में पुलिस राजू सुनहले का शव लेकर पोस्टमार्टम कराने सिम्स पहुंची। अस्पताल में शव का पीएम कराया गया।

प्रशासन ने कहा,...

अन्य सभी मृतकों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। जिनकी मृत्यु की सूचना प्रशासन को नहीं दी गई है। रामू सुनहले का पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट में लिखा है कि मृत्यु का कोई विशेष कारण अभी नहीं बताया जा सकता है। बिसरा, हिस्टो पैथोलॉजी एवं ब्लड एनालिसिस रिपोर्ट के बाद मृत्यु के कारण का निष्कर्ष निकाला जा सकेगा।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। अष्टविनायक हॉस्पिटल आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन) आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

HMS ARSH-RAHAT आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा अर्श-राहत बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है। आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें 94060-21769

JHAIGO झाईगो Cream तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें। क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखों पर काले घेरे है? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान है?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी Contact For Advertisement Booking Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस कैन्टीन में खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, काउन्टर में खाना देने एवं बर्तन धोने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा। पता- बिलासपुर 9993334937, 8871824812 **(36757)**

आवश्यकता है- डिस्ट्रीब्यूटर के यहां सेल्स, मार्केटिंग, डिलीवरी ब्वॉय, आफिस ब्वॉय आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 99587 75083 **(36756)**

आवश्यकता है- क्लीनिक में काम करने हेतु एक लड़की की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- चौहान डेंटल एंड कॉस्मेटिक्स, राजीव गाँधी चौक जरहाभाटा बिलासपुर 7987694540 **(36758)**

आवश्यकता है- ऑफिस ब्वाय 1 पद एवं एकाउन्टेंट 2 पद Tally Prime के जानकार व 10 वर्षों का अनुभवी की जरूरत है। संपर्क करें A-6 श्रीराम टॉवर एक्सिस बैंक के पीछे व्यापार विहार बिलासपुर मो. 93007 95080 **(36759)**

आवश्यकता है- घरेलू सभी काम, साफ सफाई हेतु महिला एवं एक पुरुष चौकीदार की आवश्यकता है। रहने के लिए रूम मिलेगा फैमिली वाले भी मो.7583808008 **(36761)**

आवश्यकता है- (1) माजदा ड्राइवर-2 (2) ऑफिस कार्य हेतु लेबर -4 (3) ऑफिस असिस्टेंट फीमेल- 2, मेल -2 (4) ITI पास टेक्नीकल असिस्टेंट- 2 चाहिए। पता- प्रतीक आटोमोबाइल्स बबल आइलैंड के सामने, सिरगिट्टी मोड़ बिलासपुर 88277 73222, 9425530065 **(36751)**

आवश्यकता है- बिलासपुर राजकिशोर नगर में ओला, कैब एवं ट्रेवल्स में कार चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है, कम से कम तीन साल का अनुभव हो वेतन 8000-10000 मो. 8109400008, 8839996385 **(36752)**

आवश्यकता है- अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है जो सभी गाड़ियां चला सके, वोल्वो, फार्च्यूनर स्विफ्ट इत्यादि। सम्पर्क करें- 9425219539 **(36738)**

आवश्यकता है- Job in Bilaspur ओशन कम्पनी में लड़के लड़कियों की आवश्यकता है योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट आय 10500 से 18000+ रहना, खाना सम्पर्क करें- तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 96444 33021 **(36727)**

आवश्यकता है- मोबाईल एसेसरीज के मार्केटिंग हेतु 3 लड़के 2 लड़कियों एवं दुकान हेतु 1 लड़के की आवश्यकता है पता एम.एन. मोबाईल मैग्नेटो मॉल बिलासपुर नोट स्वयं की गाड़ी अनिवार्य वेतन योग्यतानुसार मो. 99939 11150, 9302959752 **(36755)**

आवश्यकता है- हॉस्टल साफ सफाई सुबह 9 से शाम 6 तक, काम करने हेतू कर्मचारी चाहिए। संपर्क- मित्र विहार कालोनी, स्काई जिम के बगल वाली गली में, लिंक रोड बिलासपुर 9340969592, 7828803577 **(36750)**

आवश्यकता है- शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता 10वी, 12वी, स्नातक वेतन -10000 रहना खाना फ्रीट्रेनिंग के बाद कमाए 20 से 25 हजार महीना 88714 22576, 9981576163 **(302)**

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन कम्पनी मे मैनेजर- 2, (सिविल कार्य का अनुभव) एवं कंप्यूटर ऑपरेटर -1, ड्राइवर 1 बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- समय 12 से 5 बजे तक अनुमेष कंस्ट्रक्शन तोरवा बिलासपुर 9993495123 **(36728)**

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने के लिए लड़की या महिला की आवश्यकता है। वेतन 5000 तक। सम्पर्क करें- राजकिशोर नगर बिलासपुर 8962881411, 9826163818 **(36745)**

आवश्यकता है- बिलासपुर की निर्माणाधीन कालोनी मे मकान निर्माण हेतु कांट्रेक्टरों की आवश्यकता है सिविल-30, टाईल्स- 15, प्लंबिंग- 10, इलेक्ट्रीशियन 10, पेंटर-15, एल्युमिनियम सेक्शन- 10, वुडनडोर- 10, पीवीसीडोर- 10, एसएस रेलिंग- 5, शटरिंग- 10, स्टील फिटर-5 सम्पर्क- बिलासपुर 79992 45462, 7970010956, 79700 10973 **(36729)**

आवश्यकता है- वेल्डर, हेल्पर की फायर फाइटिंग प्रोजेक्ट के एमएस पाईप लाइन के कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एमएस सर्विसेस बिलासपुर 9039524801, 97535 11108 **(36753)**

आवश्यकता है- दुकान कार्य हेतु (महिला/ पुरुष 12वीं पास) डिलिवरी ब्वाय (लोकल एरिया जानकार), कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन, असिस्टेंट एकाउंटेंट (दवा दुकान में कार्य का अनुभवी) बायोडाटा सहित मिलें- जगत एजेन्सी तेलीपारा बिलासपुर **(36713)**

आवश्यकता है- (1) हॉस्टल कार्य हेतु लड़के, लड़की (2) रिसेप्शन सम्भालने हेतु स्मार्ट लड़के लड़कियां (3) पार्सल, खाना डिलीवरी हेतु लड़के (4) इंडियन, चाइनीज खाना बनाने हेतु कुक चाहिए सम्पर्क करें- 9329233000 **(36743)**

आवश्यकता है- ड्राइवर, मार्केटिंग स्टाफ, सुपरवाइजर सेल्समैन, कम्प्यूटर ऑपरेटर आदि वेतन 12000 से 20000 तक योग्यता अनुसार। मिलने का समय सुबह 11:30 से 3:30 बजे तक स्थान- कलकत्ता स्पोर्ट्स क्लब (आरआर कलेक्शन के ऊपर) सूर्या होटल के पीछे, कश्यप कॉलोनी गेट के सामने, पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर नोट- (1) अनुभवी को प्राथमिकता, फ्रेशर्स भी सम्पर्क करें (2) रिज्यूम के साथ सम्पर्क करे **(36737)**

आवश्यकता है- आफिस एवं साइट कार्य हेतु फ्रैशर मेहनती अनुभवी लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 10000 बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- के.डी. एसेट्स सेकेण्ड फ्लोर भारत पेंट कॉम्प्लेक्स, नेहरू चौक बिलासपुर 93003 96412 **(36744)**

आवश्यकता है- तिफरा इंडस्ट्रीयल एरिया बिलासपुर स्थित पानी फेक्ट्री में रहकर काम करने के लिए बाहर के मजदूरों की आवश्यकता है मो. 9425272222 **(36717)**

आवश्यकता है- मंगला चौक बिलासपुर स्थित भोजनालय में कुक हेल्पर, सप्लायर, वेटर, महिला एवं पुरुष की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार केवल अनुभवी ही सम्पर्क करें- 8319529383 **(36716)**

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (Sms Sending Calling Job) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप +मोबाइल मुफ़्त) Name, पता Qualification, Call /sms /whatsapp करें:- 8918984004. **(3262)**

आवश्यकता है- आकर्षक ऑफर पैन पेंसिल कंपनी में घर बैठे काम करके शिक्षित, बेरोजगार, लड़के - लड़कियां, महिलाएं पुरुष पैकिंग (24500 से 64500) महीना कमा फन्ड बोनस-09034329258 **(670)**

आवश्यकता है- घर की साफ सफाई हेतु रहकर काम करने के लिए महिला एवं पुरुष की आवश्यकता है रहने हेतु कमरा free सम्पर्क करें- रामा वर्ल्ड, सिरगिट्टी मोड़, रायपुर रोड, बिलासपुर 9340600776 **(36746)**

आवश्यकता है- बिलासपुर स्थित प्रतिष्ठित प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी को 5वर्ष अनुभवी एकाउंटेंट की आवश्यकता है। योग्यता बीकॉम, कम्प्यूटर में टैली, एक्सेल, वर्ड का ज्ञान। वेतन- योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9300323523 **(36740)**

आवश्यकता है- ऑपरेशन थिएटर में कार्य करने हेतु युवक स्टाफ योग्यता- OT Technician, B.sc, Nursing, BAMS, BHMS, MBBS की एवं बिलासपुर/ चांपा में 4-व्हीलर कार ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार, लाइसेंस/ बायोडाटा के साथ संपर्क करें:- 9893081826 **(3276)**

आवश्यकता है-कम्प्यूटर आपरेटर सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड लेडी गार्ड मार्केटिंग अधिकारी योग्यता 10वीं से स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई-5.7, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-Alert SGS Private Limited 434 चतुर्थ तल प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर रायपुर 7746000016, 77470 00019 **(3160)**

आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर की टैली या Busy सॉफ्टवेर के जानकार को प्राथमिकता संपर्क करे वेतन आवश्यकतानुसार सिरजन ऑटोमोटिव महिंद्रा केयर 7415894000 **(36754)**

आवश्यकता है- चुड़ी (मनिहारी) दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती लड़के एवं लड़कियों की शीघ्र आवश्यकता है। पता - फिरोजाबाद बैंगल्स स्टोर तेलीपारा बिलासपुर संपर्क करें 9425538825 **(36762)**

आवश्यकता है- एक सुपरवाइजर चाहिए। योग्यता बीटेक। समय सुबह 8 से शाम 5, वेतन 15000 प्रतिमाह बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- बिलासपुर सेरामिक्स प्राइवेट लिमिटेड RTO ऑफिस से आगे सीपत रोड लगरा 7019696743 **(36734)**

आवश्यकता है-लवली ड्रेसेस, CMD कालेज के साथ, लिंक रोड, बिलासपुर के लिए सेल्समैन एवं सेल्सगर्ल की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9893361111, 70001 03010 **(36691)**

आवश्यकता है-सिक्युरिटी गार्ड, मार्केटिग अफसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन 14500 से 18000 सम्पर्क करें- Tango Security Pvt. Ltd. ऑरेंज हाइव, 6th फ्लोर ऑफिस 603 मोवा रायपुर 8109070600, 7869230888 **(2476)**

आवश्यकता है-Ordeal Company को 120 लड़के लड़कियों की आवश्यकता है आय 8500 से 18000 रहना खाना फ्री परमानेन्ट जॉब सम्पर्क करें- उस्लापुर ओव्हर ब्रिज के पास दीपसागर नगर बिलासपुर 8003402269, 9519393913 **(36695)**

आवश्यकता है- आगरा में रहकर ऑफिस में कार्य हेतु 18 से 28वर्ष के 10वीं, 12वीं पास अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000+ कमीशन + बोनस, रहना फ्री शीघ्र सम्पर्क करें- 8937847856, 63952 68809 **(301)**

आवश्यकता है- ढाबा में काम करने के लिए वेटर, हेल्पर, मिस्त्री, कैप्टन की आवश्यकता है सामान्य पढ़ा लिखा होना चाहिए। सम्पर्क करें- रायपुर रोड बिलासपुर 7000942962, 90989 76666 **(36747)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें:- 8981475043, 80172 71898 **(3275)**

बेचना है

बेचना है- सैदा मेंड्रा लाइफ सिटी का 3BHK मकान पार्किंग के साथ सर्वसुविधा युक्त मात्र 17 लाख में उपलब्ध है, संपर्क करें 9238830734, 84588 04773 **(36724)**

बेचना है- बिलासपुर मोपका में सेन्दरी बायपास चौक में 60×100= 6000 वर्गफुट डबल रोड वाला एक शानदार डायवर्टेड आवासीय प्लाट एवं रायपुर रोड से LCIT कालेज रोड में चिचिरदा डामर रोड में 40 डिसमिल प्लाट वाजिब दाम पर अतिशीघ्र बेचना है। इच्छुक क्रेता ही सम्पर्क करें- 9131590153, 9691335602 **(36725)**

बेचना है- शानदार लोकेशन सेंदरी सकरी हाईवे रोड में काके दी ढाबा के पास 75 फिट फ्रंट में 13080 वर्गफिट, खमतराई में 30x70 एवं प्रथम हॉस्पिटल के पास 40x110 प्लाट बेचना है। 9300878897 **(3282)**

बेचना है- प्राइम लोकेशन, राजकिशोर नगर, होटल डॉउन टॉउन के पास, बिलासपुर में तीन बेडरूम, एक हॉल, एक किचन 1988 वर्गफुट में बना सर्वसुविधायुक्त मकान बेचना है सम्पर्क करें- 7898118404, 8884361134 **(36748)**

बेचना है- बिलासपुर में मध्य नगरी चौक में वैष्णवी अपार्टमेंट में द्वितीय तल पर 2BHK फ्लैट बेचना है। कृपया खरीदार ही सम्पर्क करें- 9764523388 **(36739)**

बेचना है- 2 कॉमर्शियल टोयोटा इटिऑस और 1 प्राइवेट डस्टर बेहतरीन कंडीशन में (वेल मेन्टेन्ड) शीघ्र बेचनी है संपर्क करें देव ट्रेवल कार रेंटल सर्विस रायपुर मो. 89599 10211 **(1631)**

बेचना है-मंगला लोखंडी मुख्य मार्ग पर आवासीय कालोनी में डायवर्टेड प्लाट बेचना है सीसी रोड नाली बिजली पानी एवं बैंक द्वारा फाइनेंस सुविधा सम्पर्क करें- 9993864783, 97136 66001 **(36551)**

Medicare Specialists
चिकित्सा मे अचूक प्रामाणिक प्रयोग
गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
संपर्क डॉ. अहमद सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाउस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
दिन- सोमवार, मंगलवार बुधवार, 10 से 5 बजे तक रविवार, 10 से 2 बजे तक 9098889899
निशांत अग्रवाल फार्मा साईंटिस्ट रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग,। मोबा.: 9425555659, 9617789223, 9303242200 समय शाम 4 -7 बजे तक। अपाईंटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे। 18 से 80 वर्ष तक लाभदायक घर बैठे मंगवाये। लाभ नहीं तो पैसे वापिस। 08116592844

किराया

किराया- मूंदड़ा हॉस्पिटल के सामने, मंगला चौक बिलासपुर में सर्वसुविधायुक्त चार मंजिला दुकान (630×4 फ्लोर) ऑफिस, शोरूम उपयोग हेतु किराये पर देना है सम्पर्क करें- 8982400030 **(36721)**

किराया- प्राइम लोकेशन रूफटॉप टेरेस गार्डन रेस्टोरेंट किराए पर उपलब्ध है 6000 वर्गफिट 100 लोगों की बैठक क्षमता, लिफ्ट, पार्किंग सुविधा, किराया 50000 महिना सम्पर्क- होटल नटराज, लिंक रोड बिलासपुर 9977861508 **(36741)**

किराया- बलदीपारा चोरभट्टी गनियारी से 2km पहले कोटा रोड बिलासपुर में चालू कंडिशन में सर्वसुविधायुक्त 2.36 एकड़ का प्लाईएश प्लांट किराये पर देना है (किराया 20000 प्रतिमाह) सम्पर्क करें- 7999826873, 62650 74633 **(36732)**

किराया- भारतीय नगर, शिव मंदिर के बगल में स्थित सर्वसुविधायुक्त 2BHK मकान केवल नौकरी या पढ़ने वाली लड़कियों को किराये से देना है। सम्पर्क करें- मानसी ब्यूटी पार्लर 9893007180 **(36730)**

किराया- पुराना हाईकोर्ट रोड पर स्थित 3000 वर्गफीट का दो मंजिला भवन अलग प्रवेश द्वार, पार्किंग सुविधा सहित बैंक अस्पताल, कार्यालय के लिए किराए पर देना है। सम्पर्क करें- 8839372500 **(36718)**

किराया- विद्या नगर गगन अपार्टमेंट के पास डीपूपारा में चौहानजी का मकान फैमिली, जॉब वाली महिलाओं, गर्ल्स छात्राओं एवं कामकाजी महिलाओं को मकान किराये पर देना है सम्पर्क करें- 9617830621 9131217676 **(36760)**

वैवाहिकी

ब्राम्हण वधु चाहिए-ब्राह्मण 40/5'-3'' ग्रोत्र- शाण्डिल्य, इलेक्ट्रिकल गारमेंट कॉन्ट्रेक्टर स्वयं का व्यवसाय मासिक आय 80हजार हेतु विधवा तलाकशुदा, अविवाहित, बिना बच्चे वाले (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) संपर्क करे- 9826294381, 9329023361 **(671)**

वधू चाहिए-कायस्थ उम्र 42, शिक्षित अविवाहित मध्यम वर्गीय परिवार के वर के लिए वधू चाहिए जाति बंधन नहीं शीघ्र विवाह विवाह ब्यूरो क्षमा सम्पर्क करें- 93994 87577 **(41249)**

वधु चाहिए ब्राह्मण एकाकी अधिकारी (कानूनी तलाक प्रतीक्षित) को 40वर्ष तक की (केवल घरेलू) मित्रवत एकाकी लड़की/ महिला जीवनसाथी चाहिए (अविवाहित, विधवा को प्राथमिकता) स्वयं फोन करें 7587724442

वर चाहिए 29 वर्षीय 5'-4" एमए, एमकॉम, रिसर्च स्कॉलर, गोंड (ध्रुव) स्वराशी महाविद्यालय में गेस्ट असिस्टेंट प्रोफेसर स्मार्ट कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिए -सम्पर्क करें- 9424399425 7987467641

वधु चाहिए विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 6', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित अविवाहित सजातीय अपर कास्ट, वधु चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा। सम्पर्क करे 9131453175

क्या आप देना चाहते हैं अपने बिज़नेस को बेहतर प्रतिसाद "तलाश की नई सुबह" तो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासीफाईड लघु विज्ञापन हेतु संपर्क करें 9826782100

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

पिछले विधानसभा चुनाव में हुआ था आगमन, किया था रोड शो

अकलतरा का मिथक बरकरार... सीएम केजरीवाल की कुर्सी भी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अकलतरा

अकलतरा में रोड शो करते अरविंद केजरीवाल। फाइल फोटो

दिल्ली में हुए विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की हार के बाद अकलतरा आने वाले मुख्यमंत्री को अपने पद से हाथ धोना पड़ता है, यह मिथक अब भी बरकरार है। दरअसल अकलतरा शहर में अभी तक जो भी मुख्यमंत्री आए है, उनके मुख्यमंत्री की कुर्सी चली गई है।

विदित हो कि साल 1959 में कैलाश नाथ काटजू अकलतरा रेलवे स्टेशन में अपने साथियों से मिलने आए और चाय पी थी। अकलतरा स्टेशन में चाय की चुस्की उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल की आखिरी चुस्की थी। उसके बाद उनकी सीएम की कुर्सी चली गई। फिर साल 1973 में मुख्यमंत्री प्रकाश चंद सेठी भी अकलतरा आए और यहां से जाने के बाद मुख्यमंत्री पद से हाथ धो बैठे। इतना ही नहीं साल 2003 में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री अजित जोगी भी अकलतरा में सभा किए और उन्हें भी मुख्यमंत्री पद नहीं मिला। 15 साल तक मुख्यमंत्री रहने के बाद डाक्टर रमन सिंह भी साल 2018 में अकलतरा विधानसभा के कार्यक्रम शामिल हुए थे। यह भी उनके मुख्यमंत्री रहते हुए अकलतरा पहले और आखिरी बार आना साबित हुआ। 2018 के विधानसभा चुनाव में उनकी सरकार चली गई और उन्हें भी सीएम पद से हाथ धोना पड़ा। इधर 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी के चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अकलतरा पहुंचे थे, उन्होंने अकलतरा के शास्त्री चौक में रोड शो किया था, इसके बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव का परिणाम आया तो उनकी भी कुर्सी चली गई।

उल्लेखनीय है कि 2023 के चुनाव में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान एवं असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वसरमा अब देखना यह है कि उनका राजनीतिक भविष्य क्या होगा।

महुआ शराब के साथ 2 महिलाएं समेत 6 गिरफ्तार

हसौद। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान अवैध शराब की बिक्री और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा की जा रही सख्ती के तहत थाना हसौद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने ग्राम गुंजियाबोड़ और नगारीडीह में दबिश देकर 55 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जब्त की है। इस मामले में 2 महिलाओं सहित कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। सक्ती पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव और एसडीओपी चंद्रपुर (डभरा) सुमित गुप्ता के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए 55 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों में पदमा जांगड़े पति स्व. उमाशंकर जांगड़े उम्र 37 साल निवासी गुंजियाबोड़, रामकृपाल जांगडे पिता स्व. रतिराम जांगड़े उम्र 48 साल निवासी गुंजियाबोड़, अर्जुन कुमार निराला पिता स्व. फूलेश निराला उम्र 24 साल निवासी नगारीडीह, मनहरण महिलांगे पिता स्व. जयराम महिलांगे उम्र 38 साल निवासी नगारीडीह, राजेश कुमार महिलांगे पिता छत्तुराम महिलांगे उम्र 45 साल निवासी नगारीडीह, मीना बाई महिलांगे पति स्व. अवधराम महिलांगे उम्र 41 साल निवासी नगारीडीह शामिल हैं।

सनकी युवक ने पिता को उतारा मौत के घाट सामान तोड़ने पर दिया वारदात को अंजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

सनकी युवक ने अपने ही पिता की बेरहमी से लाठी, डंडे और टांगी से वार कर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने अपने छोटे भाई को फोन लगाकर इसकी सूचना भी दी और फरार हो गया। फिलहाल घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम द्वारा शव को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है और आरोपी की तलाश जारी है।

बताया जा रहा है कि लुंड्रा थाना अंतर्गत ग्राम जामडीह निवासी हरिहर चौहान अपने बड़े बेटे अशोक चौहान के साथ रहता था जबकि हरिहर चौहान की पत्नी उर्मिला चौहान एक वर्ष से अपने मायके में ही थी। मृतक का मझला बेटा संतोष चौहान और बहु सोनमतिया अंबिकापुर में रहकर काम करती है जबकि उसका छोटा बेटा आशुतोष चौहान भी खेती किसान और वाहन चलाने का काम करता है। आशुतोष भी दो माह पूर्व काम करने के लिए अपने भाई भाभी के पास आ गया था जबकि घर पर हरिहर चौहान और उसका बड़ा बेटा अशोक चौहान ही थे। 7 फरवरी की सुबह 8.27 बजे आशुतोष को उसके बड़े भाई अशोक चौहान ने फोन कर बताया कि उसने पिता की हत्या कर दी है। इस दौरान जब उसने अपने बड़े भाई से इसका कारण पूछा तो आरोपी ने बताया कि पिता ने उसके बिल्डिंग मशीन को तोड़ दिया था जिससे आक्रोशित होकर उसने अपने पिता के साथ के मारपीट की और उनकी हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी अपना मोबाइल फोन बंद कर फरार हो गया। सूचना के बाद आशुतोष अपने भाई संतोष और भाभी सोनमतिया के साथ घर पहुंचा तो घर का दरवाजा बंद था और बाहर से सिकड़ी लगा हुआ था। जब युवक घर का दरवाजा खोलकर अंदर पहुंचे तो हरिहर साय जमीन पर मृत पड़ा हुआ था और शव चादर से ढंका हुआ था। जब ढाका हुआ था चादर हटाकर देखा तो सिर, चेहरा, दाढी, आंख के नीचे दायां कान में चोट लगा था और खून निकला था। घुटना के नीचे चोट व दोनों पैर भी टूट गया था। जमीन पर खून बिखरा हुआ था इसके साथ ही मौंके पर खून लगा डंडा, लोहे का पाइप, लोहे का टांगी, टूटा हुआ बेंट पड़ा हुआ था। इसे में मृतक के छोटे बेटे आशुतोष चौहान ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम द्वारा शव को मर्ग पंचनामा व पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

पश्चिम मध्य रेल

वाणिज्य विभाग, जबलपुर मण्डल

क्र. जबल/सी/170/ई–ऑक्शन/विविध/25, दिनांकः 04.02.2025

वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक जबलपुर द्वारा IREPS पर पंजीकृत संस्थाओं से ई–ऑक्शन के माध्यम से विज्ञापन एवं एसएलआरलीजिंग ठेके हेतु बोलियों आमंत्रित की जा रही है। ऑक्शन कैटेलाग को IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर प्रकाशित किया जा चुका है जबलपुर मंडल के आगामी ई–ऑक्शन का विवरण निम्नवत है। **श्रेणी** : पार्सल लीजिंग, **कैटेलागः** JBP-C-Par-49, **एसेट विवरणः** जबलपुर मंडल की गाड़ी संख्या 12192 (जबलपुर–निजामुद्दीन), 12160 (जबलपुर–अमरावती), 11651 (जबलपुर–सिंगरौली), 18248 (रीवा–बिलासपुर), 22938 (रीवा–राजकोट), 12187 (जबलपरु – सी.एस.एम.टी.), 22190 (रीवा–जबलपुर), 12186 (रीवा–आर.के.एम.पी.), 22188 (अधारताल–आर.के.एम.पी.), 22162 (दमोह–भोपाल), 12062 (जबलपुर–RKMP), 20906 (रीवा–एकता नगर), 22189 (जबलपुर–रीवा), 11706 (रीवा–जबलपुर), 20827 (जबलपुर–संतरागाछी), 11751 (रीवा–चिरमरी), 12187–12188 (जबलपुर–सी.एस.एम.टी.–जबलपुर) के एसएलआर लीजिंग हेतु।, **ऑक्शन प्रारंभः** 19–02–2025, 11:00 hrs, **ऑक्शन समापनः** 19–02–2025, 14:40 hrs.
1. बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि ई–ऑक्शन से सम्बधिंत जानकारी के लिए रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in. देखे। 2. उक्त ई–ऑक्शन आई.ई.पी.एस.(IREPS) के ई–ऑक्शन मोड्यूल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। 3. ई–ऑक्शन सम्बधिंत समस्त जानकारी जैसे पात्रता, कार्य का दायरा, ठेके की अवधि, नियम एवं शर्ते आदि आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है। 4. बोलीदाता IREPS में उल्लेखित दिनांक एवं समय के अनुसार ही ई–ऑक्शन में भाग ले सकते है। 5. सभी संभावित बोली दाताओं से अनुरोध है कि ई–ऑक्शन से सम्बधिंत किसी भी शुद्धिपत्र हेतु नियमित रूप से रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in. का अवलोकन करते रहे।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

केन्द्रीय विद्यालय चिरमिरी साक्षात्कार

(Walk-In-Interview)

केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी में विभिन्न पदों पर संविदा/अंशकालिक (Part-Time Contractual) आधार पर नियुक्ति हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने मूल प्रमाण पत्रों, उनकी स्वप्रमाणित छायाप्रतियों तथा दो नवीनतम पासपोर्ट आकार के छायाचित्रों सहित निर्धारित तिथि एवं समय पर विद्यालय परिसर में उपस्थित हों।

क्रं	पदों का विवरण	साक्षात्कार का तिथि एवं समय
1	स्नातकोत्तर शिक्षक (PGT) हिन्दी, अंग्रेजी, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, जीव-विज्ञान	दिनांक 18 .02 .2025, प्रात : 08 :00 बजे
2	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं संस्कृत	
3	प्राथमिक शिक्षक (PRT)	
4	खेलकूद प्रशिक्षक, योगा अनुदेशक	दिनांक 19 .02 .2025, प्रात : 08 :00 बजे
5	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) शिक्षक, कंप्यूटर अनुदेशक	
6	विशिष्ट शिक्षक (Special Educator)	
7	काउंसलर	
8	नर्स	

महत्वपूर्ण निर्देश : 1. साक्षात्कार में भाग लेने हेतु कोई भी यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। 2. वेतन केंद्रीय विद्यालय संगठन (KVS) के नियमानुसार देय होगा। पदों की शैक्षणिक योग्यताओं एवं अन्य जानकारी के लिए विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट https://seclchirimiri.kvs.ac.in देखें। 3. सभी पद संविदा/अंशकालिक (Part-Time Contractual) आधार पर है, अतः नियमित नियुक्ति हेतु कोई दावा मान्य नहीं होगा। 4. हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों माध्यमों में पढ़ाने की योग्यता तथा कंप्यूटर संचालन का कार्यसाधक ज्ञान आवश्यक है। 5. अभ्यर्थियों का चयन न्यूनतम योग्यताओं की पूर्ति. साक्षात्कार में प्रदर्शन तथा के.वि.सं. (KVS) की अद्यतन मार्गदर्शिका के अनुसार किया जाएगा। विस्तृत जानकारी हेतु www.kvsangathan.nic.in का अवलोकन करें। 6. साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों का प्रात: 08 :00 बजे से 10 :00 बजे तक ही पंजीकरण किया जाएगा। निर्धारित समय के बाद आने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। 7. यदि अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होती है, तो विद्यालय द्वारा लिखित परीक्षा आयोजित की जा सकती है।

प्राचार्य

पॉलिटेक्निक के तीन कर्मचारियों ने कमाई के लालच में गंवाएं 60 लाख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

निवेश राशि को डॉलर में बदलने एवं 24 महीने तक 10 फीसदी ब्याज राशि कमाने के झांसें में पड़कर सैकड़ों शासकीय कर्मी भी करोड़ों की ठगी के शिकार हुए हैं। अधिक कमाई के चक्कर में कर्मचारियों ने बैंक से कर्ज लेकर निवेश किया था। आमतौर पर कर्ज के लिए महीनों तक दौड़ाने वाले बैंकों ने भी कर्मचारियों की हैसियत एवं कर्ज की उपयोगिता जाने बिना उन्हें लाखों का ऋण दे दिया। गंगापुर निवासी गिरीश उपाध्याय फाइनेंस कंपनी का संचालन करता है वह अपने मित्र स्व.मृणाल रंजन बरियार के साथ इन्वेसमेंट एवं इंश्योरेंस का काम करता था तथा ब्रेस्टक टावर मोहाली चंडीगढ़ की कंपनी एमडीआर के हवाले से अलग-अलग स्कीम में रूपए को डॉलर में बदलने हर महीने 10 फीसदी ब्याज देने का झांसा देकर सैकड़ों लोगों को करोड़ों की ठगी का शिकार बनाया है। अधिक कमाई की लालच में शासकीय पॉलीटेक्निक के 3 कर्मचारी भी इस ठगी के शिकार हुए हैं। शुक्रवार को दो बैंकों के कर्मचारी निवेशक कर्मचारियों से उधार की किश्त वसूलने पहुंचे तो कर्मचारियों द्वारा कर्ज लेकर फर्जी कंपनी में निवेश करने की जानकारी मिली। ठगी के शिकार कर्मचारियों ने बताया कि उनके साथी स्टाफ के बेटे ने अधिक कमाई कराने का लालच देकर गिरीश उपाध्याय से उनकी भेंट कराई थी।

दो हॉट एयर बैलून के बीच बंधी रस्सी पर चले एथलीट, बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कहा जाता है कि जीवन में नाम कमाने के लिए कुछ बड़ा करके दिखाना पड़ता है। जर्मनी के 2 साहसी एथलीट ने इस कहावत को सच कर दिखाया है। इन दोनों ने अपने हैरतअंगेज कारनामे के जरिए उन उचाईयों को छू कर दिखाया, जिन तक पहुंच पाना असंभव होता है। दरअसल, दोनों ने आसमान में उड़ते 2 हॉट एयर बैलून के बीच बंधी रस्सी पर चलकर नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया है।

एथलीट अब तक की सबसे ऊंची स्लैकलाइन पर चले

पिछले साल बनाया गया था यह रिकॉर्ड

इन एथलीट का नाम फ्रीडी कुह्न और लुकास इर्मलर है, जो पहले भी कई विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं। उन्होंने अब तक की सबसे ऊंची स्लैकलाइन वॉक करके गिनीज बुक में अपना नाम शामिल कर लिया है। उन्होंने 8,202 फीट यानि 2,500 मीटर पर 1 मील ऊपर यह रिकॉर्ड बनाया है। यह रिकॉर्ड 9 नवंबर, 2024 को बनाया गया था, लेकिन इसकी आधिकारिक घोषणा 27 जनवरी को की गई थी।

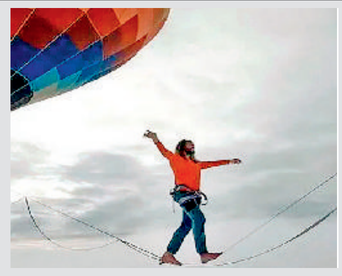

कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा

रिकॉर्ड प्रयास के दौरान जोड़ी को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। लुकास ने सबसे पहले रस्सी पर चलने का प्रयास किया था और दूसरे गुब्बारे तक पहुंचने में सक्षम होने से पहले वह 2 बार स्लैकलाइन से गिर थे। उन्होंने हार्नेस पहना हुआ था, लेकिन दोनों बार उन्हें पहले बैलून तक जा कर फिर से शुरुआत करनी पड़ी थी। लुकास ने अपने प्रयासों के बारे में कहा, विश्व रिकॉर्ड तोड़ने का मुख्य प्रयास मेरे लिए काफी कठिन था।

दोनों एथलीट के नाम दर्ज हैं ये अन्य रिकॉर्ड

रिकॉर्ड के पूरे होने के बाद इस जोड़ी ने एक-दूसरे की सफलता का जश्न मनाया और हॉट एयर बैलून पर मस्ती की। इसके बाद, दोनों पैराशूट की मदद से जमीन पर सफलतापूर्वक उतर गए थे। फ्रीडी ने कहा: यह मेरे जीवन की सबसे आनंददायक और खूबसूरत स्लैकलाइन वॉक थी। इससे पहले 2017 में फ्रीडी हवा में 110 मीटर लंबी लाइन पर चले थे। वहीं, लुकास ने 2019 में 2 किमी लंबी स्लैकलाइन पर चलकर एक रिकॉर्ड कायम किया था।

फ्रीडी के लिए भी चुनौतीपूर्ण था

लुकास के सफलता प्राप्त करने के बाद फ्रीडी ने रस्सी पर चलना शुरू किया। उन्होंने कहा, स्लैकलाइन पर लुकास को संघर्ष करते देखना मेरे लिए बहुत डराने वाला था। फ्रीडी को भी अपने प्रयास के दौरान चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। बदलते मौसम और लगातार हिलते हुए गुब्बारों ने स्लैकलाइन के पार जाने के उनके प्रयासों को प्रभावित किया। फ्रीडी ने बताया कि बैलून केवल आगे-पीछे ही नहीं, बल्कि ऊपर-नीचे भी हो रहे थे।

ये हैं नीलामी में बिकने वाली सबसे महंगी गाड़ियां, कीमत जानकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली। गाड़ियां ज्यादातर लोगों के लिए महज यात्रा का साधन होती हैं, लेकिन कुछ लोग इन्हें संग्रहित करने का शौक रखते हैं। ऐसे लोगों को पुरानी या दुर्लभ गाड़ियां खरीदना पसंद होता है और वे इनके लिए करोड़ों की कीमत चुकाने से भी पीछे नहीं हटते हैं। आइए नीलामी में बिकने वाली 5 सबसे महंगी गाड़ियों की सूची पर नजर डालते हैं। इन सभी गाड़ियों की कीमत सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे।

1955 मर्सिडीज बेंज 300 एसएलआर उहलेनहॉट कूपे

1955 मर्सिडीज बेंज 300 **SLR** उहलेनहॉट कूपे नीलामी में बिकने वाली दुनिया की सबसे महंगी गाड़ी है। इस गाड़ी के केवल 2 मॉडल बनाए गए थे, जिनका नाम इसके डिजाइनर रुडोल्फ उहलेनहॉट के नाम पर रखा गया था। एक को मर्सिडीज के कॉर्पोरेट संग्रहालय में प्रदर्शित किया गया है और दूसरे मॉडल को 2022 में नीलामी किया गया था। इसकी कीमत 12 अरब रुपये से अधिक लगी थी। इसके जरिए फैंगियो और मॉस जैसे ड्राइवरों ने 5 रेस जीती थीं।

स्कैग्लिएटी की 1962 फेरारी 250 जीटीओ 3413 जीटी

स्कैग्लिएटी की 1962 फेरारी 250 जीटीओ का 3413 जीटी मॉडल इस सूची में चौथा स्थान रखता है। इस गाड़ी को 2018 में आरएम सोथबी नामक नीलामी घर ने नीलाम किया था। इस गाड़ी का नंबर 23 है और यह फेरारी 250 जीटीओ का तीसरा मॉडल है। नीलामी के दौरान इस गाड़ी को 4.23 अरब रुपये की भारी कीमत पर बेचा गया था। इसे स्कैग्लिएटी नामक कोचवर्क कंपनी ने अपग्रेड भी किया था।

स्कैग्लिएटी की 1962 फेरारी 250 जीटीओ

स्कैग्लिएटी की 1962 फेरारी 250 जीटीओ नीलामी में बिकने वाली तीसरी सबसे महंगी गाड़ी है। यह एकमात्र जीटीओ मॉडल थी, जिसे स्कुडेरिया फेरारी ने अपने स्पोर्ट्स कार प्रयासों के दौरान चलाया था। यह गाड़ी फेरारी क्लब ऑफ अमेरिका के अध्यक्ष के स्वामित्व में थी, जिसे 2023 में नीलाम किया गया। नीलामी में इस कार की कीमत 4.52 अरब रुपये लगी थी। इस गाड़ी का नंबर 7 है और इसने कई रेसरों को जीत दिलाने में योगदान दिया था।

1954 मर्सिडीज डब्ल्यू 196 आर स्ट्रीमलाइनर

अब तक की सबसे महंगी फॉर्मूला 1 कार ही अब तक नीलाम हुई दूसरी सबसे महंगी कार भी है। इस गाड़ी का नाम है मर्सिडीज डब्ल्यू 196 आर स्ट्रीमलाइनर, जिसे फरवरी 2025 में बेचा गया था। इसे 4.82 अरब रुपये की भारी कीमत पर बेचा गया है। यह स्ट्रीमलाइनर बेचा जाने वाला पहला और बिक्री के लिए जाने वाला दूसरा डब्ल्यू 196 आर मॉडल था। इस गाड़ी को इंडियानापोलिस मोटर स्पीडवे संग्रहालय में लगभग 60 सालों तक प्रदर्शित किया गया था।

शादी में खाने के लिए लोगों को बिठाया, बोतल में परोसी शराब : नई दिल्ली। भारत के अलग-अलग हिस्सों में शादियों के तौर-तरीके काफी अलग होते हैं। कहीं पर लोगों को बिठाकर खाना खिलाया जाता है, तो कहीं पर लोग बुफे स्टाइल में खाना खाते हैं। हाल ही में एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक शादी समारोह में लोग खाने के लिए बैठे नजर आ रहे हैं। ये लोग टेबल-कुर्सी पर बैठे हैं। उनके सामने कागज की थाली रखी गई है, जिसपर खाना परोसा जाना है। पर खाने से पहले थाली पर शराब की बोतल परोसी जाती है, जिसे देखकर लोग काफी हैरान हैं।

तड़के हुआ सड़क हादसा, तीन दोस्तों की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

परपा थाना क्षेत्र स्थित मारेंगा बाईपास मार्ग में तड़के हुए सड़क हादसे में 3 दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के दौरान तीनों दोस्त एक ही बाइक से केशलूर से जगदलपुर की ओर आ रहे थे, तभी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे की खबर सुबह लोगों को लगी और इसकी सूचना परपा पुलिस को दी गई।

जानकारी के मुताबिक स्थानीय मारूती शोरूम में मेकेनिक के पद पर कार्यरत दिव्यांश कारकी (24) व तेजेन्द्र ठाकुर (26) अपने एक अन्य मित्र तुषार शर्मा (24) के साथ तुषार की बाईक क्रमांक सीजी 26 ई 8661 में सवार होकर केशलूर चौक की ओर से आ रहे थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए मारेंगा बाईपास के करीब बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क से दूर होने की वजह से रात में घटना की खबर नहीं लग सकी सुबह मार्ग से आवाजाही करने वाले लोगों ने तीनों को देखकर परपा पुलिस को घटना की जानकारी दी। जब तक पुलिस मौके पर पहुंचती तीनों की मौत हो चुकी थी। पंचनामा कार्रवाई के बाद तीनों के शव को डिमरापाल मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

आरोपी की तलाश जारी

घटना की सूचना तीनों के परिजनों को दी गई दोपहर में पीएम के बाद तीनों के शव को परिजनों को सौंप दिया गया। एसडीओपी केशलूर लक्ष्मण सिंह पोटाई ने बताया कि मामला दर्ज कर एक्सीडेंट के बाद फरार हुए वाहन व चालक की पुलिस तलाश कर रही है। वाहन की तलाश के लिए आसपास के सीसीटीवी फूटेज खंगाला जा रहा है।

गीदम, दंतेवाड़ा व बचेली के थे मृतक

पुलिस के मुताबिक तीनों मृतक दंतेवाड़ा जिले के गीदम, दंतेवाड़ा व बचेली के रहने वाले थे। मेकेनिकल में आईटीआई करने के बाद दो दोस्त दिव्यांश कारकी व तेजेन्द्र ठाकुर मारूती शोरूम में मेकेनिक के पद पर कार्य कर रहे थे तथा शोरूम के करीब ही किराए के मकान में रहते थे। शुक्रवार को भी दोनों काम के बाद शोरूम से निकले और अपने साथी तुषार शर्मा के बाईक से खाना खाने केशलूर की ओर गए थे। वापसी में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे तीनों की मोके पर ही मौत हो गई।

चोरी के सामान के साथ नाबालिग सहित दो गिरफ्तार

रायपुर। डीडीनगर पुलिस ने चोरी के सामान के साथ नाबालिग सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी चंद्रकुमार शर्मा निवासी विप्रनगर रायपुरा ने 26 दिसंबर 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि हिटाची कंपनी के एसी के अंदर लगे 2 कम्प्रेशर, 4 क्वाइल एवं पंखा एसी के अंदर का सामान कीमती करीब 10 हजार रुपए चोरी हो गए। पुलिस ने इसकी जांच करते हुए आरोपी कुणाल नेताम निवासी बीएसयूपी कालोनी सरोना को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एसी कापर पाइप 5 किलो 80 ग्राम जब्त किया है।

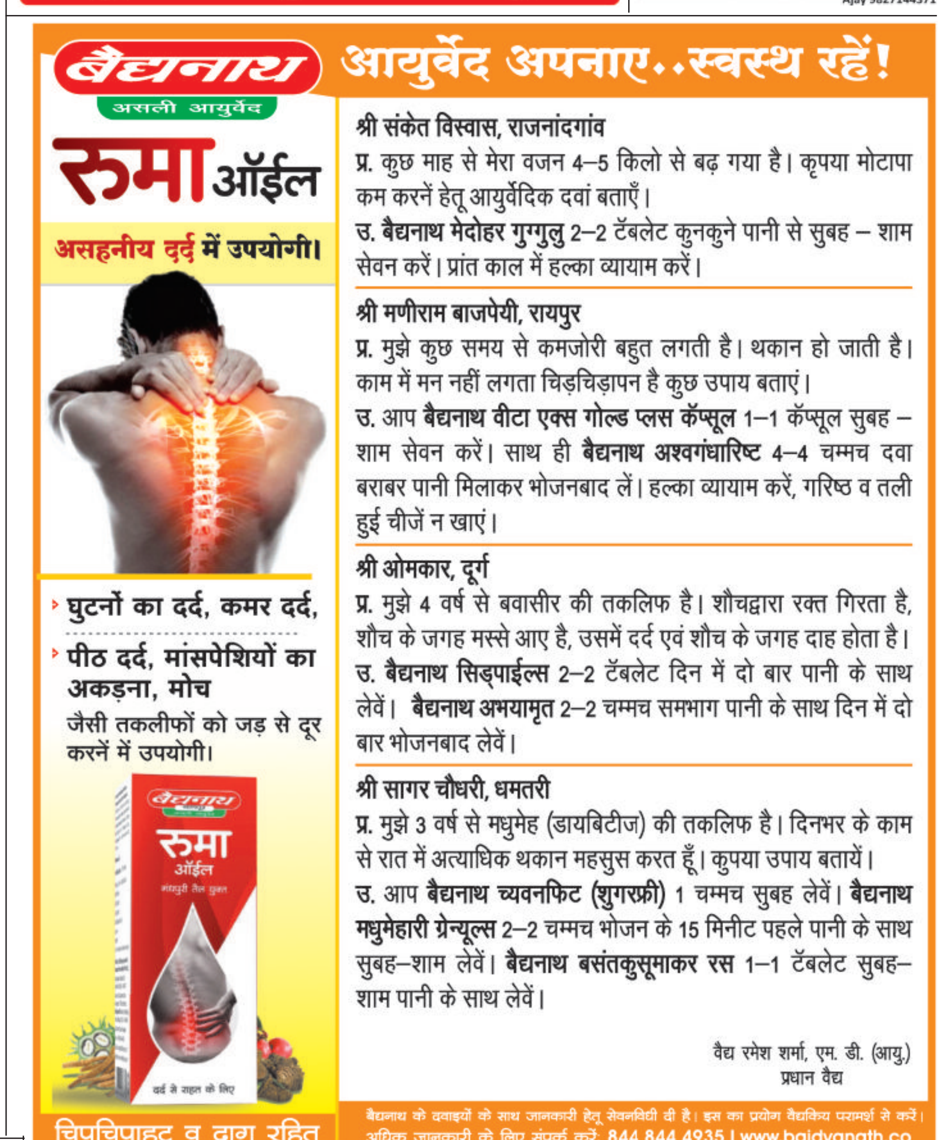

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com